बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
सोमवार 11 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 317
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर की चार्जशीट

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। ईडी का आरोप है कि वाड्रा ने दो कंपनियों के जरिए 58 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की, जिसका इस्तेमाल उन्होंने अचल संपत्तियां खरीदने, निवेश करने, कारोबारी कर्ज चुकाने और विभिन्न ग्रुप कंपनियों को फंड देने में किया। ईडी की चार्जशीट के अनुसार, वाड्रा को कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी यह रकम दो रास्तों से मिली। इसमें 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (बीबीटीपीएल) के जरिए और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए ट्रांसफर हुए। ईडी के अनुसार जांच में सामने आया कि इन दोनों कंपनियों से प्राप्त रकम को वाड्रा ने न केवल अचल संपत्ति खरीदने और निवेश में लगाया, बल्कि अपने व्यवसायिक नेटवर्क की देनदारियां चुकाने में भी इस्तेमाल किया। ईडी का कहना है कि पूरी प्रक्रिया में मनी लॉन्ड्रिंग रोधक कानून (पीएमएलए) के तहत अपराध से अर्जित संपत्ति को छिपाने और वैध दिखाने की कोशिश की गई।

दलाई लामा को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार

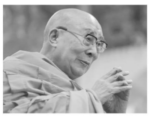

धर्मशाला। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट्स ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार के लिए जिन तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हस्तियों का चयन किया है, उसमें तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु 14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का नाम भी शामिल है। यह घोषणा अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरस्त्रीकरण और शांतिपूर्ण विश्व के लिए मार्च के आयोजन से पहले की गई। दलाई लामा को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं, जिनमें सबसे प्रमुख 1989 का नोबेल शांति पुरस्कार है। इसके अतिरिक्त, उन्हें 2006 में अमेरिकी कांग्रेसनल गोल्ड मेडल, 2012 में टेम्पलटन पुरस्कार, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और 2025 में गोल्ड मर्करी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा दलाई लामा को कई मानद डॉक्टरेट उपाधियां और अन्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ जूरिस्ट्स ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शांति पुरस्कार के लिए जिन तीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात हस्तियों का चयन किया है, उसमें तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु 14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का नाम भी शामिल है।

कुछ ना कहना

पीएम मोदी का ट्रम्प को डेड इकोनॉमी कहने पर जवाब-देश उपलब्धियों का परचम लहरा रहा...

भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को उनका नाम लिए बिना जवाब दिया। मोदी ने बेंगलुरु में कहा कि भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती इकोनॉमी है। हम 10 वें नंबर से टॉप 5 में आ गए हैं। जल्द ही टॉप 3 में आएंगे। ये ताकत रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म से मिली है। देश की उपलब्धियों का परचम आसमान में लहरा रहा है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाते हुए भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। ट्रम्प ने कहा था कि भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय सैनिकों की आतंकियों और पाकिस्तान को घुटने में लाने की क्षमता को पूरी दुनिया ने देखा है। इसकी सफलता के पीछे हमारी टेक्नॉलॉजी और मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बेंगलुरु के युवाओं का भी बहुत योगदान है।

पीएम ने 3 वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

पीएम ने बेंगलुरु के केएसआर रेलवे स्टेशन पर 3 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें बेंगलुरु से बेलगावी, अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और नागपुर (अजनी) से पुणे तक की ट्रेनें शामिल हैं। पीएम ने बेंगलुरु और राज्य के लिए कई विकास कार्यों का शुभारंभ और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। पीएम ने बेंगलुरु मेट्रो की यलो लाइन का भी उद्घाटन किया। जो आरवी रोड (रगिगुड्डा) से बोम्मसंद्रा तक जाएगी।

मेट्रो के लिए बड़ी कंपनियों ने फंडिंग की

प्रधानमंत्री ने कहा कि यलो मेट्रो लाइन के आने से लाखों लोगों को फायदा होगा। आज ऑरेंज लाइन का भी शिलान्यास किया। इसके शुरू होने के बाद यलो और ऑरेंज मेट्रो लाइन से 25 लाख लोगों को फायदा होगा। बेंगलुरु मेट्रो के लिए इन्फोसिस समेत कई बड़ी कंपनियों ने फंडिंग की। इसके लिए कार्पोरेट सेक्टर को बधाई। उन्होंने कहा f 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे और इनकी संख्या 160 से ज्यादा है। सिर्फ 3 नेशनल वॉटरवेज थे अब ये संख्या 30 हो चुकी है। 11 साल पहले 7 एम्स थे, अब 22 एम्स और 700 मेडिकल कॉलेज हैं। 2014 से पहले भारत का टोटल एक्सपोर्ट 468 बिलियन डॉलर था। आज 824 बिलियन डॉलर है।

जल्द ही मिलेगी मेड इन इंडिया चिप

पीएम मोदी ने कहा कि इंडिया ग्लोबल एआई की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर मिशन की स्पीड पकड़ रहा है। जल्द ही मेड इन इंडिया चिप मिलने जा रहा है। भविष्य से जुड़ी टेक्नोलॉजी में भारत आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मोबाइल इम्पोर्ट करते थे आज टॉप 5 एक्सपोर्टर बन गए है। बेंगलुरु की इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। 2014 से पहले हमारा इलेक्ट्रॉनिक एक्सपोर्ट 6 बिलियन डॉलर था जो अब 38 बिलियन डॉलर हो गया है। ऑटो मोबाइल एक्सपोर्ट 16 बिलियन डॉलर था जो अब डबल हो चुका है। सही रिफॉर्म्स सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने कानून डिक्रिमिनाइल्ज करने के लिए जन विश्वास बिल पास किया जल्द ही 2.0 भी पास करेंगे। राज्य सरकार को भी ऐसे बिल पास करना चाहिए।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की तैयारी में भारत

अमेरिका भारत के साथ इस विवाद को अपने शर्तों पर सुलझाने की कोशिश कर रहा है। जिससे भारत के पास पलटवार के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं बचा है। भारत अमेरिका के स्टील और मेटल से जुड़े अन्य प्रोडक्ट्स पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है। भारत को अमेरिका 45 बिलियन डॉलर से ज्यादा का एक्सपोर्ट करता है। वहीं, हालिया टैरिफ से पहले भारत का अमेरिका को एक्सपोर्ट 86 बिलियन डॉलर का था। अगर भारत टैरिफ के मामले में जवाबी कार्रवाई करता है, तो व्यापार घाटा और बदल सकता है। इस साल फरवरी में प्रेसिडेंट ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाइलैटरल ट्रेड को 500 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने और बातचीत शुरू करने का वादा किया था, लेकिन अमेरिका भारत के कृषि और संवेदनशील सेक्टरों में ज्यादा रियायत चाहता है। वहीं अमेरिकी मांग को भारत ने ठुकरा दिया, जिसके बाद ट्रेड डील पर बातचीत ठप पड़ गई।

नोटिस, सुनवाई और तर्क के बिना नहीं हटाया जाएगा मतदाता सूची से नाम

एसआईआर मामले में चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। आयोग ने अपने जवाब में कहा कि बिहार में किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना पूर्व सूचना व सुनवाई का अवसर दिए और तर्कपूर्ण आदेश के मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। योग्य मतदाताओं का नाम फाइनल मतदाता सूची में शामिल कराने हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। बिहार में चल रहे एसआईआर में गलत तरीके से नाम हटाए जाने के प्रयासों को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने आरोप लगाया कि 65 लाख मतदाताओं के नाम गलत तरीके से सूची से बाहर किए गए और पारदर्शिता के मुताबिक उनकी सूची प्रकाशित नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट ने 6 अगस्त को निर्वाचन आयोग को हलफनामा दाखिल कर स्थिति साफ करने का आदेश दिया था। इस मामले में 13 अगस्त को सुनवाई होगी। आयोग ने अपने अतिरिक्त हलफनामे में कहा कि एसआईआर का पहला चरण पूरा हो चुका है और 1 अगस्त 2025 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। यह चरण बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम और फॉर्म जमा करवाने के बाद पूरा हुआ। 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ लोगों ने अपने दस्तावेज जमा किए हैं। इसके लिए 38 जिला निर्वाचन पदाधिकारी, 243 निर्वाचन पंजीकरण पदाधिकारी, 77,895 बीएलओ, 2.45 लाख स्वयंसेवक और 1.60 लाख बूथ स्तर एजेंट इस काम में सक्रिय रहे। राजनीतिक दलों को समय-समय पर छूए हुए मतदाताओं की सूची दी गई। प्रवासी मजदूरों के लिए 246 अखबारों में विज्ञापन, ऑनलाइन-ऑफलाइन फॉर्म सुविधा, शहरी निकायों में विशेष कैंप, युवाओं के लिए अग्रिम पंजीकरण और वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों की सहायता के लिए 2.5 लाख स्वयंसेवक तैनात किए गए। किसी भी नाम को हटाने से पहले नोटिस, सुनवाई और सक्षम अधिकारी का कारणयुक्त आदेश अनिवार्य है। 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक दावे-आपत्तियां दर्ज की जा सकती हैं। सभी दावों का निस्तारण सात कार्यदिवस में किया जाएगा। अपील ईआरओ और फिर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास होगी। आयोग ने कहा कि प्रक्रिया पर रोजाना प्रेस रिलीज से जनता को जानकारी दी जा रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए साझा उम्मीदवार उतारेगा इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने भी तैयारी शुरू कर दी है। विपक्षी गठबंधन का साझा उम्मीदवार उतारने के लिए कांग्रेस ने कमर कस ली है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का नाम तलाशने और आम सहमति बनाने के लिए गठबंधन के सहयोगी दलों से संपर्क कर रहे हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया का मानना है कि वे चुनाव में अपने दमदार प्रदर्शन के जरिये सत्ताधारी दल को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

उपराष्ट्रपति का चुनाव नौ सितंबर को होना है। चुनाव को लेकर सत्ताधारी एनडीए गठबंधन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को

सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया है। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया ने भी उम्मीदवार के नाम पर सहमति बनाने पर चर्चा शुरू कर दी है। संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श के लिए इंडिया ब्लॉक के साझेदारों के बीच बातचीत चल रही है। जबकि खरगे आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पार्टियों के बीच आम सहमति है कि इंडिया गठबंधन उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करेगा। विपक्षी खेमे के एक वर्ग का मानना है कि भाजपा के उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही इंडिया गठबंधन को अपना उम्मीदवार तय करना चाहिए।

15 को मिलेंगे विश्व के दो महान नेता, कैसे भी हो बस यह जंग रुके

भारत ने कहा- जरूरत पड़ी तो शांति बहाल करने में अपना योगदान देंगे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ वॉर छेड़ रखा है, लेकिन भारत अपने शांति संदेश के साथ खड़ा है। बता दें ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलास्का में मिलने वाले हैं। इसे लेकर भारत ने कहा कि यह मुलाकात यूक्रेन युद्ध खत्म करने और शांति स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकती है। भारत ने कहा कि कैसे भी हो, बस जंग रुकनी चाहिए। यह बयान पीएम मोदी के उस रुख से मेल खाता है, जिसमें उन्होंने कई बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है।

बता दें 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक न केवल अमेरिका और रूस के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए अहम है। चार साल से जारी यूक्रेन युद्ध में हजारों लोग मारे जा चुके हैं वहीं लाखों विस्थापित हुए हैं। ऐसे में भारत को उम्मीद है कि यह मुलाकात 'शांति की खिड़की' खोल सकती है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत, अमेरिका और रूसी संघ के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक का स्वागत करता है। यह बैठक यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने और शांति की संभावनाओं को खोलने का वादा करती है। बयान में कहा गया कि भारत किसी भी ऐसे प्रयास का समर्थन करेगा जो हिंसा रोकने और कूटनीति के ज़रिए हल खोजने में मदद करे। विदेश मंत्रालय ने पीएम मोदी का वह बयान दोहराया, जिसमें उन्होंने कहा है 卐यह युद्ध का युग नहीं है卐। भारत ने साफ किया कि वह इस शिखर वार्ता का समर्थन करता है और अगर जरूरत पड़ी तो शांति बहाल करने की कोशिशों में अपना योगदान देने के लिए तैयार है। बता दें शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस मुलाकात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा- अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बहुप्रतीक्षित बैठक शुक्रवार 15 अगस्त को अमेरिका के ग्रेट स्टेट अलास्का में होगी। अमेरिकी अधिकारियों ने अभी तक इस बैठक के एजेंडे या ट्रंप के साथ जाने वाले दल के बारे में जानकारी नहीं दी है, लेकिन माना जा रहा है कि चर्चा का केंद्र यूक्रेन संघर्ष ही रहेगा। भारत ने भले ही सीधे तौर पर मध्यस्थ की भूमिका का दावा नहीं किया, लेकिन उसके बयान से साफ है कि वह जरूरत पड़ने पर शांति की पहल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने को तैयार है।

श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन की नई कमेटी गठित, रिटायर्ड जज होंगे अध्यक्ष

- श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया

मथुरा। वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन में पारदर्शिता और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मंदिर के संचालन के लिए अपनी ओर से एक कमेटी का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस अशोक कुमार करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मंदिर के प्रबंधन हेतु बनाए गए अध्यादेश के उस हिस्से पर स्थगन लगा दिया है, जिसके तहत सरकार ट्रस्ट का गठन करना चाहती थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक इलाहाबाद हाई कोर्ट इस अध्यादेश पर कोई निर्णय नहीं देता, तब तक मंदिर का प्रशासन सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ही संभालेगी। कमेटी के अध्यक्ष को प्रति माह 2 लाख और सदस्य मुकेश मिश्रा को 1 लाख का मानदेय मिलेगा, जो मंदिर के खातों से दिया जाएगा। साथ ही, उन्हें परिवहन और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। कमेटी का कार्यालय मथुरा में स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए जिला प्रशासन को बिना किसी शुल्क के स्थान उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि प्रशासनिक विफलताओं और सेवायतों के आपसी विवादों के कारण श्रद्धालुओं को पिछले वर्षों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जबकि मंदिर को सैकड़ों करोड़ रुपए का दान प्राप्त होता है।

कांग्रेस की डिनर डिप्लोमेसी : खड़गे ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रखी डिनर पार्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सोमवार, 11 अगस्त को इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए विशेष डिनर पार्टी का आयोजन करने जा रहे हैं। यह आयोजन ग्रजधानी के चाणक्यपुरी स्थित होटल ताज पैलेस में होगा।

सूत्रों के मुताबिक, यह कदम ऐसे वक्त में उठाया गया है जबकि विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित चुनावी धांधली के खिलाफ एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। इसी दिन विपक्षी सांसद संसद से लेकर चुनाव आयोग कार्यालय तक एक विरोध मार्च भी निकालेंगे, जिसमें चुनाव में कथित गड़बड़ियों के मुद्दे को जोरदार ढंग से उठाए जाने की उम्मीद है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो खड़गे का यह डिनर केवल औपचारिक दावत नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच रणनीतिक संवाद और तालमेल बढ़ाने का प्रयास भी है। माना जा रहा है कि इस मौके पर आगामी चुनावी रणनीति, संयुक्त अभियानों और विपक्षी गठबंधन की मजबूती पर चर्चा हो सकती है।

यहां बताते चलें कि इससे पहले ही कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी डिनर का अयोजन कर चुके हैं। तब इंडिया ब्लॉक के शीर्ष नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर डिनर के दौरान बैठक कर प्रमुख मुद्दों पर न सिर्फ चर्चा की थी बल्कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण (एसआईआर) के साथ-साथ वोट चोरी मॉडल के खिलाफ लड़ने की शपथ भी ली थी। बहरहाल अब 11 अगस्त को खड़गे की डिनर पार्टी में क्या-क्या होता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा...

अगला युद्ध जल्द हो सकता है

चेन्नई। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान से जल्द ही दोबारा युद्ध होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि अगला युद्ध जल्द हो सकता है। हमें उसी के मुताबिक तैयारी करनी होगी और इस बार हमें यह लड़ाई मिलकर लडऩी होगी। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने हमें फ्री हैंड दिया था।

ऑपरेशन में हम चेस खेल रहे थे। हमें नहीं पता था दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। ऐसे ही पाक को भी हमारी चाल का नहीं पता था। जनरल द्विवेदी ने कहा कि इसे ग्रे जोन कहा जाता है। इसका मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे हैं। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 25 अप्रैल को हमने उत्तरी कमान का दौरा किया। यहां ऑपरेशन की प्लानिंग की, जिसमें हमने 9 में से 7 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, इसमें कई आतंकी भी मारे गए। उन्होंने कहा कि 29 अप्रैल को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह महत्वपूर्ण है कि कैसे एक छोटा सा नाम ऑपरेशन सिंदूर पूरे देश को जोड़ता है। यह एक ऐसी बात है जिसने पूरे देश को प्रेरित किया। यही कारण है कि पूरा देश कह रहा था कि आपने इसे क्यों रोक दिया? यह सवाल पूछा जा रहा था और इसका भरपूर जवाब दिया गया है।

अब बिहार डिप्टी सीएम के भी दो वोटर-कार्ड सामने आए

तेजस्वी बोले- या तो चुनाव आयोग ने किया फर्जीवाड़ा या विजय सिन्हा फर्जी हैं

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बाद अब डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के भी दो एपिक नंबर मिले हैं। मतदाता सूची में विजय सिन्हा का लखीसराय और पटना के बांकीपुर विधानसभा के नाम से एपिक नंबर दर्ज है। दोनों में एड्रेस और उम्र अलग-अलग है। नाम और पिता का नाम एक ही है, लेकिन एक वोटर आईडी में पिता का स्व. शारदा रमन सिंह लिखा गया है।

हालांकि, डिप्टी सीएम ने 2020 के एफिडेविट में अपनी उम्र-54 और एड्रेस- एग्जीबिशन रोड, स्थित पुष्प बिहार अपार्टमेंट के बगल में मां भवानी शारदालय, पटना बताया था। ये एड्रेस दोनों ही वोटर आईडी कार्ड पर नहीं है। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी ने कहा कि विजय कुमार सिन्हा का दो एपिक नंबर है। वो भी दो विधानसभा क्षेत्रों में, जिनमें उम्र भी अलग अलग है। तेजस्वी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ने दौरान ऑफिशियल वेबसाइट पर दोनों एपिक को ऑनलाइन चेक कर दिखाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बिजली चली गई। इस पर तेजस्वी ने कहा कि ये वही मुख्यमंत्री जी का बिजली फ्री है क्या?

राहुल गांधी डिक्लेरेशन दें या फिर झूठे आरोपों के लिए माफी मांगें- चुनाव आयोग

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से लगातार चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसे लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने एक बार फिर सख्ती से उनके बयान पर अपना जवाब दोहराया। आयोग ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नियमों के अनुसार डिक्लेरेशन दें या फिर अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगें। इससे पहले भी भारत निर्वाचन आयोग ने नेता प्रतिपक्ष के बयान को भ्रामक बताया था। ईसीआई फैक्ट चेक ने कहा कि लोकसभा 2024 में वोटर लिस्ट तैयार करने के दौरान आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 के तहत सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कांग्रेस द्वारा शायद ही कोई अपील दायर की गई हो। राहुल गांधी द्वारा ऐसे कई आरोप लगाए जा रहे हैं और मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए जा रहे हैं, जबकि उन्होंने कभी कोई लिखित शिकायत प्रस्तुत नहीं की है। अतीत में भी उन्होंने कभी व्यक्तिगत रूप से स्व-हस्ताक्षरित पत्र नहीं भेजा है। चुनाव आयोग के अनुसार, उदाहरण के लिए उन्होंने दिसंबर 2024 में महाराष्ट्र का मुद्दा उठाया। इसके बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक वकील ने ईसीआई को पत्र लिखा। हमारा उत्तर 24 दिसंबर 2024 को ईसीआई की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। फिर भी राहुल गांधी का दावा है कि चुनाव आयोग ने कभी जवाब नहीं दिया।

चुनाव आयोग से 2-2 हाथ करने के मूड में राहुल गांधी; खोला नया मोर्चा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोट चोरी के खिलाफ एक मुहिम छेड़ दी है। इसके लिए उन्होंने एक वेबसाइट लॉन्च की है और लोगों से चुनाव में चल रही कथित गड़बड़ी के खिलाफ कैंपेन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, वोट चोरी एक व्यक्ति, एक वोट के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत पर हमला है। दूसरी तरफ बीजेपी प्रवक्ता अमित मालवीय ने चुनाव आयोग की राहुल गांधी से की गई अपील शेयर करके उनसे डिक्लेरेशन दाखिल करने की मांग की है। सांसद राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए साफ-सुथरी मतदाता सूची अनिवार्य है। चुनाव आयोग से हमारी मांग साफ है - पारदर्शिता दिखाएं और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक करें, ताकि जनता और राजनीतिक दल उसका खुद ऑडिट कर सकें। आप भी हमारे साथ जुडक़र इस मांग का समर्थन करें - वोटचोरीडॉटइन/ईसीडिमांड पर जाएं या 9650003420 पर मिस्ड कॉल दें।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भुजलिया पर्व

विधिविधान के साथ विसर्जन की गई भुजलियां, आपस में कजलिया देकर लिया बड़े बुर्जुगों का आर्शीवाद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलों में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भुजलिया का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ।जिसके तहत जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।भाई-बहन के स्नेह और प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजलियां पर्व की सम्पूर्ण जिले में धूम देखने को मिली ।जहां बड़े ही धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ रविवार 10 अगस्त को जिले भर में यह पर्व मनाया गया ।बताया गया कि इस पर्व को कजलिया के नाम से भी जाना जाता हैं।

सामुहिक रूप से पर्व मनाने का दिखा उत्साह

रविवार को भुजरिया पर्व के अवसर पर स्थानीय लोगों सहित जिले के विभिन्न गांवो में भी इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया ।जहां सामूहिक रूप से लोगों ने इस पर्व की खुशियां मनाई ।भुजलियां पर घरों में श्रद्धालुओं द्वारा बोई गई भुजलियों को विसर्जन के लिये गांव व मोहल्ले के प्रमुख चौक चौराहों में महिलाओं व युवतियों द्वारा लाकर एकत्रित किया गया ।जहां सामुहिक रूप से एक साथ ढोल नगाड़ों की धुनों पर नदी तट, तालाब , नहरों व अन्य जलाशयों में पहुंचकर भुजलिया की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर विसर्जित किया गया ।भुजलियां विसर्जन के पश्चात गांव के देव स्थान व घरों में पूजा स्थल में भुजली चढ़ाकर आपस में एक दूसरे को भुजलियां देकर बधाईयां दी गई वही छोटो ने बड़े बुर्जुगों का चरण छूकर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया।

नगर में इन जगहों पर दिखी भुजलिया की धूम

बात अगर बालाघाट नगरी क्षेत्र की करें तो, भुजलिया के पर्व विशेष पर नगरी क्षेत्र के मोतीतालाब, देवीतालाब, जागपुर घाट, व गायखुरी घाट में भुजलियां विसर्जन के लिये मेला सा माहौल देखा गया। इसके अलावा शहर से सटी ग्राम पंचायत कोसमी व खैरी में भी भुजलियां विसर्जन के लिये डीजे की धुनों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। ग्राम पंचायत के समीप गांव की भुजलियां एकत्रित होकर विसर्जन के लिये तालाब पहुंची। इस दौरान नई शादी वाले दूल्हे व दुल्हन भी सोलह श्रंगार कर नजर आये। जहा वर्षो पुरानी परंपरा के अनुसार आज दिन विशेष पर शादी की मौर व मुकुट में लगी कलगी को भुजलियां के साथ विसर्जन किया गया।

कृषि और प्रकृति से जुड़ा है यह पर्व

बताया गया कि यह पर्व कृषि और प्रकृति से जुड़ा हुआ है और अच्छी वर्षा और फसल की कामना के साथ मनाया जाता है। सावन मास के पश्चात भादों मास प्रारंभ हो जाता हैं। भादो मास के प्रथम दिवस भुजलियां का पर्व मनाया जाता है ।सावन मास में नवमी तिथि में भुजलिया बोयी गई थी ।जो बांस की टोकरी में भुजलिया बोयी गई थी ।जिसकी रक्षाबंधन के दिन विधिवत पूजन हुई। दूसरे दिवस पूजन करने के पश्चात तालाब, नहर ,नदी या जहां पर जल उपलब्ध रहे वहां पर विसर्जन किया गया। ये परम्परा प्राचीन समय से चली आ रही है जिसका निवर्हन आज भी पारम्परिक रीति-रिवाज के अनुसार किया जा रहा है ।परम्परा के अनुसार गांव में शादी होकर आने वाली नई नवेली दुल्हन/बहुओं द्वारा चौक चौराहों में एक साथ रखी गई भुजलियों की टोकरी की 5 से7 बार परिक्रमा की जाती है। इस दौरान महिलाओं द्वारा पारम्परिक भुजलियां गीत का गायन किया गया। इस पर्व को मनाने के लिए सभी वर्गों में खासा उत्साह नजर आया। जहां भुजलिया विसर्जन के पश्चात देर शाम पर्व विशेष का समापन किया गया।

सोनेवानी में महिलाये और लड़कियों ने सीआरपीएफ के जवानों को राखी बांधकर मनाये रक्षाबंधन त्योहार

उकवा(पद्मेश न्यूज) । रक्षाबंधन त्यौहार के उपलक्ष्य में 9 अगस्त को ग्राम पंचायत मोहनपुर कैंप परिसर के नजदीकी गांव सोनेवानी में हजारीलाल कमांडेंट 123 बटालियन के मार्गदर्शन में डी 123 अधिकारी प्रताप तिवारी सहायक कमांडेंट द्वारा रक्षाबंधन के त्योहार पर कैंप परिसर में ग्राम पंचायत मोहनपुर एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कैंप परिसर सोनेवानी ग्राम की महिलाओं और छोटी लड़कियों ने कैंप परिसर में उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों की कलाई में राखी बांधी गई एवं पर्व त्यौहार के उपलक्ष में बड़े गर्व के साथ इस आयोजन का समारोह किया गया जिसमें गांव की महिलाओं एवं लड़कियों ने बढ़ चढ़कर हर्षोल्लाह से हिस्सा लिया एवं रक्षाबंधन के त्यौहार खुशी और उल्लास के साथ मनाया गया साथ इस समारोह में डी 123 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा ग्राम वासियों के लिए खान-पांच का भी आवेदन किया गया आयोजन का उद्देश्य स्थानीय लोगों को एकता के महत्व को समझता है इस पूरे कार्यक्रम के दौरान सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार प्रोटोकॉल का विशेष रूप से पालन किया गया।

एक मोटरसाइकिल खड़ी मोटरसाइकिल से टकराई मामा भांजे घायल

अत्यधिक चोट लगने से घायल दुर्गा प्रसाद जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थानांतर्गत बैहर हीरापुर में एक मोटरसाइकिल खड़ी मोटरसाइकिल से टकरा गई इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में दो व्यक्ति घायल हो गए जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल एक व्यक्ति दुर्गा प्रसाद पिता ईशुलाल नेवारे 35 वर्ष ग्राम गुदमा उकवा थाना रूपझर निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में राकेश पिता रूपलाल सहारे 24 वर्ष ग्राम। भडेरी बैहर निवासी को मामूली चोंटे आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश सहारे और दुर्गा प्रसाद नेवारे खेती किसानी करते हैं दुर्गा प्रसाद नेवारे राकेश सहारे का रिश्ते में मामा लगता है। 10 अगस्त को राकेश सहारे अपने मामा दुर्गा प्रसाद नेवारे के साथ अपनी बहन के गांव घोडंगाटोला समनापुर आए थे ।और 4:00 बजे राकेश सहारे अपने मां दुर्गा प्रसाद नेवारे के साथ मोटरसाइकिल में अपनी बहन के गांव घोडंगाटोला समनापुर से गुदमा उकवा वापस लौट रहे थे। मोटरसाइकिल राकेश सहारे चला रहा था। बालाघाट से बैहर की ओर जाते समय भरवेली थाना क्षेत्र में बैहर रोड़ में आने वाले ग्राम हीरापुर में एक व्यक्ति ने अपने घर से मोटरसाइकिल निकाल कर रोड पर खड़ी किया था। इसी समय राकेश सहारे की तेज रफ्तार मोटरसाइकिल खड़ी मोटरसाइकिल से टकरा गई। जिससे राकेश सहारे और उसका मामा दुर्गा प्रसाद नेवारे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए।। दोनों घायल को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल लाया गया। जिनमे अत्यधिक चोट लगने से घायल दुर्गा प्रसाद। नेवारे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। वहीं राकेश सहारे का प्राथमिक उपचार कर उसे छुट्टी दे दी गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल राकेश सहारे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

शराब पीने रुपए नहीं देने पर एक व्यक्ति ने विकलांग व्यक्ति से की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । शराब पीने रुपए नहीं देने पर एक विकलांग व्यक्ति को हाथ बुक्के से मारपीट और उसे नुकीली वस्तु से मार कर घायल कर दिया गया। मारपीट में घायल व्यक्ति रामजाने उर्फ संजय पिता शिवचरण चौहान उन 50 वर्ष बूढ़ी बालाघाट निवासी है जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय चौहान एक पैर से विकलांग है। वह काम धंधा नहीं करता। 9 अगस्त की रात्रि 8 बजे संजय चौहान जनपद ऑफिस के पास परिसर में बैठा था। उसी समय एक व्यक्ति आया और इस व्यक्ति ने संजय चौहान से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। संजय चौहान ने उसे पैसे देने से मना कर दिया। किंतु यह व्यक्ति शराब पीने पैसे की जिद करने लगा और इस व्यक्ति ने संजय चौहान द्वारा पैसे नहीं देने पर उसे आवेश में आकर धक्का देकर गिरा दिया और नुकीली वस्तुओं से उसके बाये हाथ पंजे, कंधा हाथ में मार दिया और मारपीट करते हुए घसीटते हुए रोड तरफ लाया। इस दौरान आने जाने वालों ने बीच बचाव किये। इसके बाद संजय चौहान ने अपनी बहन भागवंती को बुलाया जिसने संजय चौहान को विकलांग रिक्शा से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की । जिला अस्पताल पुलिस ने संजय चौहान का बयान लेकर अस्पताल टिहरी अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

विधानसभा में रूप बदल-बदलकर प्रहसन करती रही कांग्रेस

जनहितैषी मुद्दों को धार नहीं दे पाई कांग्रेस

भोपाल। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र भले ही दो दिन पहले सिमट गया, लेकिन इस दौरान कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पार्टी न सदन में और न ही सदन के बाहर जनहितैषी मुद्दों को धार दे पाई। मानसून सत्र जितने दिन चला, उतने दिन कांग्रेस के विधायक रूप बदल-बदलकर विधानसभा आते रहे। इस दौरान कांग्रेस विधायक बड़े-बड़े मुद्दे लेकर विधानसभा तो पहुंचे, लेकिन मुद्दों से अधिक विधायकों की रूपरेखा चर्चा में रही। कांग्रेस विधायक कभी भैंस, कभी गिरगिट, कभी इंजेक्शन की मालाएं और कभी यूरिया की बोरियों के साथ तो कभी पुलिस की वर्दी में पहुंचे। जो मात्र प्रहसन बनकर रह गया।

विधानसभा के मानसून सत्र में सत्ता पक्ष को घेरने कांग्रेस ने कमोबेश हर दिन नए नए स्टंट किए। विधानसभा के इस सत्र में कमोबेश हर दिन कांग्रेस विधायक किसी नए अवतार में पहुंचे। हर दिन मीडिया के कैमरों के सामने नया स्टंट हुआ। विधानसभा में मानसून सत्र में बैठकों की शुरुआत के साथ हुए इन तमाशों को लेकर सत्ता पक्ष का आरोप है कि कांग्रेस ने विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय ही नहीं किया। जनता से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाने के बजाए पार्टी मीडिया की सुर्खियों में आने के लिए बीन बजाती रही।

वजनदारी से मुद्दे नहीं उठा पाई कांग्रेस

विधानसभा, सरकार और विपक्ष के लिए अपनी बात रखने का सबसे उपयुक्त मंच होता है। 10 दिवसीय सत्र होने के कारण विपक्ष के पास भरपूर अवसर था कि वह वजनदारी से सदन में मुद्दे उठाता और सरकार को मजबूर करता कि वह जवाब दे लेकिन इसके स्थान पर प्रदर्शन में उलझा रहा। सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी के अपमान का विषय उठाकर जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह को तो घेरा लेकिन परिवहन घोटाले के सौरभ शर्मा को भूल गया। विधानसभा सत्र के पहले कांग्रेस के विधायकों का धार के मांडू में नव संकल्प शिविर हुआ था। दो दिन सबने प्रदेश के मुद्दों पर खूब मंथन किया। इससे उम्मीद बंधी थी कि मानसून सत्र में विधायक दल का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। मुद्दे उठाकर सरकार को घेरा जाएगा लेकिन दल इसमें चूक गया। सदन के बाद प्रतिदिन प्रदर्शन करके मीडिया में सुर्खियां तो बटोरीं पर ऐसा कोई विषय सदन में खड़ा नहीं कर पाए, जिससे सरकार बैकफुट पर आ गई हो। एक बार यह अवसर अवश्य आया जब जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह को सदन में जवाब देने से रोक दिया। सेना के अपमान का मुद्दा उठाकर जमकर हंगामा किया। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसे आदिवासी और कांग्रेस द्वारा सेना के अपमान का मुद्दा बनाकर प्रभाव कम कर दिया। आदिवासियों को वनाधिकार पट्टे का मामला हो या फिर किसानों को खाद की किल्लत, कानून व्यवस्था हो या फिर अन्य विषय, कांग्रेस इन्हें तर्कपूर्ण ढंक से अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। कुछ मामलों में आसंदी के समक्ष नारेबाजी और बहिर्गमन तो किया पर परिवहन घोटाले को तो छुआ तक नहीं। जबकि पिछले सत्र में सौरभशर्मा के बहाने सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। यह सत्र केवल इस मायने में कांग्रेस के लिए सफल माना जा सकता है कि एकजुटता का जो संदेश देना चाहते थे, वह नजर आया।

सरकार उपलब्धियों से धार कुद करने में रही सफल

उधर, सरकार इस मंच का भरपूर उपयोग कर विपक्ष की धार कुंद करने में सफल रही। लंबे समय बाद विधेयक चर्चा के बाद पारित हुए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की पहल पर दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्षों की जन्म जयंती मनाने की शुरुआत भी हुई। सत्ता पक्ष के सदस्य अनुशासन में रहे। किसी ने भी अपनी ही सरकार को घेरने का काम नहीं किया। दरअसल, इसके पहले ऐसा कोई सत्र नहीं बीतता था, जब वे अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा ना करते हों। इसका लाभकांग्रेस उठाती थी और ऐसे सदस्य के सुर में सुर मिलाकर भाजपा सरकार को घेरने का प्रयास करती थी। जब कभी ऐसा अवसर भी आया तो मंत्रियों ने स्थिति को संभाला, उन्होंने अड़ने के स्थान पर बीच का रास्ता निकाला। मुख्यमंत्री ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए सरकार द्वारा औद्योगिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। एक-एक करके 14 विधेयक पारित कराए। विधानसभा अध्यक्ष अनुभव के आधार पर सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष के बीच संतुलन बनाने में सफल रहे। उन्होंने जहां सत्तापक्ष को प्रश्नों के सीधे उत्तर देने के लिए सचेत किया तो विपक्ष से भी मर्यादित आचरण करने की अपेक्षा की। ध्यानाकर्षण के माध्यम से विपक्ष को अपनी बात उठाने का अवसर दिया और नियम में ढील देकर लंबी चर्चा भी कराई।

सत्र में कांग्रेस के हर दिन नए सियासी स्टंट

मप्र विधानसभा के इस मानसून सत्र को इसलिए भी याद किया जाएगा कि इस सत्र में कांग्रेस ने कमोबेश हर दिन बैठक से पहले किसी भी एक मुद्दे को लेकर अनोखे ढंग से प्रदर्शन किया। 28 जुलाई से शुरू हुए सत्र में कुल 10 बैठके 8 अगस्त तक निर्धारित की गई। 28 जुलाई से ही कांग्रेस ने स्टंट शुरू कर दिए। मुद्दे अलग-अलग और उस उस मुद्दे के हिसाब से कांग्रेस के विधायकों का अवतार। इसके लिए खिलौने भी सदन में आए और मुखौटे भी। बोरियां भी और इंजेक्शन भी। विधायकों का अभिनय पक्ष भी इन्हीं तमाशों में देखने को मिला।

लाखों नौकरियां लेकर आ रहा पीएम मित्र पार्क

भोपाल। मप्र को अक्टूबर महीने में दो बड़ी सौगातें मिलने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्टूबर में भोपाल मेट्रो और धार पीएम मित्र पार्क का लोकार्पण करेंगे। प्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर संभाग के धार जिले में आने वाले भैंसोला में 2177 एकड़ में पीएम मित्र पार्क आकार ले रहा है। पीएम मित्र यानी प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड एपेरल पार्क। इसे पीएम मोदी के 5 एफ विजन फार्म टू, फाइबर टू, फैक्ट्री टू, फैशन टू, फॉरेन के आधार पर विकसित किया जा रहा है। इसके इंफ्रास्ट्रक्चर डेवपलमेंट पर 2050 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। इसके पहले चरण में केन्द्र सरकार ने 773 करोड़ के टेंडर जारी किए थे। पीएम मित्र पार्क को मप्र के लिए एक बड़ी सौगात माना जा रहा है। इस पार्क में कपास से धागा, धागे से कपड़े और तैयार कपड़े की बिक्री और निर्यात तक का काम एक ही स्थान से किया जा सकेगा। यानी यहां कटाई, बुनाई, प्रोसेसिंग, रंगाई, छपाई और परिधानों के निर्माण जैसे सभी काम होंगे। इस सौगात को मप्र के विकास और कपड़ा उद्योग के नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। इस पार्क के लिए अभी तक 10 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिल चुके हैं। देश और विदेश की कई बड़े टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने यहां निवेश को लेकर रूचि दिखाई है।

स्थान परिवर्तन
मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा
संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में मौत

सी एम राईस स्कूल के निर्माणाधीन भवन में टाइल्स मिस्त्री था राजेंद्र, स्कूल से गिरने या मारपीट में चोट आई जांच पड़ताल कर रही है खैरलांजी पुलिस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी में सी एम राईस स्कूल के निर्माणाधीन भवन के नीचे सिर में चोट लगने से घायल हालत में मिले एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक राजेंद्र पिता मुन्नालाल राहंगडाले 45 वर्ष ग्राम लवादा थाना लालबर्रा निवासी है।इस व्यक्ति की निर्माणाधीन भवन से नीचे गिरने या फिर मारपीट में सिर में आई गंभीर चोट से मौत हुई। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है। खैरलांजी पुलिस इस मामले में कुछ लोगों को थाने बुलाकर पूछताछ कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र राहंगडाले अपने परिवार के साथ खेती किस ने के अलावा वह टाइल्स का भी काम करता था जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और उसके दो बच्चे हैं जिसमे हर्ष 17 वर्ष, कक्षा 11वीं की पढ़ाई कर रहा है और प्रेम 15 वर्ष और वह कक्षा दसवीं की पढ़ाई कर रहा है। राजेंद्र राहंगडाले के बड़े भाई की पहले ही मृत्यु हो चुकी है जिसकी पत्नी और दो बच्चे भी है राजेंद्र राहंगडाले दो माह से ग्राम खैरलांजी में सी एम राइस स्कूल के निर्माणाधीन में टाइल्स मिस्त्री का काम करता था जिसका ठेका अनिल बनवे द्वारा लिया गया था। 8 अगस्त की रात्रि 8 बजे सी एम राइस स्कूल के निर्माणाधीन भवन के परिसर में राजेंद्र राहंगडाले घायल हालत और बेहोशी का हालत में पड़ा हुआ था। राजेंद्र राहंगडाले के सिर में चोंटे आई थी। जिसे दो-तीन लोगों ने खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में ले जाकर भर्ती किए थे। जहा गम्भीर रूप से घायल राजेन्द्र राहंगडाले के सिर में टांके लगाने के बाद उसे तुरंत ही जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। राजेन्द्र राहंगडाले को रात्रि में ही जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। जिसकी सूचना अनिल बनवे ठेकेदार ने राजेंद्र राहंगडाले के परिवार वालों को दी थी। खबर मिलते ही राजेंद्र राहंगडाले के परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंचे।

जिला अस्पताल में भर्ती राजेंद्र घायल और बेहोशी की हालत में था और उसके सिर में पट्टी बंधी हुई थी। गंभीर रूप से घायल राजेंद्र राहंगडाले को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था।

राजेंद्र राहंगडाले को उसके परिवार के लोग हायर सेंटर ले जाने की व्यवस्था कर रहे थे। किंतु 10 अगस्त को सुबह राजेंद्र राहंगडाले की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। राजेंद्र राहंगडाले के साथ मारपीट हुई या वह निर्माणाधीन भवन से नीचे गिरने से घायल हुआ। यह अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने आरक्षक मुकेश मानेश्वर के साथ मृतक राजेंद्र राहंगडाले का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता2023 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना खैरलांजी भिजवा दी है। राजेंद्र राहंगडाले की हत्या किये जाने की आशंका व्यक्त करते हुए उसके परिजनों ने इस मामले की जांच करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

सिर में चोट लगने से संदेह है राजेंद्र के साथ मारपीट हुई है- कुंजीलाल राहंगडाले

कुंजीलाल राहंगडाले ग्राम लवादा निवासी ने बताये की मृतक राजेंद्र उनके चाचा का लड़का है। खैरलांजी में सी एम राइस बन रहा है जिसमें वह टाइल मिस्त्री का काम करता था। दो-तीन महीने से गया था। अभी उसके पिताजी को पैरालिसिस होने से वह 15 दिन पहले एक दिन के लिए घर आया था। फिर चला गया। 9 तारीख को बताया गया कि तुम्हारा राजेंद्र बूढ़ी अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल जाकर देख राजेंद्र राहंगडाले भर्ती था। 10 अगस्त को नागपुर जबलपुर ले जाने वाले थे। किंतु उसकी मौत हो गई। कुंजीलाल राहंगडाले ने राजेंद्र के सिर में चोट लगने उसके साथ मारपीट होने की आशंका व्यक्त की गई है। उन्होंने बताया कि खैरलांजी से टीआई साहब और स्टाफ के लोग आए थे। आगे कार्रवाई चालू है।

जिला स्तरीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में खिलाडियों ने जीते मेडल

23-24 अगस्त को रतलाम में आयोजित, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रविवार 10 अगस्त को नगर के एक निजी स्कूल में जिला स्तरीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिले 70 खिलाडियों ने भाग लिया।जिसमे खिलाड़ी अपने-अपने उम्र और वजन कैटेगरी में शामिल हुए। आयोजित इस प्रतियोगिता के दौरान इन खिलाड़ियों ने सभी चार इवेंट टेंनडिंग, टूँगल , गांडा, रेगु, सोलो, में भाग लिया।बताया गया कि इस प्रतियोगिता में चयनित होने वाले की सभी

खिलाड़ी आगामी समय मे आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जो की रतलाम में 23 से 24 अगस्त को आयोजित की जाएगीं।इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती ज्योति आर.भाटिया स्कूल प्रिंसिपल, क्रीड़ा भारती बालाघाट के अध्यक्ष श्री पीपलेवर, भावना सोनकर, प्रवीण नन्हेट, निधि नन्हेट, संगीता मराठा, छाया नारवास ,सरूण सोनवाने, साहिल सोनवाने, कार्तिक तितरमारे, त्रपति बिसेन, मनीष बेंद्रे, अंजलि झरिया, पायल झरिया, सौरभ हनवत, हरशु सर आदित्य सर राजा सर शुभम सर आदि की उपस्थिति में इस प्रतियोगिता को संपन्न कराया गया एवं खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी गई।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना जौहर

आयोजित इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान त्रिदीप मन्ना गोल्ड मेडल, ओम सोनकर सिल्वर मेडल, अमय चौहान ने गोल्ड मेडल, ,हर्षवीर चौरडिया ने गोल्ड मेडल, अद्विक अग्रवाल ने गोल्ड मेडल ,अरविल अडमें ने गोल्ड मेडल, डेनिश वराडे ने गोल्ड मेडल, कनक शर्मा ने दो गोल्ड मेडल, मियांश चौधरी ने सिल्वर मेडल, शिवांश सोनवाने ने गोल्ड मेडल ,अनिरुद्ध पुरोहित ने गोल्ड मेडल, आशीष गुजर गोल्ड मेडल, अनिका चौहान, सानवि शर्मा सिल्वर मेडल ,आस्था डिब्बे गोल्ड मेडल,तनी बत्रा गोल्ड मेडल, वंश कटरे गोल्ड मेडल, पूर्वांश सिंह गौतम सिल्वर मेडल, अस्मित खोबरागड़े गोल्ड मेडल, विहान बिज़नेस गोल्ड मेडल, विवेक गुरनानी गोल्ड मेडल, गगनदीप चंद्रलोर ,गोल्ड मेडल, सोहन बीर सिल्वर मेडल, चित्रांशी मरकाम आरुषि भीमटे गोल्ड मेडल, पल्क्ष बोपचे गोल्ड मेडल, सांची तिवड़े गोल्ड मेडल, अजरा खान गोल्ड मेडल, आर्या राहंगडाले गोल्ड मेडल, प्रणव सोनकर गोल्ड मेडल ,अरिहंत खोबरागड़े सिल्वर मेडल, मनन शर्मा वेदांत विश्वकर्मा गोल्ड मेडल, भव्य अग्रवाल गोल्ड मेडल, चारु पटेल गोल्ड मेडल ,यथार्थ गर्दे गोल्ड मेडल, सलोनी पांचे गोल्ड मेडल, ने भाग लिया और मेडल जीतने में सफलता हासिल की।उक्त जानकारी बालाघाट पेंचक सिलाट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रतीक नन्हेंट द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

बैलगाड़ी सहित कृषक नहर में गिरा

कृषक ने पहले अपने बैलों की बचाई जान-फिर कृषक की नहर में डूबने से हुई मौत, होमगार्ड और एसडीआरएफ ने रेस्क्यु करके, कृषक की निकाली लाश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम गर्राबोड़ी से चिखला बांध के बीच राजीव सागर परियोजना की बड़ी नहर में एक कृषक बैलगाड़ी सहित नहर में गिर गया। इस कृषक ने दोनों बैलों की जान तो बचा ली किंतु इस कृषक की गहरे नहर में पानी के तेज बहाव में में जाने से मौत हो गई। मृतक कृषक धनसिह पिता दशरथ मसराम 65 वर्ष ग्राम दैतबर्रा थाना रामपायली निवासी है । 10 अगस्त को सुबह 7:00 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह कृषक बैलगाड़ी में खाद लेकर अपने खेत जा रहा था । होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीम ने नहर में रेस्क्यु ऑपरेशन चला कर तीन घंटे की मेहनत के बाद कृषक का शव नहर से बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिए हैं। रामपायली पुलिस ने इस कृषक धनसिह मसराम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दैतबर्रा निवासी धनसिंह मसराम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते थे । 10 अगस्त को सुबह 7 बजे करीब कृषक धनसिह मसराम अपने घर से बैलगाड़ी में दो बोरी खाद्य को लेकरअपने खेत में डालने ले जा रहा था।गर्राबोड़ी से चिखलाबांध की ओर जाने वाली राजीव सागर परियोजना की नहर से जब कृषक धनसिंह मसराम बैलगाड़ी में सवार होकर खेत की ओर जा ही रहा था।तभी अचानक बैल चमक गए और सीधे करीब 40 फिट गहरी नहर में जा गिरे। नहर में गिरने के साथ ही कृषक धन सिंह मरकाम ने बैलगाड़ी में बंधे दोनो बैलों के गले बंधे रस्सी को छोड़ दिया।जिससे बैलों की जान तो बच गई लेकिन कृषक धनसिंह मसराम ने अपनी जान जोखिम में डाल दी, और वह नहर के गहरे पानी में जाने से डूब गया। इस घटना की जानकारी जैसे ही कृषक धन सिंह मसराम के परिजनों व गांव वालों को लगी। धनसिह मसराम के परिजन और गांव के लोंग नहर की ओर दौड़ते आए और देखते ही देखते मौके पर भीड़ लग गई और सूचना मिलते ही रामपायली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्थानीय तौर पर कृषक धनसिंह मसराम को गांव के लोग नहर में ढूंढ नहीं पाए।तब रामपायली पुलिस ने नहर में अधिक पानी होने से होमगार्ड एवं एसडीआरएफ बालाघाट को सूचित किये। जिला मुख्यालय से होमगार्ड एवं एसडीआरएफ की टीम, करीब 11 बजे मौके पर पहुंची। नहर में रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर ने तीन घंटे की कड़ी मेहनत से कृषक धन सिंह मसराम का शव बाहर निकालकर रामपायली पुलिस को सौंप दिये। रामपायली पुलिस ने मृतक कृषक धनसिंह मसराम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया हैऔर धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

3 घंटे रेस्क्यु कर के बैलगाडा और मृतक का शव नहर से बाहर निकाल लिये-सहायक उप निरीक्षक महेश कुमार उइके

सहायक उप निरीक्षक महेश कुमार उइके होमगार्ड बालाघाट ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि रामपायली थाने की अंतर्गत दैतबर्रा में एक व्यक्ति बैलगाड़ी सहित नहर में गिर गया है। सूचना मिलते ही वे अपने टीम के साथ बालाघाट से रवाना होकर दैतबर्रा नहर पहुंचे। और 3 घंटे लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बैलगाडा और मृतक कृषक का शव नहर से बाहर निकाल कर रामपायली पुलिस के सुपुर्द कर दिए हैं।

जिला चिकित्सालय के वार्डों में रात्रि के समय शराब का सेवन कर आ रहे लोंगों से स्वास्थ्य कर्मी परेशान

वार्डों के अंदर नशे में धुत आने वालों का वीडियो हो रहा वायरल, सुरक्षा बढ़ाए जाने की स्वास्थ्य कर्मी ने करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों सोशल मीडिया पर जिला चिकित्सालय के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसमें जिला चिकित्सालय के वार्डों में शराब के नशे में धुत कुछ लोग वार्ड में दिखाई दे रहे हैं , तो कुछ अस्पताल के अंदर के वीडियो शराब की खाली बोतलों को लेकर विडियो वायरल किये जा रहे हैं। जिसमें स्वास्थ्य कर्मी शराब के नशे में धुत लोगों को, वार्ड से बाहर ले जाते विडियो में दिखाई दे रहे है। जब हमने यहां के कर्मचारियों सहित सुरक्षा गार्डो से चर्चा की तो उन्होंने कैमरे के सामने तो कुछ भी कहने से मना कर दिया। लेकिन अनौपचारिक चर्चा में उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय के परिसर में मरीज के साथ आने वाले उनके कुछ परिजन रात्रि में शराब के नशे में अस्पताल पहुंचते हैं और उन्हें वार्ड के अंदर आने वाले शराबियों से वार्ड में भर्ती मरीज और अस्पताल कर्मचारियों को बहुत परेशानी होती है, कई बार लोग शराब के नशे में स्वास्थ्य कर्मी सहित गार्डों से विवाद करते हैं । जबकि इसकी सूचना उन्होंने अपने उच्च अधिकारियों को भी दे दी है । किंतु इस पर इन दिनों कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आपको बता दे की जिला चिकित्सालय के वार्डों का कुछ वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर फॉरवर्ड हो रहा है। जिसमें कुछ लोग शराब के नशे में धुत वार्डों के अंदर दिखाई दे रहे हैं , तो कुछ वीडियो अस्पताल परिसर के अंदर का है , यहां पर लोगों द्वारा शराब का सेवन करते हुए झूठी बोतल और अन्य सामान को अस्पताल परिसर के अंदर छोड़ रहे है। जिससे साफ जाहिर हो रहा है कि जिला चिकित्सालय के परिसर के अंदर ही अब लोग शराब का सेवन कर रहे हैं । कुछ स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा बताया गया कि बीते कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि यहां स्थानीय लोग उपचार करने आते हैं, साथ ही उनके परिचित भी उनके साथ शराब के नशे में ही जिला चिकित्सालय के वार्डों में आ जाते हैं । जिन्हें होश तक नहीं रहता । ऐसा बीते

कुछ दिनों से चल रहा है । जबकि उन्होंने इसकी सूचना भी उच्च अधिकारियों को दी है । लेकिन इसका कोई असर नहीं हो रहा है। इसलिए उन्होंने इस प्रकार वार्डों में शराब पीकर आने वाले लोगों का वीडियो बनाकर वायरल करना शुरू कर दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि बीते दिनों ऐसे ही एक शराब के नशे में धुत परिजन को उन्होंने भगाया था, तो उल्टा सुरक्षा गार्ड्स पर ही मारपीट करने का आरोप लग गया था । इसलिए वह समझाइश देकर छोड़ देते हैं। उन्होंने विभाग को इस विषय पर संज्ञान लेने की बात कही है। यहां स्पष्ट देखा जा सकता है कि जिला चिकित्सालय के मेडिकल वार्ड में उपस्थित युवक पूरा शराब के नशे में धुत है जिसे सुरक्षाकर्मी बाहर जाने को कह रहे हैं । कुछ जिला चिकित्सालय के अंदर परिसर में भी शराब की बोतल का वीडियो बनाकर कुछ लोगों ने सोशल मीडिया ग्रुप पर वायरल किया है। छुट्टी का दिन होने की वजह से जिला चिकित्सालय के संबंधित अधिकारियों से चर्चा नहीं हो पाई अब देखना होगा कि इस विषय पर विभाग क्या संज्ञान लेता है।

एबीव्हीपी बालाघाट ने मनाया रक्षाबंधन का पर्व, पुलिस को बांधी राखी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बालाघाट नगर की कार्यकर्ता बहनों के द्वारा हम सभी की सुरक्षा, समाज की शांति एवं जनकल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले पुलिस जवानों के साथ स्नेह एवं उमंग का यह पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया।जिसमें बालाघाट कोतवाली थाना प्रभारी विजय राजपुत एवं समस्त पुलिस के स्टॉफ को एक उमंग एवं जस्बे का रक्षासूत्र बांधा गया।जहा सुरक्षा में लगे समस्त पुलिस जवानों ने पूर्ण उत्साह के साथ रक्षासूत्र बंधवाया।इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् की बहने एवं समस्त कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अवंतीबाई चौक से लेकर बैहर रेलवे क्रासिंग तक मार्ग हुआ खस्ताहाल

स्थानीय निवासियों ने गड्ढे भरे जाने की विभाग से करी मांग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अवंतीबाई चौक से लेकर सरेखा रेलवे क्रासिंग तक इन दिनों रोड की हालत बहुत अधिक खस्ताहाल हो चुकी है । यहां के स्थानीय निवासी और वार्ड पार्षदों की माने तो बताया जा रहा है कि यह मार्ग बीते एक वर्ष पहले ही बनाया गया था, किंतु बनाया गया पक्का मार्ग एक वर्ष से अधिक भी नहीं चल पाया और मार्ग की गिट्टियां निकलना शुरू हो गई है । मार्ग अब खस्ताहाल हो चुका है, दिन में वाहनों के साथ धूल उड़ते रहती है । वार्ड वासियों ने मांग करी है कि मार्ग को तुरंत ही व्यवस्था बनाते हुये मार्ग की मरम्मत की जाए। आपको बता दे कि शहर के अवंतीबाई चौक से लेकर रेलवे क्रॉसिंग बैहर चौकी तक मार्ग की स्थिति बहुत अधिक खराब हो चुकी है। जिसका एक कारण यहां के स्थानीय निवासी सरेखा ओवरब्रिज से किया गया यातायात परिवर्तन को भी मान रहे हैं । स्थानीय निवासियों का कहना है कि विभाग द्वारा यातायात का डायवर्सन तो कर दिया गया किंतु मार्ग की स्थिति पर विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया है। जबकि देखा जाए तो बीते एक वर्ष पहले ही अवंती बाई चौक से लेकर रेलवे क्रॉसिंग बैहर चौकी तक और आगे का मार्ग संबंधित विभाग द्वारा बनाया गया था , किंतु यहां यातायात का अधिक दबाव पड़ने के कारण या फिर कार्य गुणवत्ता की वजह से नहीं होने के कारण मार्ग बीते एक साल में ही हस्ताहाल होकर मार्ग कुछ स्थानों से उखड़ चुका है । यहां रात्रि के समय दुर्घटनाओं की संभावना भी बनती रहती है। पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान बताते हैं कि उन्होंने मार्ग को रिपेयर करने को लेकर संबंधित विभाग को आवेदन भी दिया है क्योंकि मार्ग में कई जगह गड्ढे होने की वजह से यहां पर वाहन अनियंत्रित होते हैं । रात्रि के समय अंधेरा होने के कारण कई बार दुर्घटना की स्थिति भी इन मार्गों पर बनती है। उन्होंने बताया कि स्थानीय मस्जिद के आगे मार्ग पर एक बड़ी दुर्घटना भी हुई थी। जिसमें एक वाहन चालक की मौत का मामला भी इसी मार्ग पर हुआ था किंतु उसके बावजूद भी विभाग ने भारी यातायात परिवर्तन करने के बावजूद भी मार्ग की स्थिति को लेकर कोई चिंता नहीं की और पहले मार्ग को चौड़ीकरण करना था। उसके बाद यातायात को परिवर्तित करना था किंतु विभाग द्वारा बिना रोड की चिंता किए ही यातायात को परिवर्तित कर दिया गया और आज मार्ग की स्थिति बहुत अधिक खराब हो गई है । उन्होंने संबंधित विभाग से मांग करी है कि वह इस मार्ग पर संज्ञान लेते हुए इसका मरम्मत का कार्य पुनः शुरू करें।

अधुरी सड़क में जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढे, हो रहे हादसे, जिम्मेदार मौन

कीचड़ एवं गड्ढों में पानी जमा होने से आवागमन में हो रही परेशानी, राहगीर एवं ग्रामीणजनों ने गड्ढों का मरम्मत कार्य एवं बरसात के बाद पक्की सड़क का निर्माण करवाने की मांग की

मामला - लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय लालबर्रा के बस स्टैण्ड से गुजरे लालबर्रा से अमोली-समनापुर राज्य मार्ग का अधुरा निर्माण होने एवं सड़क का खस्ताहाल होने के कारण आने-जाने वालों को पूर्व में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिससे परेशान ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने प्रशासन से सड़क का मरम्मत या नवीन निर्माण कार्य करवाने की मांग लंबे समय से कर रहे थे लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा था। जिसके बाद विगत माह पूर्व क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा स्वयं के व्यय पर सड़क में बने गड्ढों में गिट्टी की चुरी डलवाई गई थी। जिससे कुछ दिनों तक आवागमन करने में राहत मिली थी। लेकिन तेज बारिश होने व ओवरलोड वाहनों के आवागमन के चलते वर्तमान समय में गड्ढों से गिट्टी गायब हो चुकी है और जगह-जगह बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन चुके है और इन गड्ढों में पानी जमा एवं कीचड़ होने से आने-जाने वाले राहगीरों एवं ग्रामीणजनों सहित स्कूली बच्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कई बार गड्ढों में पानी जमा होने के कारण दुर से गड्ढे दिखाई नही देने एवं गड्ढों के समीप से दुपहिया सहित अन्य वाहनों के गुजरने से वाहन अनियंत्रित हो जाते है। जिससे आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है एवं किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि यह मार्ग लालबर्रा मुख्यालय को अमोली, बम्हनी, ददिया सहित अन्य ग्रामों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है और एक व्यस्तम मार्ग है। उसके बाद भी अब तक 600 मीटर की अधुरी सड़क का निर्माण कार्य पूरा नही हो पाया है। जिससे राहगीरों एवं ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्रशासन की उदासीनता के चलते नही बन पाई सड़क, लोगों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दें कि लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का करोड़ों रूपयों की लागत से व्हीआरएस कंपनी के द्वारा विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया है परन्तु लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली तक 600 मीटर की सड़क का निर्माण कार्य अधुरा छोड़ दिया गया है। जिसके कारण वर्तमान में लालबर्रा बस स्टैण्ड से लेकर अमोली जनपद स्कूल के आगे तक सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है एवं जगह-जगह बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे भी बन गये है। जबकि उक्त मार्ग से रोजाना बड़े-छोटे सभी वाहनों का आवाजाही होता है एवं मार्ग सकरी होने के कारण बार-बार जाम भी लग रहा है। ऐसी स्थिति में दर्जनों ग्रामों से नगर मुख्यालय आने वाले ग्रामीण, राहगीर एवं स्कूली ब%चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सबसे अधिक परेशानी स्कूल के छात्र-छात्राओं को हो रही है। वहीं प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते अब तक अधुरे सड़क का निर्माण कार्य पुरा नही हो पाया है जिससे क्षेत्रीयजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं एमपीआरडीसी विभाग के महाप्रबंधक दीपक आड़े से दूरभाष पर लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग में बने जानलेवा गड्ढों का मरम्मत कार्य एवं जल्द अधुरे सड़क का निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

जानलेवा गड्ढे दुर्घटना को दे रहे आमंत्रण - दीपक

दीपक तोमर ने बताया कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का अधुरा निर्माण होने से सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गये है। साथ ही बारिश होने पर गड्ढों में पानी जमा हो जाने के कारण गड्ढे दिखाई नही देने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं आये दिन-दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। श्री तोमर ने बताया कि सड़क में विगत दिवस पूर्व गिट्टी की चुरी डलवाकर मरम्मत कार्य करवाया गया था, लेकिन कुछ दिनों बाद समस्या जस की तस हो चुकी है। जबकि इस मार्ग से रोजाना बड़े वाहन गुजरते है एवं स्कूली बच्चें पढ़ाई करने आते है जिन्हे महज 600 मीटर की दुरी तय करने में बेहद परेशानियां होती है, शासन-प्रशासन से मांग है कि इस अधुरी सड़क का जल्द निर्माण करवाये।

सड़क का मरम्मत कार्य जल्द नही हुआ तो करेगें आंदोलन - मनीष

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि 7 वर्ष पूर्व लालबर्रा से समनापुर पहुंच मार्ग का सीमेन्टीकरण निर्माण किया गया है। लेकिन ठेकेदार के द्वारा 600 मीटर सड़क का निर्माण कार्य अधुरा छोड़ दिया गया है। इस अधुरे सड़क को पूर्ण करवाने के लिए सांसद, विधायक से मांग की गई है लेकिन अब तक पूरा नही किया गया है, जिसके कारण सड़क वर्तमान में पुरी तरह से खराब हो चुकी है। श्री कुशवाहा ने बताया कि यह मार्ग बालाघाट, मंडला जिलों को आपस में जोड़ती है और अधुरे सड़क का निर्माण होना चाहिए। वहीं सड़क निर्माण को लेकर विधायक महोदया के द्वारा अधिकारियों को निर्देशित भी किया गया है एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री से अधुरे निर्माण कार्य को पूर्ण करवाने के लिये बजट स्वीकृत करवाने की मांग भी की गई है। 15 दिनों के अंदर सड़क का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य या निर्माण नही करवाया गया तो आंदोलन करने बाध्य होगें।

खमरिया क्षेत्र में बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर बांधी प्रेम की डोर राखी

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में भाई-बहन के अटूट प्रेम का महापर्व रक्षाबंधन 9 अगस्त को धार्मिक आस्था, उत्साह, उमंग एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाईयों की कलाई में स्नेह की डोर राखी बांधकर उन्हे मिठाईयां खिलाकर उनकी दीर्घायु की कामना की। वहीं भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी सदा रक्षा करने का वचन दिये। इस रक्षाबंधन पर्व पर 9 अगस्त को बहनों ने शुभ मुहुर्त पर अपने भाईयों की कलाईयों में रक्षासूत्र बांधे। वहीं रक्षाबंधन पर्व को लेकर क्षेत्र में खुशियों भरा माहौल बना रहा एवं दुसरे दिन 10 अगस्त को भुजलियां का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा एवं खमरिया की बैठक आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय पर्व स्वतत्रंता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने की रूपरेखा तैयार करने के लिए 11 अगस्त को दोपहर 12 बजे से स्थानीय विश्रामगृह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा एवं खमरिया की बैठक आहुत की गई है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया की ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने की रूपरेखा तैयार करने के लिए लालबर्रा विश्रामगृह में 11 अगस्त को दोपहर 12 बजे से लालबर्रा एवं खमरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आहुत की गई है। इस बैठक में गांधी टेक, पशीने वार्ड, मंडी प्रांगण, स्व. पं. नंदकिशोर शर्मा प्रतिमा स्थल पर ध्वजारोहण किये जाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के समस्त विंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, खमरिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले ने की है।

जनपद में स्वतंत्रता दिवस पर्व को लेकर बैठक आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में 11 अगस्त को दोपहर 3 बजे से स्वतंत्रता दिवस पर्व मनाये जाने के संबंध में बैठक आहुत की गई है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए सीईओं चंदरसिंह मंडलोई ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आगामी 15 को स्वतंत्रता दिवस सौहार्द एवं शालीनतापूर्वक मनाये जाने, कार्यक्रम की रूपरेखा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा करने के लिए 11 अगस्त को दोपहर 3 बजे से जनपद पंचायत के सभाकक्ष में जनप्रतिनिधि, समस्त शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्था, कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिकों की बैठक आहुत की गई है। इस अवसर पर जनपद पंचायत के जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य एवं गणमान्य नागरिकों से उपस्थित होने की अपील श्री मंडलोई ने की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भुजलियां पर्व

पारंपरिक रूप से कुएं, हेंडपंप, तालाब एवं नदियों के तट में विसर्जित की गई भुजलियां

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 10 अगस्त को सामाजिक सद्भाव, प्रेम और सम्मान का प्रतीक भुजलियां पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाम होते ही युवती व महिलाओं ने घरों में बोई गई भुजली की विधि-विधान से पूजा अर्चना की। जिसके बाद सभी तालाब, हेंडपंप, कुएं व नदियों के तट पर पहुंचकर भुजलियों को विसर्जित कर देवी-देवताओं को भुजलियां अर्पित की तत्पश्चात एक-दुसरे को परस्पर भुजलियां भेंट कर अपने बड़े-बुजुर्गो से आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी तरह नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली, पांढरवानी के कुम्हारी मोहल्ला, जाम में भी युवती व महिलाओं के द्वारा भुजलियों की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कुछ लोगों ने कुएं, हेंडपंप, तालाब व सर्राठी नदी के तट पर पहुंचकर भुजलियां विसर्जित कर एक-दुसरे को भेंट कर भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी। आपकों बता दे कि भुजलियां पर्व का यह त्यौहार रक्षाबंधन के दूसरे दिन धूमधाम से मनाया जाता है जो मूलत: अच्छी फसल की कामना के लिये मनाया जाता है। इस दौरान खेतों में धान के अलावा कई प्रकार की फसलें तैयार होने की स्थिति में होती हैं। भुजलियां पर्व की तैयारी नागपंचमी से ही शुरू हो जाती है और इस पर्व पर घरों में गेहूं या जौ बोई जाती है जिन्हे भुजलियां कहा जाता है। इस दिन पूजा-अर्चना के बाद लोग अपने गांव, मोहल्ले और नगरों में गणमान्य नागरिकों, पारिवारिक बड़े-बुजुर्गो को भुजलियां भेंट कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। चर्चा में महिलाओं ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के एक सप्ताह पूर्व से गेहूं बोई जाती है जिसे भुजली कहते है। जिसकी सुबह-शाम पूजा अर्चना करते है एवं रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन विधि-विधान से पूजा अर्चना कर पारंपरिक रूप से कुएं, तालाब व नदियों में भुजली को विसर्जित किया गया तत्पश्चात देवी-देवताओ को अर्पित कर बडे-बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया गया एवं सभी को पर्व की शुभकामनाएं दी गई।

युवा खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा साइकिल एवं स्वच्छता जनजागरूकता रैली

रैली निकालकर घर-घर राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं स्वच्छता बनाये रखने का दिया संदेश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा खेल मैदान से हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत रविवार को युवा खिलाड़ियों एवं स्कूल के विद्यार्थियों के द्वारा तिरंगा साइकिल एवं स्वच्छता जनजागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली लालबर्रा, पांढरवानी, पनबिहरी का भ्रमण करते हुए पनबिहरी स्थित खेल स्टेडियम पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। इस तिरंगा साइकिल रैली के माध्यम से लोगों को आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। वहीं खिलाड़ी एवं विद्यार्थियों के द्वारा खेल ग्राउंड में तिरंगा मानव श्रृंखला भी बनाई गई ताकि लोगों को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा सके। चर्चा में जिला खेल और युवा कल्याण विभाग के ब्लाक समन्वयक लव नगपुरे ने बताया कि शासन के द्वारा हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी निर्देश के परिपालन में रविवार को लालबर्रा सांदीपनी स्कूल के खेल मैदान से तिरंगा साइकिल एवं स्व छता जनजागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली नगर मुख्यालय एवं पनबिहरी का भ्रमण करते हुए पनबिहरी स्थित खेल स्टेडियम पहुंची। इस रैली के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का संदेश दिया गया है। ताकि लोगों में देशभक्ति की भावना जाग्रत हो सके एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ सके। श्री नगपुरे ने बताया कि खेल मैदान एवं स्टेडियम में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई कर स्व छता और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर लव पटेल नगपुरे, छत्तरसिंह, जय ठाकरे, राधिका नायक, कमलेश तुमसरे, सुमित तुमसरे, उमेश सपाटे, भीमराज ठाकरे, विजेंद्र उइके, स्वाति दमाहे, प्राची, कशिश, श्रध्दा, निकिता, काजल, नव्या, पाली, सिध्दार्थ, रविन्द्र, लवकुश भोयर, विद्यालय के छात्र/छात्राएं, युवा खिलाड़ीगण उपस्थित

11 केव्ही की चपेट में आया संतोष, बड़ा हादसा टला, अस्पताल में उपचार जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के लालबर्रा से सिवनी मार्ग स्थित पावर हाउस के समीप पेड़ से बकरी के लिए पत्ती तोड़ते समय पांढरवानी निवासी संतोष यादव विद्युत विभाग की 11 केव्ही तार की चपेट में आने से झुलस गया है। अगर वह पेड़ से नीचे नही गिरता और तार में लटक जाता तो बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था। वहीं विद्युत करेंट से झुलसे व्यक्ति संतोष यादव को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया है जहां उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांढरवानी निवासी 37 वर्षीय संतोष यादव हमाली का काम करता है जिसके घर में पालतु पशु है। संतोष यादव रविवार को शाम 4 बजे पालतु पशु (बकरी) के चारा के लिए सिवनी मार्ग स्थित पावर हाउस की ओर गया था। तभी रोड़ किनारे स्थित आजन के पेड़ के ऊपर चढ़कर पत्ती तोड़ रहा था। इसी दौरान पेड़ किनारे से गुजरे विद्युत विभाग की 11 केव्ही के तार के संपर्क में संतोष आया गया और करेंट लगते ही वह सीधे पेड़ से नीचे गिर गया। तभी आसपास स्थित लोग एवं सड़क से गुजरने वाले लोगों ने देखा कि पेड़ के ऊपर से कोई गिर गया है। जिसके बाद पास पहुंचकर देखे तो संतोष यादव था जो विद्युत करेंट की चपेट में आने से झुलस चुका था। जिसे तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया है जहां उपचार जारी है, जो खतरे से बाहर है। वहीं विद्युत करेंट के चपेट में आया व्यक्ति अगर 11 केव्ही विद्युत तार से टकराते हुए नीचे गिरता तो बहुत बड़ी घटना घटित हो सकती थी। लेकिन तार के संपर्क में आते ही वह दुसरे साइड से नीचे गिर गया जिसके चलते बड़ा हादसा घटित नही हो सका। वहीं विद्युत करेंट की चपेट में आने से संतोष यादव का एक हाथ झुलस चुका है।

नगर हुआ कबीरमय : भुजली पर्व पर हर्षोल्लास के साथ अदा की गई उजैना कि रश्म

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कोष्टी कल्याण समिति वारासिवनी के तत्वाधान में रविवार को भुजलीयां कजलियां पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम स्थानीय कबीर कुटी में शाम ५ बजे कबीर साहेब का निशान चढ़ाने के बाद झंडा वंदन किया गया। जिसके बाद कबीर साहेब की आरती की गई तत्पश्चात समाज की ओर से ५ नवविवाहिता बेटियों को उपहार प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठ नागरिकों का भी सम्मान गमछा श्रीफल देकर किया गया। जिसके बाद कबीर कुटी से बैंडबाजे व डीजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान छोटी छोटी ३१ बच्चियों ने भी भुजलियों से सजी टोकनियां अपने सिर पर रखकर कबीर कुटी में झालों के साथ उपस्थिति दर्ज करवाई और भुजली की शोभायात्रा नगर का भ्रमण करते हुए कबीर घाट के लिये निकली। इस शोभायात्रा में जीवंत झांकियां व झाले आकर्षण का केन्द्र रही। इस शोभायात्रा में विधायक विवेक पटेल,पूर्व विधयक डॉ योगेन्द्र निर्मल ,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,प्रबल जायसवाल,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल मॉडल सहित अन्य अपने अपने समर्थकों के साथ उपस्थित हुए।

एकता के सूत्र में बांधने का काम कर रहा भुजली पर्व

कोष्टी कल्याण समिति के तत्वाधान में आयोजित भुजली पर्व नगर का एक ऐसा समारोह है। जो नगर के हर वर्ग को एक सूत्र बांधकर पर्व में उपस्थित हेतु आर्कषित कर नगर में एकता का सीधा संदेश दिया। इस अवसर पर विगत वर्षों से गोलीबारी चौक पर भुजली मेला आयोजित किया जाता है। वहीं सभी वर्ग के लोग इस मेले में अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी। वजह यह है कि यही एक ऐसा अवसर होता है जब नगर के सभी एक मंच पर एकत्रित होकर अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते है।

नवविवाहिताओं ने छोड़ा व्रत

प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के दूसरे दिन कोष्टी समाज की महिलायें इस कजलियां पर्व को धूमधाम से मनाती हैं। इस अवसर पर व्रत कर नव विवाहितायें अपने दोनो ही परिवारों की खुशहाली के लिये ईश्वर से प्रार्थना करती हैं और भुजलियों का विसर्जन कर देती हैं। इस दौरान भुजली पर्व के दिन उजैना की रस्म पर दामादों का आत्मिय स्वागत करने की संस्कृति आज भी विद्यमान है और दामाद अपनी पत्नि का ध्यान रखते हुए उनके झाल के साथ रास्ते भर चलते हैं।

चल समारोह की हर वर्ग ने बढ़ाई शोभा

कबीर कुटी से निकली शोभायात्रा में महिलाओं की टोली के साथ नगर के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। साथ ही महिलाओं के झालों के साथ ही वह भी चंदन नदी के कबीर घाट पर पहुंचे। इस अवसर पर एक बड़े झाल के साथ अन्य छोटी छोटी कन्याऐं भी अपने सिर पर सुंदर टोकरियों में भुजलियों को लेकर विजर्सन के लिये निकली। इन सभी टोकरियों और झाल को चंदन नदी के कबीर घाट में विसर्जित किया गया।

शोभायात्रा ने किया चौक चौराहो का भ्रमण

कबीर कुटी से कबीर घाट जाने के लिए निकली शोभायात्रा ने लगभग करीब २ किमी की दूरी के विभिन्न चौक चौराहो का भ्रमण करते हुए सभी वर्ग के गणमान्य नागरिकों ने पूरी उत्साह के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और नव विवाहिता बेटियों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर विधायक विवेक पटेल ,पूर्व विधयक डॉ. योगेन्द्र निर्मल ,नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,पूर्व नपा अध्यक्ष धवल मॉडल, प्रबल जायसवाल ,संदीप मिश्रा ,मनोज दांदरे ,मोनू लिमजे ,पवन धुर्वे ,राजकुमार चौधरी, रामकिशोर बिसेन ,विवेक एडे ,अजय बिसेन ,झामसिंह बिसेन, सुदेश सोनी ,अनिल पिपरेवार, विवेक जुझार ,जीतू राजपूत ,अनीश बेग, निरंजन बिसेन, विक्रम देशमुख ,कोष्टी समाज अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ सहित अन्य जनप्रतिनिधि नगरवासी व कोष्ठी समाज के स्वजातीय बंधु मौजूद रहे। जो कबीर कुटी से गोलीबारी चौक, आंबेडकर चौक, नहेरु चौक, कटंगी रोड़ से सब्जी बाजार होते विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए कबीर घाट पहुंचे जहां पर झालो का विसर्जन किया गया। इस शोभायात्रा मे घोड़ो पर सवार महाराणा प्रताप ,रानी लक्ष्मीबाई ,रानी अहिल्या बाई होल्कर ,रानी दुर्गावती की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

भुजली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

भुजली विसर्जन के बाद कबीर कुटी में भुजली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भुजली मिलन समारोह में उपस्थित जनों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों को भुजली देकर मिलन समारोह कार्यक्रम का समापन किया गया। वहीं समाज के ऐसे होनहार छात्र.छात्राये जिन्होंने ७५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल किया। उन्हें समाज के वरिष्ठजनो और अतिथियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया गया। पदमेश से चर्चा में कोष्टी समाज अध्यक्ष मनीष हेड़ाऊ ने बताया कि प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भुजली व कजलियां पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसमें सुबह ९ बजे कबीर कुटी से बाईक रैली निकाली गई। जिसके बाद शाम ५ बजे झण्डा वंदन एवं आरती के बाद भव्य भुजली शोभायात्रा डीजे की धून पर निकाली गई जो नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए चंदन नदी घाट पहुंची जहां झालों व भुजलियां विसर्जित की गई। श्री हेड़ाऊ ने बताया कि विसर्जन उपरांत कबीर कुटी में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह भुजली पर्व कोष्टी समाज का सबसे बड़ा पर्व है जो एकता का प्रतीक है जिसमें हर वर्ग ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह बुंदेलखंड का त्यौहार हैं जो आल्हा से जुडा हैं वहीं यह किसानी समृद्धि का प्रतिक हैं।

युवाओं ने नगर में निकाली बाइक रैली

प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी कोष्टी समाज के युवाओं द्वारा सुबह बाइक रैली निकाली गई। यह रैली कबीर साहेब की जय घोष के नारों के साथ स्थानीय कबीर कबीर कुटी भवन से निकाली गई। जो गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक, नहेरु चौक, बस स्टेण्ड ,दीनदयाल चौक ,बालाघाट रोड़ से होते हुए पुनः दिनदयाल चौक ,कॉलेज चौक ,जय स्तंभ चौक ,नहेरु चौक, दुर्गा मंदिर होते हुए पुरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात कबीर कुटी भवन में रैली का समापन किया गया।

नपाध्यक्ष ने वरिष्ठ जनों का किया सम्मान

स्थानीय कबीर कुटी में कोष्टी कल्याण समिति के द्वारा आयोजित भुजली महोत्सव कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल की ओर से प्रबल जायसवाल, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने कार्यक्रम में पहुंचकर कबीर साहेब की पूजा अर्चना आरती की गई। तत्पश्चात समाज के वरिष्ठजनों को गमछा भेंट कर सम्मान किया । वहीं नवविवाहिता बेटियों का स्वागत एवं भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी।

पूर्व विधायक डॉ योगेन्द्र निर्मल भुजली पर्व कार्यक्रम में हुए शामिल

कोष्टी समाज का सबसे बड़ा पर्व रक्षाबंधन एवं भुजली है। १० अगस्त को आयोजित भुजली महोत्सव कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ योगेन्द्र निर्मल ने अपनी अटल टीम के साथियों के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर कबीर साहेब की पूजा अर्चना कर कोष्टी समाज के स्वजातीय बंधुओं से मुलाकात कर रक्षाबंधन एवं भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी।

विधायक विवेक पटेल ने गमछा किया भेंट

काजलियां पर्व की शोभायात्रा में विधायक विवेक पटेल अपने कार्यकर्ताओं के साथ कबीर कुटी भवन में उपस्थित हुए। जहां पर कबीर साहेब की पूजा आरती कर समाज के वरिष्ठ नागरिकों को गमछा भेंट कर उनका सम्मान किया गया। उनके द्वारा शोभायात्रा में पूरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात कोष्टी समाज के स्वजातीय बंधुओं से मुलाकात कर रक्षाबंधन एवं भुजली पर्व की शुभकामनाएं दी गई।

राहुल गांधी विचार मंच ने फलो का किया वितरण

भुजली के पावन अवसर पर नगर के गोलीबारी चौक पर भुजली चल समारोह के दौरान राहुल गांधी विचार मंच के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष जावेद अली के नेतृत्व में फलो का वितरण किया गया। जिसमें सभी को केले बाटकर पानी व शरबत वितरण का भी किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बैठक आयोजित

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) ।राज्य स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के निर्देश पर १५ अगस्त स्वतंत्रता दिवस की ,एल डी एम संजीव कुमार,डी डी एम नाबार्ड रोशन महाजन,खण्ड पंचायत अधिकारी अनिल कुमार मेश्राम एवं समस्त बैंको के प्रबंधक,बैंक

खुशी में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत ८ अगस्त से १५ अगस्त तक अभियान के गतिविधियों के सफल क्रियान्वयन को लेकर जनपद पंचायत खैरलांजी के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वृंदावन मीणा सखी,आजीविका मिशन की प्रमुख उपस्थिति में प्रशासनिक अधिकारी/ कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक में राज्य से प्राप्त गतिविधि कैलेण्डर अनुसार हर घर तिरंगा अभियान के क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया गया । मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मीणा के सुझाव पर

2 दिन से लापता नेकलाल का शव कुएँ से हुआ बरामद

मामले में पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर जांच की प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बोटेझरी निवासी ५० वर्षीय नेकलाल नागेश्वर का शव ९ अगस्त की दोपहर में पुलिस ने खेत के कुएं से बरामद किया। इसमें बताया जा रहा है कि नेकलाल नागेश्वर बीते करीब दो दिन से लापता था जिसकी पतासाजी परिजनों के द्वारा की जा रही थी। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान नेकलाल पिता तेजलाल नागेश्वर उम्र ५० वर्ष अपने परिवार के साथ बोटेझरी के वार्ड नंबर ११ में निवास करता था। जो ७ अगस्त की दोपहर २ बजे घर से बिना बताए कहीं चले गया था जो रात तक घर नहीं आने पर परिवार के द्वारा आसपास पता किया गया। किंतु कहीं पता नहीं चला ९ अगस्त को मृतक का छोटा बेटा खेत गया जिसे कुएँ से बदबू आने पर देखा तो कुएँ में शव था। जो उसे उसके पिता का लगने पर परिजनों एवं ग्रामीणों को जानकारी दी की विक्रम सिंह चंदेल के खेत के कुएं में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। यह घटना गांव में तेजी से आग की तरफ फैल गई जहां ग्रामीणों

की भीड़ लग गई। मौके पर पुलिस के द्वारा उपस्थित होकर ग्रामीणों के साथ शव को बाहर निकाला गया। जिसकी पहचान नेकलाल नागेश्वर के रूप में की गई जिसके बाद पुलिस ने मामले में आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को सुरक्षित सिविल अस्पताल वारासिवनी के शव विच्छेदन गृह में रख दिया। जहां १० अगस्त को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस को प्रार्थी अनिल नागेश्वर ने बताया कि मैं ग्राम बोटेझरी रहता हूँ खेती किसानी का काम करता हूँ। हम लोगो ने गाँव के विक्रमसिंह चंदेल का खेत अधिया में लिये है। मेरे पिता जी नेकलाल नागेश्वर कभी भी घर से चले जाते थे एवं २ से ३ दिन में वापस आ जाते थे । ७ अगस्त को भी मेरे पिता जी घर से बिना किसी को बताये चले गये थे तो हम लोग ने सोचा कि आ जायेंगे। ९ अगस्त की दोपहर २ बजे मेरा छोटा भाई सुनील नागेश्वर विक्रमसिंह के खेत में पानी देखने गया था तो उसने कुँये में देखा तो पिता जी का शव कुँये में पड़ा था। उसके बाद मेरे छोटे भाई सुनील नागेश्वर ने मुझे फोन लगा कर बताया कि पिता जी का शव विक्रम चंदेल के कुँये में दिख रहा है। तब मैं मेरी मम्मी एवं मोहल्ले के कुछ लोग जाकर देखे तो मेरे पिता जी का शव विक्रम चंदेल के कुँये में था। पानी में पड़े रहने से शव पानी के ऊपर आ गया था। मेरे पिता जी नेकलाल नागेश्वर की मौत कुँये के पानी में डूबने से ही हुई है।

ग्राम को स्वच्छ प्लास्टिक मुक्त रखने दिलाई गई शपथ

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चिचोली में स्वच्छ सुजल गांव निर्माण के लिए शासकीय माध्यमिक शाला में शपथ ली गई। इस अवसर पर संपूर्ण ग्राम को स्वच्छ ,प्लास्टिक मुक्त गांव ,गंदगी से संपूर्ण ग्राम को मुक्ति, स्वच्छ जल की एक एक बूंद को सहज ना आदि अनेक जनहित कार्यों के लिए यहां एक आयोजन कर संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि कैलाश तुरकर ,प्रधान पाठक प्रेमलता उईके ,शिक्षक नरेंद्र नरवडे ,कैलाश उईके ,शिवदास भुरे ,संजय कुमार बिसेन ,संघर्ष कुमार जांभुलकर एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रही।

उपनिरीक्षक धर्मराज बघेल का स्थानातंरण होने पर थाने में दी गई बिदाई

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पुलिस थाना वारासिवनी में पदस्थ उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह बघेल का स्थानांतरण होने पर १० अगस्त को थाने में बिदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी हेमंत नायक सहित अन्य पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें थाना स्टॉफ ने पुष्पमाला एवं थाना प्रभारी के द्वारा उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह बघेल को शाल श्रीफल से सम्मानित कर बिदाई दी गई। विदित हो की बीते दिनों पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिले के अंदर विभिन्न पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण की सूची जारी की गई थी। जिसमें वारासिवनी में उपनिरीक्षक पद पर कार्यरत धर्मराज सिंह बघेल का स्थानांतरण थाने से पाथरी पुलिस चौकी में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित पुलिस अधिकारियों के द्वारा श्री बघेल के द्वारा किये गये कार्यों एवं उनके व्यवहार कार्यशाली पर प्रकाश डालते हुए विस्तार पूर्वक बताया गया तो वहीं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

विपक्ष को देशहित में निर्णय लेना चाहिए

विश्वभर में महिलाओं के प्रति हिंसा में बढ़ोतरी हुई है जिसमें भारत में भी महिलाओ के प्रति हिंसा हुई है राखी में हर भारतीय का दायित्व है अपने बहन की रक्षा करें जैसे संसद में राहुल गाँधी और उनकी बहन प्रियंका गाँधी दोनों मिल कर सरकार पर तबाड़ तोड़ हमला कर रहें है कहीं सभी विरोधी पार्टी एक जुट होकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहें हैं और चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहें है अब एक साल बाद करने से आपकी पार्टी की ही बदनामी होगी जिस तरह विपक्ष के नेता चुनाव पर धांधली का आरोप वो भी 30 सीटों पर करना समय की बर्बादी होगा जो होता है वो काउंटिंग सेंटर पर होता है जहाँ विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी रहते हैं राहुल गाँधी के कारण ही कांग्रेस पार्टी कमजोर हुई है क्योंकि उनकी बॉडीलैंग्वेज से विपक्ष को फायदा होता है और सत्ता में आती है कभी मोदीजी चोर हैं कभी सेना पर सवाल खड़े करना जायज नहीं है यही नहीं विदेश में लोकतंत्र की हत्या का हवाला देना भी देश के लोकतान्त्रिक ढांचे को कमजोर करता है और इसका फायदा दूसरे देश उठाते है किसी चीज को पहले समझें उसका पुख्ता सबूत है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है पब्लिक क्या करेगी आज जब आप देश दुनिया की खबर रखते हैं तो उस पर आवाज उठा दीजिये विदेश में नारी के प्रति हिंसा होती है तो देश से ऊपर उठ कर आवाज उठाएं और उसकी तुलना भारत से करेंगे तो मालूम होगा एन डी ए में महिलाओ का सबसे अधिक वोट मोदीजी को जाता है और दिल्ली में मुख्यमंत्री भी महिला है और देश की महामाहिम राष्ट्रपति भी महिला है । अत: अब जब आम आदमी पार्टी के आपके गठबंधन से उसकी लोहे जैसी सरकार टूट गई तो कौन आपसे गठबंधन करेगा बिहार में महागठबंधन की सरकार 2020 में इसलिए नहीं बन पाई की कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी और मात्र 20 सीट ही मिल पाई और इसपर आर जे डी के प्रवक्ता श्री शिवा नन्द तिवारी ने यहाँ तक कह दिया कि कांग्रेस सिर्फ अधिक सीट लेना चाहती है लेकिन जितना जानना नहीं चाहती है पहले आप के यू पी ए सरकार में अपराध और भरस्टाचार के खिलाफ राम लीला मैदान से आपकी सरकार के खिलाफ अण्णा हजारे ने भूख हड़ताल की थी अभी कहाँ है राहुल गाँधी के बोलने की कला खुद आपके पार्टी के नेता को ठीक नहीं लगता है और आपके ही सांसद शशि थरूर का विचार मिल नहीं रहा है अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरीफ पर हॅसने लगते हैं जो आम आदमी से जुड़ा मुद्दा है कभी ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करते हैं बोलना बहुत आसान होता है करना मुश्किल ट्रम्प 79 साल के हैं और उनकी पत्नी 56 साल की है अधिकतर देखें जाती है आप भी अपना घर बसाने की कोशिश करें अब सत्ता मिलना मुश्किल है क्योंकि क्षेत्रीय पार्टी को दिल्ली में चुनाव परिणाम के बाद डर सा हो गया है अत: बंगाल में खुद आपके पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते रहते हैं महाराष्ट्र में भी आपके साथ जो सटा वो हट ही गया अत: चुनाव जितना है तो महिलाओ के बारे में उसकी सुरक्षा पर चिंता करें आपकी बोली पड़े लिखे आदमी को शोभा नहीं देती और इसलिए मौका रहने पर भी जीत नहीं मिल रही है एक सभ्य आदमी जैसा जनता से बात करेंगे तो आप की गरिमा बढ़ेगी नहीं तो ऐसे सत्ता में आना मुश्किल है जहाँ तक 2024 लोक सभा के चुनाव के परिणाम पर है इलेक्शन कमीशन ने निष्पक्ष चुनाव कराया है क्योंकि उस समय एन डी ए 400 के पार बता रही थी और 291सीट पर सिमट गई वोटर लिस्ट चुनाव में विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी देखते हैं और हर बूथ पर नजर डालते है और वह भी जिला प्रशासन का अनुमोदन होता है वो तो ऑनलाइन आप भी देख सकते हैं।

चुनाव आयोग पर फूटा राहुल का 'एटम बम' ?

भारत वर्ष को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जहां दुनिया जानती है वहीं यहाँ होने वाले चुनाव भी पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कई बार विश्व के नेताओं के प्रतिनिधिमंडल हमारे विशाल देश की चुनावी प्रक्रिया को देखने व समझने के लिये चुनावों के दौरान भारत आते रहे हैं। उधर भारतीय चुनाव आयोग जहां इस विशाल चुनाव के सफल संचालन का हमेशा श्रेय लेता आया है वहीं इन्हीं चुनावों में प्राय: कहीं न कहीं चुनावी धांधली के आरोप भी लगते रहे हैं। विगत में लोकसभा व विधानसभा के कुछ चुनाव तो ऐसे भी संपन्न हुये जिनके परिणामों ने चुनाव पूर्व होने वाले सभी सर्वेक्षणों को पूरी तरह नकार दिया। वैसे भी जब से देश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (श्वङ्करू) के माध्यम से वोट पड़ने शुरू हुये हैं उसी समय से मतदान की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहे हैं। स्वयं भारतीय जनता पार्टी के ही वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी , पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रह्मण्यम स्वामी, व राज्यसभा सांसद जी.वी.एल. नरसिम्हा राव जैसे कई प्रमुख नेताओं ने समय-समय पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुये इसके इस्तेमाल का विरोध किया है।

बहरहाल 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद EVM की विश्वसनीयता का सवाल अब विपक्षी दलों द्वारा किया जाने लगा है। पिछले एक दशक से होने वाले लगभग सभी चुनावों में EVM से होने वाली धांधलियों के अनेक आरोप लगते रहे हैं। कभी EVM बदलने के तो कभी EVM चोरी होने के। कभी मतदाताओं को यह कहते सुना गया कि उन्होंने वोट तो कहीं और दिया परन्तु VVPAT मशीन किसी दूसरे निशान पर वोट पड़ा बताती है। हालाँकि पिछले चुनावों में कई बार कई राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें भी बनीं परन्तु EVM का विरोध निरंतर जारी रहा। दिल्ली में जंतर मंतर पर अनेक बार EVM विरोधी प्रदर्शन भी हुये। देश के वकीलों का एक बड़ा वर्ग खुलकर EVM के विरोध में खड़ा हुआ परन्तु सरकार व

चुनाव आयोग EVM पर ही विश्वास जताते रहे। परन्तु अब मामला EVM की विश्वसनीयता से भी आगे बढ़कर वोटर लिस्ट में हो रही भयंकर धांधली का उजागर हुआ है। और इसका भंडाफोड़ किया है लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी ने।

गत 7 अगस्त को राहुल गांधी ने "बड़े पैमाने पर हो रही चुनावी धोखाधड़ी को उजागर किया। उन्होंने विशेष रूप से कर्नाटक के बेंगलुरु मध्य लोकसभा क्षेत्र में, महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए मतदाता सूचियों में, विशिष्ट अनियमितताओं को उजागर किया। राहुल गांधी ने दावा किया कि केवल (महादेवपुरा) क्षेत्र में, कुल 6.5 लाख मतदाताओं में से, 1 लाख से अधिक फ़र्ज़ी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया, जिससे उस क्षेत्र में भाजपा की 1,14,046 मतों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत हुई। उन्होंने मतदाता सूची में विसंगतियों के उदाहरण दिए और मतदाता सूचियों में हेराफेरी,डुप्लिकेट मतदाता,साक्ष्यों का विनाश और पारदर्शिता का अभाव;असामान्य मतदान पैटर्न आदि विषयों को प्रमाण सहित उठाया। गांधी ने कथित वोट चोरी में शामिल चुनाव आयोग के शीर्ष से लेकर निचले स्तर तक के अधिकारियों को चेतावनी भी दी कि उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने उनके कार्यों को 'देशद्रोही' और राष्ट्रहित के विरुद्ध क़रार दिया, और कहा कि कांग्रेस उन्हें जवाबदेह ठहराएगी। राहुल गांधी ने छ: महीने की कड़ी मशक़्क़त के बाद कांग्रेस द्वारा जुटाए गए इन सबूतों को 'परमाणु बम' का नाम दिया। उन्होंने कहा कि इनके सार्वजनिक प्रकाशन से चुनाव आयोग की भूमिका उजागर हो जाएगी और उसके पास 'छिपने की कोई जगह नहीं बचेगी।'

दरअसल राहुल गाँधी के मांगने पर चुनाव आयोग ने लगभग तीन क्विंटल से भी अधिक काग़ज़ों के विशाल बण्डल उन्हें भेजे थे। राहुल ने अपने विशेषज्ञों के साथ इन काग़ज़ात में से केवल 4 किलो काग़ज़ का चुनाव किया और बड़ी बारीकी से उनका डेटा अध्ययन किया। जब इन काग़ज़ात में ही वोटों की बड़ी चोरी पकड़ी गयी तभी राहुल गांधी इस नतीजे पर पहुँच गये कि जब 4 किलो काग़ज़ात फ़र्ज़ी हैं तो शेष सैकड़ों किलो काग़ज़ात भी फ़र्ज़ी ही हैं। गोया अब सवाल महादेवपुरा विधानसभा का ही नहीं बल्कि देश की प्रत्येक विधानसभा और लोकसभा सीटों के चुनाव का है ? यही वजह है कि अब राहुल गाँधी देश की सभी 543 लोकसभा का वोटर डेटा मांग रहे हैं। वह इसीलिये 'मशीन रिडेबल' डेटा की मांग कर रहे हैं ताकि डेटा और फ़ोटो एनालिसिस हो सके। कांग्रेस का मानना है कि यदि चुनाव आयोग ने मशीन डेटा दे दिया तो मात्र 7 दिनों में हर एक वोटर की पहचान हो जाएगी और स्ढ्ढक्र करने की कोई आवश्यकता ही नहीं रहेगी। और मशीन डेटा से रोहंगिया , बांग्लादेशी, पाकिस्तानी, नेपाली जो भी फ़र्ज़ी मतदाता होंगे सभी सामने आ जायेंगे।

परन्तु आश्चर्य है कि भारतीय इतिहास में पहली बार नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा चुनाव आयोग पर इतने गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। पूरी सरकार व प्रधानमंत्री तक को फ़र्ज़ी सरकार का फ़र्ज़ी प्रधानमंत्री बताया जा रहा है। परन्तु भाजपा व चुनाव आयोग दोनों ही एक दूसरे के पीछे छिपने की कोशिश कर रहे हैं। वही पुराना राग अलाप रहे हैं कि राहुल गांधी के आरोप 'निराधार', 'शर्मनाक' और 'लोकतंत्र का अपमान' हैं। और भाजपा नेताओं के अनुसार ये आरोप कांग्रेस की हार से उपजी हताशा का परिणाम हैं । उन्होंने कांग्रेस को क़ानूनी रास्ता अपनाने की चुनौती दी और निर्वाचन आयोग की 'निष्पक्षता' का बचाव किया। साथ ही भाजपा ने इसे कांग्रेस द्वारा संवैधानिक संस्थानों पर हमले के रूप में वर्णित किया।

याद कीजिये केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का वह आरोप जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके लोकसभा क्षेत्र में साढ़े तीन लाख वोटरों के नाम काट दिये गए थे। किसने कटवाये थे यह नाम ? क्यों काटे गये ? ऐसी अनियमिताओं की ज़िम्मेदारी चुनाव आयोग की नहीं तो किसकी है ? किसके इशारे पर होता है यह काम ? क्या यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे के ख़िलाफ़ 卐साजिश卐 नहीं ? राहुल गांधी ने यह आरोप भी लगाया कि महाराष्ट्र में केवल पाँच महीनों में लगभग 40 लाख संदिग्ध मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है। उधर महाराष्ट्र में ही कई प्रत्याशी भी यह कहते सुने गये कि भाजपा नियंत्रित अधिकांश बूथ पर शाम पांच बजे के बाद 'अनजान मतदाताओं' की बड़ी भीड़ इकठ्ठा हुई थी। कौन थे कहां से आये थे ये मतदाता ? चुनाव आयोग को नेता प्रतिपक्ष के प्रत्येक संदेह व आरोप का संतोषजनक उत्तर देना चाहिये ताकि देश और दुनिया यह जान व समझ सके कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में चुनाव निष्पक्ष संपन्न होते हैं। और जो भी ऐसी साज़िशों के स्वयंभू 'चाणक्य' हों उन्हें बेनक़ाब कर उनके विरोध देशद्रोह का मुक़ददमा चलना चाहिये। अन्यथा राहुल से हलफ़नामा मांगने जैसी बातें करना तो उनके संगीन आरोपों से मुंह छुपाने का बहाना मात्र प्रतीत होती हैं।

तनवीर जाफ़री

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से हो? नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है। भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है, जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ डाटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है। देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्टें, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने 'किसान केंद्रित कृषि नीति' का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता माना गया। मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों के साध रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का जोर अब 'अन्नदाता को ऊर्जादाता' बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना।

-ललित गर्ग

घर तब तक नहीं टूटता, जब तक फैसला बड़ों के हाथ में होता है - हर कोई बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देर नहीं लगती

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर, परिवार, संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने, उनके फैसलों पर अमल करनें, आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे युवादेश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गोंको नजरअंदाज कर, एकला चलो रे!! वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथ में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है इसलिए हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ घरों को टूटने से बचाएं पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फ़र्क़ के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है. मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी ज़रूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस!!यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता-पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पताही नहीं चलता कि आख़िर वजह क्या है।इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिज़ाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेज़ी से और रातों रात हो रहा है. बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं।

साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोज़गार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुज़ुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मज़बूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते,स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाज़ा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज़्यादा क़रीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है,हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुज़ुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुज़रते दौर के साथ ये स्थिति और मज़बूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मज़बूत होते हैं, वो आसानी से ख़त्म नहीं होते. लिहाज़ा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी।

साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे।परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे।

साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा। अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए।शेयर करना स्वभाव होना चाहिए क्योंकि, बस एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलना सीख लो।सहनशीलता अच्छी होनी चाहिए।सामंजस्य बैठाना भी आता हो।

साथियों मेरा यह निजी अनुभव है कि, मेरा परिवार सयुंक्त परिवार और इसीलिए मैने इस प्रश्न का उत्तर देना चाहा। सभी का उचित सम्मान होना चाहिए, विशेष रूप से छोटे बड़ों का हमेशा सम्मान करें। कार्यों का उचित विभाजन हो, जिससे टकराव ना हो। पुरानी कहावत है कि- जहाँ चार बर्तन होते है, वहां टकराव होता है, ये खटपट भी मधुर होनी चाहिए। बाहर की चुगलखोरी एवं चापलूसी को बिल्कुल ध्यान न दे, क्योंकि यह हमारे भारतवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है वो तो करेंगे ही।अंत में सबसे जरूरी-आपस में प्यार, नहीं तो उपर लिखी सारी बातें बेकार।

करो दिल से सजदा तो इबादत बनेगी।
बड़े बुजुर्गों की सेवा अमानत बनेगी।।
खुलेगा जब तुम्हारे गुनाहों का खाता।
तो बड़े बुजुर्गों की सेवा जमानत बनेगी।।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आइए घरों को टूटने से बचाएं। घर तब तक नहीं टूटता जब फैसला बड़ों के हाथ में होता है, हर कोई बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देर नहीं लगती। आधुनिक युग कोई परिवार में बड़ों के लिए तरसे, कोई बड़ों पर गुस्से से बरसे की ओर चल पड़ा है।

-किशन सनमुखदास भावनानीं

त्योहारी मांग के बावजूद सरसों-मूंगफली तेल के दाम गिरे, बाकी तेल-तिलहन में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। जहां सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए, वहीं सोयाबीन और पाम तेल में सुधार दर्ज किया गया। बाजार सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल के दाम आयातित खाद्य तेलों की तुलना में 35-40 रुपये प्रति किलो अधिक हैं, जिससे इसकी मांग कमजोर पड़ी है। उपभोक्ताओं का रुख अब सस्ते विकल्प जैसे सोयाबीन और पामोलीन की ओर है। मूंगफली की नई फसल में बरसात के कारण नमी होने से किसानों को मजबूरी में कम दाम पर बेचना पड़ा। इससे मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें भी गिरीं। मूंगफली तिलहन का भाव 75 रुपये गिरकर 5,700-6,075 रुपये क्विंटल रहा, जबकि मूंगफली तेल गुजरात का दाम 150 रुपये घटकर 13,500 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। सरकार ने आगामी खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाया है। सोयाबीन का एमएसपी 436 रुपये बढ़ाकर 5,328 रुपये और मूंगफली का 480 रुपये बढ़ाकर 7,263 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। लेकिन वर्तमान बाजार कीमतें एमएसपी से नीचे हैं, जिससे चिंता बनी हुई है। उधर, त्योहारी मांग और स्टॉक की सीमित उपलब्धता के चलते सोयाबीन तेल-तिलहन में मजबूती रही। सोयाबीन दाने और लूज के भाव क्रमशः 4,875-4,925 रुपये और 4,575-4,675 रुपये क्विंटल रहे। सोयाबीन दिल्ली का तेल 200 रुपये चढ़कर 13,200 रुपये और डीगम तेल 200 रुपये की बढ़त के साथ 10,225 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पाम तेल में भी सुधार देखा गया। सीपीओ का भाव 280 रुपये बढ़कर 11,380 रुपये और पामोलीन दिल्ली 175 रुपये बढ़कर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसानों को बेहतर दाम दिए जाएं, तो इससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी।

संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश होगा

नई दिल्ली। संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में यह बिल पेश करेंगी, जिसमें सिलेक्ट कमेटी की सभी सिफारिशें और सरकार द्वारा स्वीकृत संशोधन शामिल होंगे। पिछले शुक्रवार को लोकसभा से पुराने बिल को वापस लेने के बाद मीडिया में नए बिल को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थीं। रिजिजू ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल पूरी तरह नया नहीं होगा, बल्कि पुराने बिल में सिलेक्ट कमेटी की अध्यक्षता में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा द्वारा सुझाए गए 285 संशोधन जोड़े जाएंगे। सरकार ने इन संशोधनों को पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुराने बिल को वापस लेकर नया बिल पेश करना संसदीय परंपरा का हिस्सा है, खासकर जब सिलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर संशोधन सुझाए गए हों। इससे संसद के लिए बिल पर चर्चा करना और उसे पारित करना आसान हो जाता है। रिजिजू ने कहा कि पहले बिल पर काफी मेहनत की गई थी, इसलिए, नया ड्राफ्ट उसी पर आधारित है, लेकिन सभी आवश्यक संशोधन इसमें शामिल किए गए हैं। नया इनकम टैक्स बिल पेश होने के बाद कर नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं, जिनमें आयकर स्लैब, छूट, रियायतें और कर प्रशासन से जुड़ी प्रक्रियाओं में सुधार शामिल हो सकता है। सरकार का मानना है कि यह कदम टैक्स व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और समयानुकूल बनाने में मदद करेगा, जिससे करदाता और प्रशासन दोनों को लाभ होगा।

रेलवे ने टिकट के डिजिटल पेमेंट पर लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को बताया सुविधा शुल्क

नई दिल्ली। ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग पर डिजिटल पेमेंट के दौरान लगने वाले एक्स्ट्रा चार्ज को लेकर राज्यसभा में उठे सवाल पर रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह कोई टैक्स नहीं, बल्कि कंविनियंस फीस यानी सुविधा शुल्क है, जो आईआरसीटीसी के डिजिटल सिस्टम के संचालन और अपग्रेड के लिए लिया जाता है। रेल मंत्री के अनुसार एसी टिकट बुक करने पर 20 और नॉन-एसी टिकट पर 10 का शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क केवल ऑनलाइन टिकट बुकिंग पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से यात्रियों को रेलवे काउंटर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाते हुए कहा था कि जब सरकार कैशलेस इकोनॉमी को बढ़ावा दे रही है, तब डिजिटल पेमेंट पर एक्स्ट्रा चार्ज लेना तर्कसंगत नहीं है। इससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिलने के बजाय बाधा आ सकती है। रेल मंत्री ने यह भी बताया कि आज 87 फीसदी रिजर्वेशन टिकट ऑनलाइन बुक होते हैं, जो आईआरसीटीसी की डिजिटल सेवा की लोकप्रियता को दर्शाता है। इसके साथ ही रेलवे अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अत्याधुनिक बना रहा है। यह सिस्टम अब हर मिनट 1 लाख टिकट बुक करने की क्षमता रखेगा, जो फिलहाल 25,000 टिकट प्रति मिनट है। यह अपग्रेडेशन सेंट्रल फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स के जरिए किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह शुल्क डिजिटल पेमेंट को हतोत्साहित करने के लिए नहीं, बल्कि सिस्टम के रखरखाव की लागत निकालने के लिए है।

संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश होगा

नई दिल्ली। संसद में सोमवार को नया इनकम टैक्स बिल पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में यह बिल पेश करेंगी, जिसमें सिलेक्ट कमेटी की सभी सिफारिशें और सरकार द्वारा स्वीकृत संशोधन शामिल होंगे। पिछले शुक्रवार को लोकसभा से पुराने बिल को वापस लेने के बाद मीडिया में नए बिल को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही थीं। रिजिजू ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि यह बिल पूरी तरह नया नहीं होगा, बल्कि पुराने बिल में सिलेक्ट कमेटी की अध्यक्षता में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा द्वारा सुझाए गए 285 संशोधन जोड़े जाएंगे। सरकार ने इन संशोधनों को पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुराने बिल को वापस लेकर नया बिल पेश करना संसदीय परंपरा का हिस्सा है, खासकर जब सिलेक्ट कमेटी की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर संशोधन सुझाए गए हों। इससे संसद के लिए बिल पर चर्चा करना और उसे पारित करना आसान हो जाता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को उनके मित्र के द्वारा कोई अच्छा अवसर हाथ लग सकता है। आप किसी दूसरे के मामले में ना बोले। सरकारी एग्जाम की तैयारी कर रहे लोग कोई कोचिंग ले सकते है। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है, जो लोग प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत है, उन्हें कोई अच्छी सफलता हाथ लगेगी, लेकिन किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती हैं। किसी कानूनी मामले में आपको काफी मेहनत मशक्कत के बाद ही सफलता हासिल होगी। जीवनसाथी की ओर से आपको कोई सरप्राइज पार्टी मिल सकती है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आप किसी अजनबी की बातों में ना आएं। दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। आपके बॉस आपके काम से काफी खुश होंगे। जिस कारण आपके प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती हैं। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। व्यापार में यदि कुछ समस्याएं आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। पारिवारिक रिश्तों में सामंजस्यता बनी रहेगी। आपको जल्दबाजी में कोई काम करने से बचना होगा। पढ़ाई-लिखाई को लेकर परेशान चल रहे विद्यार्थियों को सीनियर्स की पूरी मदद मिलेगी।

सिंह- आज आपको प्रॉपर्टी को लेकर कोई डील अटक सकती है, जिसमें आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। आपको किसी अच्छी जगह काम करने का मौका हाथ लग सकता है। जीवनसाथी को आप कहीं बाहर विना डेट पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं। आपका कोई सहयोगी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकता है, जिससे आपको थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आपका कहीं विदेश जाने की योजना बना सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा मिलेगा। आपके पिताजी आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं, जिस पर आप अमल अवश्य करें। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी।

तुला- आज आपके मन में काम को लेकर नये नये आईडिया आएंगे, जिन्हे आप बिजनेस में तुरंत लगाएंगे। आप अपने दोस्तों के साथ कुछ समय किसी पार्टी आदि को करने में भी व्यतीत करेंगे, जिससे आपको किसी काम को लेकर टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। संतान के साथ आपकी बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। आप उनके मन में चल रही उलझनों को लेकर आपसे बातचीत करेंगे। आपको वरिष्ठ सदस्यों की सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ नया सीखने के लिए रहेगा। आपको बेफिजूल का खर्चे पर तालमेल बनाकर चलना होगा। आप किसी जरूरी काम को लेकर कहीं बाहर जा सकते हैं। दूर एंड ट्रेवल्स का काम करने वाले लोग अपने कामों में कोई बदलाव सोच समझकर करेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। आपको किसी सरकारी मामले में सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है। आपको सोच समझकर काम करने होंगे। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। आपकी टेंशन में बढ़ सकती है। सेहत में भी उतार चढ़ाव बना रहेगा। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को पहले उसे अच्छे से जानने की आवश्यकता है। आप अपने घर परिवार में कामों में कोई बदलाव करने की सोच सकते हैं। बिजनेस में यदि कोई डील अटकी हुई थी, तो उसके फाइनल होने की संभावना है।

मकर- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आप अपने बिजनेस से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। यदि आपने किसी नई योजना की शुरुआत की थी, तो वह भी आपको बेहतर लाभ देगी। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। ससुराल पक्ष से आपको मान सम्मान मिलता देख रहा है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धार्मिक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं। जीवन साथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करना होगा। सेहत में उतार चढ़ाव बना रहेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग के प्रशस्थ होंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप फलदायक रहने वाला है। परिवार में माहौल आज माहौल खुशनुमा रहेगा। आप अपने किसी मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होंगे। आप अपने कामों को लेकर किसी दूसरे के भरोसे ना रहें, नहीं तो वह लटक सकते हैं। संतान ने यदि किसी प्रतियोगिता को दिया था, उसके

शब्दजाल - 7987

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वाद' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	झ	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

नाजीवाद, परिवाद, अनुवाद, निर्विवाद, मायावाद, अभिवाद, आतंकवाद, मार्क्सवाद, मवाद, आस्वाद

शब्दजाल - 7986 का हल

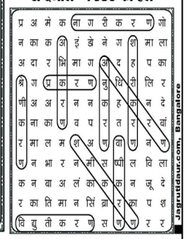

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6931

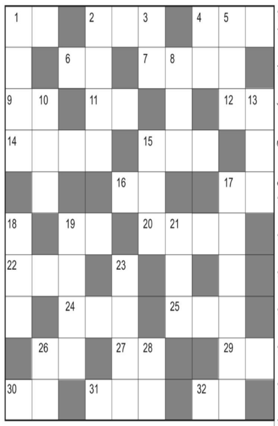

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6930

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

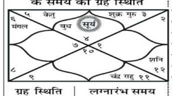

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.04 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	08.16 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.26 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.41 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.57 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.02 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.52 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	23.32 बजे से
		मिथुन	01.30 बजे से
		कर्क	03.44 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 223 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 10.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 13.01 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 21.34 बजे को समाप्त।
करण गर 10.34 बजे तदनन्तर वणिज 21.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 15'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872433
जूलियन दिन 2460898.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पाप की जड़

एक राजा ने एक दिन अपने पुरोहित से अचानक पूछा, 'मान्यवर, कृपया बताएं कि दुनिया में हो रहे इतने पाप का असली कारण क्या है? क्यों करते हैं लोग पाप?' सवाल सुनकर पुरोहित सोच में पड़ गए। बोले, 'राजन, इस सवाल का उत्तर देने में कुछ समय लगेगा। इसके लिए मुझे दो दिन चाहिए।' राजा ने कहा, 'ठीक है, आप दो दिन ले लीजिए। अगर आपने इसका सही उत्तर दिया तो मैं आपको बहुत सा इनाम दूंगा।' पुरोहित इनाम के लोभ में और अपनी प्रतिष्ठा की खातिर सवाल का जवाब ढूंढ़ने घर से निकल पड़े। उन्हें यह आशंका भी सता रही थी कि अगर वह उत्तर नहीं ढूंढ़ पाए तो राजा की नजर में गिर जाएंगे। पुरोहित दिन-रात चलते रहे और रास्ते में मिलने वाले हर साधु-मनीषी से यह सवाल पूछते रहे। लेकिन किसी का जवाब उन्हें अच्छा नहीं लगा। अंततः वह नगर की सरहद पर पहुंचे। वहां एक गड़रिया अपनी भेड़ें चरा रहा था। पुरोहित ने जब गड़रिए से यह सवाल पूछा तो वह हंसने लगा। वह हंसते हुए बोला, 'मैं आपको इसका जवाब नहीं बता सकता। आप इस लायक हैं ही नहीं।' यह सोचकर कि यह गड़रिया वास्तव में इस सवाल का उत्तर जानता है, पुरोहित बोले, 'मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूं। मेहरबानी कर इसका जवाब बता दीजिए।' तब गड़रिए ने कहा, 'उत्तर जानने के लिए क्या आप मेरा जूठा दूध पी सकते हैं?' पुरोहित इसके लिए सहर्ष तैयार हो गए। तब गड़रिए ने फिर हंसते हुए कहा, 'यही आपके प्रश्न का उत्तर है। आप पद, प्रतिष्ठा और इनाम के लोभ में कुछ भी करने को तैयार हो गए। ऐसे तो आप मेरा जूठा दूध कभी नहीं पीते लेकिन स्वार्थवश आप इसके लिए मान गए। लोभ के लिए व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। इसी लोभ और तृष्णा के कारण दुनिया में सारे पाप होते हैं। यह लोभ ही पाप का सबसे बड़ा कारण है।'

सूडोकु नवताल- 7240

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7239 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 8455

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8454 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

टैरिफ़ विवाद, मुद्रास्फीति और विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की दिशा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाएं हो सकती हैं जो बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ़ लगाने की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। यह कदम भारतीय जीडीपी वृद्धि को एक फीसदी तक घटा सकता है, जिससे निवेशकों में चिंता है। हालांकि, व्यापार वार्ता में संभावित सुधार से स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन घरेलू बाजार इस पर नज़र बनाए रखेगा। इसके अलावा भारतीय और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार में हलचल पैदा कर सकते हैं। 12 अगस्त को भारत और अमेरिका दोनों देशों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़े जारी होंगे। भारत का सीपीआई 1.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि अमेरिका का

सीपीआई 2.8 फीसदी तक बढ़ सकता है। मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की संभावना को कम कर सकती है, जिससे विदेशी पूंजी प्रवाह प्रभावित हो सकता है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार समझौते से भारत को भी असर हो सकता है। यदि यह समझौता होता है, तो विदेशी निवेश चीन की ओर रुख कर सकता है, जिससे भारतीय बाजार में गिरावट आ सकती है। वहीं भारतीय कंपनियों के जून तिमाही के नतीजे भी बाजार को प्रभावित करेंगे। प्रमुख कंपनियों जैसे बजाज कंज्यूमर, अशोक लीलैंड और ओएनजीसी के परिणामों पर निवेशकों की नज़र रहेगी। इस हफ्ते के बाजार रुझान में वैश्विक और घरेलू संकेतकों का मिश्रित असर देखने को मिलेगा, जिससे भारतीय निवेशकों को सतर्क रहना होगा।

कच्चे तेल में गिरावट के बावजूद कई शहरों में पेट्रोल-डीजल महंगे

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में रविवार को इजाफा देखा गया। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा जारी ताजा दरों के अनुसार, बिहार की राजधानी पटना समेत कई शहरों में ईंधन के दाम बढ़े हैं, जबकि कुछ स्थानों पर मामूली राहत भी मिली है। पिछले 24 घंटों में ब्रेंट क्रूड कीमत घटकर 66.59 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव 63.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। इसके बावजूद देश में खुदरा दरों में कमी का व्यापक असर नजर नहीं आ रहा। वहीं बिहार चुनावी राज्य होने के चलते राजधानी पटना में पेट्रोल 13 पैसे महंगा होकर 105.60 प्रति लीटर और डीजल 12 पैसे बढ़कर 91.53 प्रति लीटर हो गया है। दूसरी ओर नोएडा में पेट्रोल 19 पैसे सस्ता होकर 94.67 और डीजल 18 पैसे घटकर 87.65 प्रति लीटर रह गया है। गाजियाबाद में दोनों ईंधनों के दाम में क्रमशः 22 पैसे और 21 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे महानगरों में तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इन शहरों में पेट्रोल की कीमत 94.72 से 104.95 के बीच और डीजल की 87.62 से 92.35 प्रति लीटर के बीच बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय टैक्स, डीलर मार्जिन और मुद्रा विनिमय दर जैसे कारक कीमतों में अंतर के लिए जिम्मेदार हैं।

पेट्रोल पंप के लाइसेंस मानकों को संशोधित कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने पेट्रोल पंपों के लाइसेंस जारी करने के मानदंडों को शिथिल करने और नीति में सुधार करने की तैयारी शुरू कर दी है। यह कदम बदलते वैश्विक ईंधन परिदृश्य और भारत में ऊर्जा सुरक्षा एवं कार्बन उत्सर्जन घटाने के राष्ट्रीय लक्ष्यों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2019 की नीति की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता बीपीसीएल के पूर्व निदेशक (विपणन) सुखमल जैन कर रहे हैं। समिति में पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के महानिदेशक पी. मनोज कुमार, फिपी के सदस्य पीएस रवि और मंत्रालय के निदेशक (विपणन) अरुण कुमार भी शामिल हैं। समिति का उद्देश्य मौजूदा नीति का पुनर्मूल्यांकन, वैकल्पिक ईंधनों और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के सुझाव देना और नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों की पहचान करना है। सरकार ने 6 अगस्त को आदेश जारी कर हितधारकों और जनता से 14 दिनों के भीतर सुझाव मांगे हैं। 2019 में संशोधित नियमों के तहत, गैर-पेट्रोलियम कंपनियों को शुद्ध संपत्ति के आधार पर पेट्रोल-डीजल बेचने की अनुमति दी गई थी। वर्तमान में देश में लगभग 97,804 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल जैसी सरकारी कंपनियों का बड़ा हिस्सा है। निजी क्षेत्र में रिलायंस-बीपी, नायरा एनर्जी और शेल के भी कई पंप संचालित हैं। वैश्विक ऊर्जा कंपनियां जैसे टोटल एनर्जीज, बीपी, ट्रैफिगुरा और सऊदी अरामको भी भारतीय खुदरा ईंधन बाजार में हिस्सेदारी की इच्छा रखती हैं। नई नीति के जरिए, सरकार ऊर्जा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और वैकल्पिक ईंधनों को प्रोत्साहित करने का प्रयास कर

धर्म के बिना मनुष्य भी पशु के समान है - कालीचरण महाराज

108 पार्थिव शिवलिंग रूद्राभिषेक, 108 गौमाता पूजन एवं विशाल महाप्रसादी भण्डारे के साथ हुआ 30 दिवसीय श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ का समापन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के इतिहास में श्रावण मास पहली बार एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मप्र के तत्वावधान में 30 दिवसीय श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन 11 जुलाई से 10 अगस्त किया गया। जो कि 10 अगस्त को 108 पार्थिव शिवलिंग रूद्राभिषेक, 108 गौमाता पूजन एवं महाप्रसाद भण्डारा, हवन यज्ञ आदि के साथ ऐतिहासिक समापन किया गया। इस सपूर्ण आयोजन का हजारो की संख्या में दर्शनार्थी, भक्त गणों एवं सेवाभावीयों ने लाभ प्राप्त किया।

30 दिवसीय अखण्ड रामायण पाठ कर पूण्य लाभ किया अर्जित

एकल अभियान संच लांजी के द्वारा आयोजित 30 दिवसीय अखण्ड रामचरित मानस पाठ का हजारों लोगों के द्वारा पण्डाल स्थल पर पहुंचकर पाठ किया गया वहीं संच से 4 टोली भी विशेष रूप से पंहुची थी जिनके द्वारा द्वारा दिन रात श्री अखण्ड रामायण पाठ गायन किया गया। इसी कड़ी में क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि, गणण्मान्य नागरिक गण, श्रृद्धालु भक्त गण भी रोजाना पण्डाल स्थल पर पंहुचकर श्री अखण्ड रामायण पाठ कर पूण्य लाभ अर्जित किया।

दादा कोटेश्वर धाम में 108 पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक

धर्म नगरी लांजी में साक्षात श्री कोटेश्वर महादेव का वास है। श्री कोटेश्वर महादेव की ही कृपा थी जो कि श्रावण मास के इस पावन अवसर पर एकल अभियान संच लांजी के द्वारा 30 दिवसीय श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ का आयोजन ऐतिहासिक सफलता के साथ पूर्ण हुआ। वहीं श्री दादा कोटेश्वर के आशिर्वाद से 10 अगस्त को 108 पार्थिव शिवलिंग का रूद्राभिषेक 108 सपत्नि यजमानो के हस्ते विशेषज्ञ पुरोहित पंडितो के द्वारा संगीतमय मत्रोंच्चारण के साथ पूर्ण कराया तथा अंत श्री गणेश जी एवं शंकर जी की आरती के साथ भव्य समापन किया गया।

कोटेश्वर धाम में 108 गौमाता पूजन

कोटेश्वर धाम में 10 अगस्त को 108 पार्थिव शिवलिंग रूद्राभिषेक पूजन के पश्चात 108 गौमाता पूजन कार्यक्रम एकल अभियान संच के द्वारा आयोजित किया गया। श्री गौमाता का पूजन माँ शक्ति के उपासक काली पुत्र श्री कालीचरण जी महाराज एवं क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे, संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे एवं पदाधिकारी गण सहित समस्त यजमानो एवं भक्त गणों के द्वारा गौमाताओं को तिलक वंदन कर भोग लगाकर पूजन अर्चन किया गया।

माँ शक्ति के उपासक कालीचरण महाराज जी की विशाल धर्म सभा

30 दिवसीय श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ के अंतिम दिवस 10 अगस्त को माँ शक्ति के उपासक कालीपुत्र श्री कालीचरण जी महाराज का लांजी की पावन धरा पर आगमन हुआ। जहां संच के द्वारा उनका भव्य स्वागत सत्कार किया गया। सर्वप्रथम श्री कालीचरण जी महाराज दादा कोटेश्वरनाथ के दर्शनो के लिये पंहुचे जहां उन्होंने विधि विधान पूर्वक भगवान कोटेश्वर नाथ की पूजा अर्चना की, पूजन के उपरांत महाराज ने 108 गौ माताओं का पूजन किया। हिंदू संस्कृति में गौ को माता का दर्जा प्राप्त है, और यह पूजन गौ रक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। महाराज ने स्वयं गौ माताओं को चंदन का तिलक लगाया, फूल चढ़ाए और आरती उतारी। इस दौरान उन्होंने गौ संरक्षण के विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी की, जिसमें कहा कि गौ माता प्रकृति और जीवन का आधार हैं, तथा उनकी सेवा सनातन धर्म का अभिन्न अंग है। एकल अभियान संच के सदस्यों ने इस पूजन को पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक मूल्यों से जोड़ते हुए सराहा। उपस्थित भक्तों ने इस दृश्य से भावुक होकर जयकारे लगाए, और कार्यक्रम में एक अनोखी शांति का अनुभव हुआ।

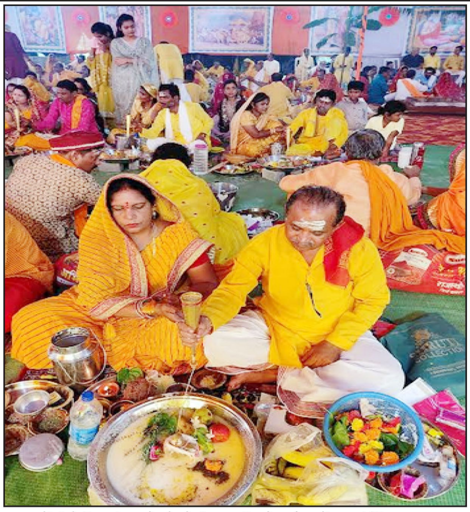

संगीतमय शिव तांडव मंत्र से गूंजा पंडाल

इसके बाद, महाराज मंचीय कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने संगीतमय शिव तांडव मंत्र का गायन किया। उनकी मधुर और शक्तिशाली आवाज में गूंजते शिव तांडव स्तोत्र ने पूरे पंडाल को शिवमय कर दिया। यह स्तोत्र, जो भगवान शिव की महिमा और तांडव नृत्य का वर्णन करता है, महाराज के गायन से जीवंत हो उठा। श्रोताओं ने तालियां बजाकर और हर हर महादेव के जयकारों से उनका उत्साहवर्धन किया। संगीतकारों की टीम ने उनके साथ सुर मिलाया, जिससे कार्यक्रम में एक सांगीतिक उत्सव का रूप आ गया। युवा भक्तों ने इसे विशेष रूप से सराहा, क्योंकि यह सनातन परंपराओं को आधुनिक रूप से प्रस्तुत करने का माध्यम बना।

धर्म के बिना मनुष्य भी पशु के समान है

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महाराज जी की सभा को संबोधन था, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म की गहराई पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 卐सनातन धर्म क्या है? धर्म अलग-अलग प्रकार के नहीं होते। अनंत कोटि ब्रह्मांड में एक ही धर्म है, वह है सनातन धर्म। बाकी सब मजहब हैं।卐 धर्म के बिना मनुष्य भी पशु के समान है । महाराज ने विस्तार से समझाया कि सनातन धर्म अनादि और अनंत है, जो वेदों, उपनिषदों और पुराणों पर आधारित है। यह न केवल व्यक्तिगत मुक्ति का मार्ग है, बल्कि समस्त सृष्टि के कल्याण का आधार है। उन्होंने रामचरितमानस का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान राम का जीवन सत्य, न्याय और धर्म की मिसाल है, जो आज के समाज को दिशा देता है। महाराज ने आगे कहा, सनातन धर्म में सभी प्राणियों का सम्मान है चाहे वह मनुष्य हो, पशु हो या प्रकृति। यह धर्म विभेद नहीं सिखाता, बल्कि एकता और सद्भाव का संदेश देता है। आज के समय में जब मजहबों के नाम पर विभाजन हो रहा है, तब सनातन धर्म ही वह प्रकाश है जो सबको एक सूत्र में बांधता है। उनके संबोधन में रामचरितमानस की चौपाइयों और दोहों का उद्धरण था, जो श्रोताओं को गहराई से प्रभावित कर गया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति की रक्षा करें और राम भक्ति में लीन रहें। संबोधन के दौरान सभा में सन्नाटा छाया रहा, और अंत में तालियों की गडगड़ाहट से पंडाल गूंज उठा। यह 30 दिवसीय अखंड रामचरितमानस पाठ एकल अभियान संच लांजी के लिए एक बड़ी उपलब्धि रहा। अभियान के संयोजकों ने बताया कि इस पाठ में प्रतिदिन सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया, और इसका उद्देश्य राम कथा के माध्यम से नैतिक मूल्यों को प्रसारित करना था। कार्यक्रम में स्थानीय नेता, समाजसेवी, महिलाएं, बच्चे और वृद्ध सभी उपस्थित थे। समापन पर सामूहिक भारत माता की आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

व्यापारी संघ लांजी के तत्वावधान में महाप्रसाद का आयोजन

कोटेश्वर धाम में 30 दिवसीय श्री अखण्ड रामचरित मानस पाठ के समापन के पश्चात 10 अगस्त को व्यापारी संघ लांजी के द्वारा विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। संघ के अध्यक्ष गौरीशंकर सातपुते सहित समस्त पदाधिकारी गण एवं व्यापारी बंधुओ का इस आयोजन में सहयोग रहा। संघ के द्वारा कोटेश्वर महादेव एवं गौमाताओं को भोग लगाकर दोपहर 1 बजे महाप्रसाद प्रारंभ किया गया। इस महाप्रसाद को ग्रहण करने बड़ी सख्या में दर्शनार्थी एवं भक्त गण पंहुचे जिन्होने प्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया।

संच के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने किया आभार व्यक्त

एकल अभियान संच के बैनर तले उक्त संपूर्ण आयोजन के बारे में संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने जानकारी देते हुये बताया कि कैसे इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनी और कैसे लोग जुड़ते गये और कारवां आगे बढ़ता रहा। आपने लोगों को यह भी जानकारी दी की इस एकल अभियान संच की जनक लांजी की पावन धरा है। कारंजा से बालभाऊ देवरस जी के द्वारा यह नाम दिया गया था जो कि आज पूरे भारत वर्ष में कार्यरत है। आपने इस आयोजन में लांजी क्षेत्र की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था बोलबम सेवा समिति, शारदा महिला मण्डल, माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति, सादर मित्र मण्डल, नगर परिषद लांजी, पुलिस प्रशासन लांजी, बालाघाट, वन विभाग लांजी, समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं अमला, सहित संच के समस्त पदाधिकारी गण इस सपूर्ण आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हर प्रकार से सहयोग प्रदान करने वाले समस्त जनों को मंच के माध्यम से आभार व्यक्त किया गया। सभी रामायण पाठ करने वालो का विशेष धन्यवाद प्रेषित किया गया क्योंकि यही लोग थे जिनके कारण यह 30 दिवसीय अद्भ्रुत आयोजन सफलता के साथ समाप्त हुआ।

टेमनी में राजपूत समाज ने धूमधाम से मनाया भुजलिया पर्व

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टेमनी में 10 अगस्त 2025 को राजपूत समाज द्वारा भुजलिया पर्व का आयोजन बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। यह पर्व राजपूत समाज की सांस्कृतिक परंपराओं और आस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे ग्रामवासियों ने मिलजुल कर हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर ग्राम में उत्सवी माहौल रहा, और सभी वर्गों के लोग इस पर्व में शामिल हुए।

पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ शुरू हुआ उत्सव

भुजलिया पर्व के दिन सुबह से ही ग्राम टेमनी में उत्साह का माहौल था। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर अपने हाथों में भुजलिया की टोकनियां रखीं और बाजे-गाजे के साथ उत्सवी जुलूस निकाला। यह जुलूस गांव के प्रमुख मार्गों से होता हुआ स्थानीय देवी मंदिर पहुंचा। वहां पर समाजजनों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजन-अर्चन किया। इस दौरान आल्हा पाठ का आयोजन भी किया गया, जो इस पर्व का एक विशेष आकर्षण रहा। आल्हा पाठ के माध्यम से समाज की वीरता और सांस्कृतिक धरोहर को याद किया गया।

विसर्जन के साथ पूर्ण हुआ अनुष्ठान

देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात, जुलूस ग्राम का भ्रमण करते हुए मरार माली भवन के सामने स्थित नहर पर पहुंचा। वहां पर विधि-विधान के साथ भुजलियों का पूजन और आरती की गई। इसके बाद भुजलियों को नहर में विसर्जित किया गया, जो इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अनुष्ठान में शामिल होने के लिए ग्रामवासियों की भारी भीड़ उमड़ी, और सभी ने इस पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस अवसर पर ग्राम के कई गणमान्य व्यक्ति और समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। पूर्व सरपंच लक्ष्मण कावरे, उपसरपंच अशोक सिंह चंदेल, राजपूत समाज के अध्यक्ष पप्पू चंदेल, बीझवार समाज अध्यक्ष दिनेश घोरमारे, अरविंद पंचाले सहित समस्त ग्रामवासियों ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी उपस्थिति ने इस पर्व को और भी भव्य और गरिमामय बना दिया।

क्षेत्र में कजलियां पर्व की धूम, शोभायात्रा के साथ भुजलियों का किया विसर्जन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं का प्रतीक कजलियां पर्व 10 अगस्त, 2025 को लांजी क्षेत्र में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन के अगले दिन मनाए जाने वाले इस पर्व को परिवार की सुख-समृद्धि और आपसी प्रेम का प्रतीक माना जाता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इस पर्व की रौनक देखते ही बनती थी, जहां महिलाओं ने परंपरागत रूप से भुजलियों की पूजा-अर्चना की और नदियों व तालाबों में उनका विसर्जन किया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से एक-दूसरे को भुजलियां भेंटकर सुख, समृद्धि और मंगल कामना की गई।

परंपरानुसार उत्सव की शुरुआत

कजलियां पर्व का आयोजन लांजी क्षेत्र में प्राचीन परंपराओं के अनुरूप किया गया। इस दिन सुबह से ही घर-घर में भुजलियों की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने भुजलियों को सजाकर और उनकी पूजा-अर्चना कर इस पर्व को उत्साह के साथ मनाया। ग्रामीण अंचलों में विशेष रूप से महिलाएं सामूहिक रूप से नदी और तालाब किनारे एकत्र हुईं, जहां उन्होंने भुजलियों का विसर्जन किया। इस दौरान परंपरागत गीतों और नृत्यों ने समारोह में चार चांद लगा दिए।

शोभायात्रा ने बिखेरी रौनक

लांजी नगर में इस वर्ष भी कजलियां पर्व के अवसर पर ढीमर और कहार समाज की महिलाओं ने मिलकर एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया। यह शोभायात्रा डीजे की धुनों और रंग-बिरंगी लाइटिंग के साथ और भी आकर्षक बन गई। शोभायात्रा की शुरुआत मां लंजकाई मंदिर से हुई, जहां महिलाओं ने भुजलियों की टोकरियों को मंदिर के सामने रखकर विधिवत पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद महिलाएं भुजलियों की टोकरियों के चारों ओर गोल घूमीं और फिर शोभायात्रा शुरू की। शोभायात्रा में शामिल महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी थीं और उनके उत्साह ने पूरे नगर में उत्सव का माहौल बना दिया। शोभायात्रा बस स्टैंड से होते हुए गणेशी तालाब पहुंची, जहां आतिशबाजी के बीच भुजलियों का विसर्जन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को भुजलियां भेंट कीं और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में यह आयोजन संपन्न हुआ।

कजलियां पर्व का महत्व

कजलियां पर्व भारतीय संस्कृति में परिवार की एकता, सुख-समृद्धि और आपसी प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व खासकर ग्रामीण अंचलों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। भुजलियां, जो कि गेहूं या अन्य अनाजों से बनी होती हैं, परिवार की समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक मानी जाती हैं। इनका विसर्जन नदियों और तालाबों में करने की परंपरा पर्यावरण के साथ सामंजस्य और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता को दर्शाती है। इस पर्व के माध्यम से सामुदायिक एकता और परंपराओं का निर्वहन भी होता है।

सामुदायिक एकता का प्रतीक

लांजी में कजलियां पर्व का आयोजन सामुदायिक एकता और परंपराओं के प्रति सम्मान का जीवंत उदाहरण है। ढीमर और कहार समाज की महिलाओं ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोभायात्रा में शामिल सभी महिलाओं और स्थानीय लोगों ने इस पर्व को उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाकर अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा। इस अवसर पर न केवल परंपराओं का पालन हुआ, बल्कि सामाजिक समरसता और एकता का संदेश भी प्रसारित हुआ।

आदिवासी समाज ने भव्य रैली व मंचीय कार्यक्रम आयोजित कर मनाया विश्व आदिवासी दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर 9 अगस्त को क्षेत्र के समस्त आदिवासी समाज गोंडवाना सामुदायिक भवन लांजी में एकत्रित होकर धूमधाम से आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष ललिता संजय धारने, कार्यक्रम उपाध्यक्ष राजकुमारी अमोलसिंह धुर्वे और समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा आदिवासी समाज के महापुरुषों का आदिवासी रीति रिवाज के माध्यम से गोंगो (पूजन) किया गया। इसके पश्चात भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आदिवासी समाज की मातृशक्तियों ने आगे आकर संवैधानिक रैली की कमान संभाली जो बस स्टैंड सुभाष चौक पहुंची। जहां सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा

पर माल्यार्पण कर सभी आदिवासियों द्वारा रेला पाटा सांस्कृतिक नृत्य किया गया साथ में मोहगांव (बिरसा) से आए हुए सांस्कृतिक नृत्यकला में पारंगत आदिवासियों द्वारा सैला नृत्य किया गया जो आकर्षण का केंद्र बना। संजीव वाघाड़े द्वारा समाज में शांति सदभावना व जागरूकता का संदेश देकर पुलिस प्रशासन व नगर परिषद के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया गया। इसके पश्चात रैली गुजरी चौक होते हुए रानी अवंतीबाई स्टेडियम की ओर पहुंची। तत्पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष व उपाध्यक्ष द्वारा रानी अवंतीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत आयोजक आदिवासी समाज लांजी की टीम द्वारा अतिथिगणों का स्वागत पीले चावल व पीला गमछा पहनाकर किया गया। इसके पश्चात वक्ताओं द्वारा मंचीय उदबोधन दिया गया। जिसमें आदिवासी समाज की शिक्षा, प्रकृति संरक्षण, संवैधानिक अधिकारों, पांचवी एवं छटवीं अनुसूची, पेसा एक्ट आदि विषयों पर विचार रखते हुए समाज को एकजुटता के सूत्र में बंधे रहने का संदेश दिया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया। जो कि आदिवासियों की संस्कृति, वेशभूषा, भाषा शैली, गीत - नृत्य, आदिवासी तिहार से संबंधित हैं। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह अंतर्गत कक्षा 5वीं 8वीं 10वीं एवं बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले आदिवासी छात्र - छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज में अतुल्य योगदान शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, संस्कृति, सामाजिक, खेल, गायन, नृत्य के लिए भी सामाजिक बंधुओं को आदिवासी समाज लांजी द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यक्रम समापन के पश्चात महामहिम राष्ट्रपति एवं महामहिम राज्यपाल मध्यप्रदेश के नाम विभिन्न मांगों को लेकर व माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम बालाघाट जिले के वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा मनमानी तरीके से भोले - भाले आदिवासियों और आदिवासी वर्ग के छोटे कर्मचारियों पर जानबूझकर जातिगत भेदभावपूर्ण कार्यवाही करके उन्हें फंसाने संबंधी ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी को सौंपा गया। उक्त कार्यक्रम के संयोजक गोंड समाज, माना समाज, गोवारी समाज, बिंझवार समाज, हलबा समाज, बैगा समाज, नगारची समाज, धुलिया समाज, परधान समाज, सोनझरिया समाज, कंडरा समाज, ओझा समाज एवं समस्त आदिवासी समाज लांझीगढ़ द्वारा आयोजन किया गया।

स्कूल में अब छुट्टी लेना पड़ेगा भारी

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य

भोपाल। सीबीएसई ने ग्वालियर समेत देशभर के सभी संबद्ध स्कूलों को बोर्ड परीक्षा 2025-26 में शामिल होने के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। 25 प्रतिशत तक की छूट सिर्फ गंभीर परिस्थितियों जैसे लंबे समय की बीमारी, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भागीदारी, या अन्य गंभीर कारण पर, जरूरी दस्तावेजों के आधार पर दी जाएगी। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम छात्रों में नियमितता और अनुशासन लाने में मदद करेगा। साथ ही, बीमारियों या अन्य गंभीर परिस्थितियों में समय पर प्रमाणपत्र देना छात्रों के हित में होगा। स्कूलों को दिए गए निर्देश सीबीएसई ने सभी स्कूलों से कहा है कि सत्र की शुरुआत में ही छात्रों और अभिभावकों को उपस्थिति नियम स्पष्ट कर दिए जाएं। बिना लिखित आवेदन के ली गई छुट्टी को अनधिकृत अनुपस्थिति माना जाएगा।

छात्र को परीक्षा में बैठने से रोका जा सकता है

मेडिकल कारण से अनुपस्थिति होने पर तुरंत आवेदन और मान्यता प्राप्त सरकारी डॉक्टर का प्रमाणपत्र जमा करना होगा। रिकॉर्ड और निगरानी स्कूलों को रोजाना उपस्थिति रजिस्टर अपडेट करना होगा, जिसे क्लास टीचर और सक्षम प्राधिकारी हस्ताक्षरित करेंगे। ये रजिस्टर सीबीएसई निरीक्षण के लिए हर समय उपलब्ध रहने चाहिए। यदि निरीक्षण में पाया गया कि छात्र नियमित नहीं आ रहे या रिकॉर्ड अधूरे हैं, तो छात्र को परीक्षा में बैठने से रोका जा सकता है।

माता-पिता से संवाद

यदि छात्र की उपस्थिति कम है तो स्कूल को रजिस्टर्ड डाक, स्पीड पोस्ट या ईमेल के जरिए अभिभावकों को लिखित सूचना देनी होगी। सभी पत्राचार का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना अनिवार्य है। सख्ती और समय सीमा सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि एक जनवरी तक की उपस्थिति के आधार पर कमी के मामलों को सात जनवरी तक क्षेत्रीय कार्यालय में भेजना होगा। निर्धारित समयसीमा के बाद कोई मामला स्वीकार नहीं होगा। एक बार कमी की रिपोर्ट भेजने के बाद में उपस्थिति पूरी होने का दावा मान्य नहीं होगा। कई निजी और सरकारी सीबीएसई स्कूलों ने इस निर्देश के बाद छात्रों और अभिभावकों को उपस्थिति के नए नियमों की जानकारी देना शुरू कर दिया है। स्कूल प्रशासन का कहना है कि कई बार त्योहार, निजी कारण या लापरवाही से छात्रों की उपस्थिति घट जाती है, जिससे बोर्ड परीक्षा में बैठने का मौका खतरे में पड़ जाता है। इस बार सख्ती से नियम लागू होंगे।

इन आधारों पर मिल सकती है छूट

लंबे समय की गंभीर बीमारी (टीबी, कैंसर, हृदय रोग आदि), राष्ट्रीय,अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भागीदारी, बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक, शैक्षिक प्रतियोगिता, पारिवारिक आपात स्थिति (जैसे निकट संबंधी की मृत्यु), अन्य विशेष परिस्थितियां आदि।

ये देने होंगे दस्तावेज

मान्यता प्राप्त सरकारी डाक्टर का मेडिकल सर्टिफिकेट, खेल, प्रतियोगिता में भागीदारी का आधिकारिक प्रमाणपत्र, पारिवारिक आपात स्थिति का प्रमाण, स्कूल को समय पर लिखित आवेदन और अभिभावक के हस्ताक्षर आदि।

उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों को दिए थे निर्देश

अतिथि विद्वानों को नियुक्ति के लिए एक और मौका

भोपाल। कालेजों का शैक्षणिक सत्र एक जुलाई से शुरू हो गया है, लेकिन प्रदेश के सरकारी कालेजों में सहायक प्राध्यापकों के कई पद रिक्त हैं। इससे पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए अतिथि विद्वान रखकर व्यवस्था बनाई जा रही है।

उच्च शिक्षा विभाग ने जिलों से जानकारी मांगी है कि किस कालेज में विषयवार कितने अतिथि विद्वानों की आवश्यकता है। साथ ही ऐसे अतिथि विद्वान जो एक ही कालेज में एक वर्ष से अधिक समय से अध्यापन कार्य कर रहे हैं, उन्हें स्थल परिवर्तन की सुविधा देने का निर्णय भी लिया गया है।

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी की समय-सारणी

इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने समय-सारणी जारी कर दी है। इसके लिए 12 से 17 अगस्त तक अतिथि विद्वानों को विकल्प भरने का अवसर दिया गया है। इसके लिए उन्हें आवेदन करना होगा। वरीयता के अनुसार 19 अगस्त को कालेज आवंटित किए जाएंगे। इन्हें 22 अगस्त तक कार्यभार ग्रहण करना होगा। कालेज को कार्यभार ग्रहण कर चुके अतिथि विद्वानों की 23 अगस्त तक पोर्टल पर ज्वाइनिंग दर्ज करनी पड़ेगी। बता दें कि प्रदेश के कालेजों में 4500 अतिथि विद्वान पदस्थ हैं।

अस्थायी होगी अतिथि विद्वानों की नियुक्ति

अतिथि विद्वानों की नियुक्ति अस्थायी होगी वर्तमान में कालेजों में सहायक प्राध्यापकों के पदों पर भर्ती प्रक्रिया भी चल रही है। अगर अतिथि विद्वानों की ज्वाइनिंग के बाद भी किसी पद पर भर्ती होती है तो उन्हें वहां से हटना होगा। अतिथि विद्वानों की यह नियुक्तियां नियमित फैकल्टी के रिक्त पदों पर अस्थायी रूप से की जाएंगी।

वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर के लिए सुप्रीम कोर्ट की परमिशन अनिवार्य

जबलपुर-उज्जैन में बनना प्रस्तावित है; सीएम ने की थी घोषणा

भोपाल। मध्यप्रदेश के जबलपुर और उज्जैन में प्रस्तावित जू और रेस्क्यू सेंटर अब तभी खोले जा सकेंगे जब सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिल जाएगी। इसकी वजह यह है कि वन विभाग इन सेंटरों को वन क्षेत्र में स्थापित करने की योजना बना रहा है। चूंकि वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार का पक्का निर्माण सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता, इसलिए रेस्क्यू सेंटर खोलने से पहले कोर्ट की मंजूरी जरूरी होगी। हालांकि, अगर यह केंद्र राजस्व भूमि पर खोले जाते हैं तो सुप्रीम कोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगभग छह महीने पहले जबलपुर और उज्जैन में जू और रेस्क्यू सेंटर खोलने की घोषणा की थी। इसके बाद वन विभाग की टीम ने गुजरात के जामनगर स्थित अंबानी ग्रुप के जू और रेस्क्यू सेंटर का निरीक्षण किया था। स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी इस केंद्र का दौरा कर चुके हैं।

उज्जैन के लिए डीपीआर तैयार

वन विभाग ने उज्जैन में जू सह रेस्क्यू सेंटर स्थापित करने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली है। जबलपुर के लिए डीपीआर अभी तैयार की जानी बाकी है। उज्जैन के प्रस्ताव को केंद्र सरकार के चिड़ियाघर प्राधिकरण को भेजा गया है, जहां से सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त हो चुकी है वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जू सह रेस्क्यू सेंटर में कई पक्के निर्माण कार्य होते हैं, इसलिए इसे वानिकी गतिविधि के रूप में मान्यता दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति आवश्यक है। इसी क्रम में उज्जैन के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन में यह बताया जाएगा कि वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए जू सह रेस्क्यू सेंटर बनाना वन्यजीव हितैषी और वानिकी गतिविधि के तहत आता है। इसके बाद जबलपुर के लिए भी इसी प्रकार की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट की रोक के कारण जरूरी है अनुमति

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के पक्के निर्माण पर रोक लगा रखी है। इस कारण बिना कोर्ट की अनुमति के कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। अगर यही रेस्क्यू सेंटर राजस्व भूमि पर बनाए जाएं, तो सुप्रीम कोर्ट की अनुमति की आवश्यकता नहीं होती।

भाजपा जिला कार्यकारिणी के गठन की कवायद शुरू

आम सहमति से होगा कार्यकर्ताओं का चयन

भोपाल। मप्र में भाजपा जिला कार्यकारिणी गठन की कवायद शुरू हो गई है। जिसको लेकर नेताओं ने लॉबिंग शुरू कर दी है। जिलों की कार्यकारिणी में अधिकांश नए चेहरों को जगह दी जाएगी। पार्टी की कोशिश है कि आम सहमति से कार्यकर्ताओं का चयन किया जाए। इसके लिए दो-दो पदाधिकारी जिलों में भेजे जाएंगे। इस संदर्भ में चर्चा के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय भोपाल में प्रदेश व संभाग प्रभारियों बैठक बुलाई गई थी। बैठक को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने संबोधित किया। बैठक में हर घर तिरंगा अभियान पर भी चर्चा की गई।

गौरतलब है कि भाजपा जिलाध्यक्षों के पांच माह पहले ही चुनाव संपन्न करा दिए गए, लेकिन अब तक जिला कार्यकारिणी का गठन नहीं किया जा सका है। ऐसे में अब प्रदेश व संभाग के दो-दो पदाधिकारी जिलों में भेजकर जिला कार्यकारिणी का गठन कराया जाएगा। ये वरिष्ठ पदाधिकारी जिला कार्यकारिणी गठन के लिए कार्यकर्ताओं का चयन कराएंगे। खंडेलवाल ने कहा कि जिला कार्यकारिणी का गठन जल्द से जल्द पूरा करें। इसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिला कार्यकारिणी गठन के लिए दो-दो पदाधिकारी जिलों में जाकर कार्यकारिणी गठन के लिए आम सहमति बनाएंगे, जिससे निर्विरोध कार्यकारिणी का गठन किया जा सके। कार्यकारिणी में एक प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी होगा और एक अन्य पदाधिकारी संभाग का होगा। इन दो पदाधिकारियों को दो जिलों की कमान सौंपी जाएगी।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया है, हम

इसे अभियान के रूप में ले और आमजन को स्वदेशी उत्पाद खरीदने के लिए प्रेरित करें। यह सुनिश्चित हो कि तिरंगा यात्रा के लिए खादी से बना तिरंगा ही खरीदे। इसके अलावा खंडेलवाल ने मीडिया विभाग, आईटी विभाग और इंटरनेट विभाग के अध्यक्षों के साथ वन-टू-वन बात की।

10 से 1शुरू होगा हर घर तिरंगा अभियान

- बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी रूपरेखा तैयार की गई। प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि भाजपा हर तिरंगा यात्रा निकालेगी। 10 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रदेशभर में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। 10 अगस्त से 14 अगस्त तक मंडल स्तर पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में आम जनता और विभिन्न संगठनों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। 12 से 14 अगस्त तक प्रदेश भर में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों, युद्ध स्मारकों और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया जाए। 13 से 15 अगस्त तक प्रदेश के सभी घरों, प्रतिष्ठानों पर आम नागरिक और पार्टी कार्यकर्ता तिरंगा लहराएं एवं 15 अगस्त को झंडा फहराने के बाद शाम को सम्मानपूर्वक उतारना भी कार्यकर्ता सुनिश्चित करें। स्वच्छता अभियान के बाद पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ युद्धवीरों, शहीदों और देश की सेवा में प्राण न्यौछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के घर पहुंचकर परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। खंडेलवाल ने कहा कि 14 अगस्त को भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मौन जुलूस निकालने के साथ प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सभी जिलों में मौन जुलूस निकाला जाएगा। बैठकों का आयोजन कर देश के विभाजन के समय पीड़ितों के परिजनों से भेंट करने के साथ प्रदर्शनी और अन्य माध्यमों से युवाओं को देश के विभाजन की विभीषिका से अवगत कराया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रदेश भर के सभी घरों में तिरंगा पहुंचे और शान से लहराए, इसके लिए पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता जुटें।

इलेक्शन कमीशन का बड़ा एक्शन

मप्र के 15 राजनैतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग (इलेक्शन कमीशन) का बड़ा एक्शन सामने आया है। इंडियन इलेक्शन कमीशन ने मध्यप्रदेश के 15 और छत्तीसगढ़ के 9 राजनैतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। इलेक्शन कमीशन ने देशभर के 334 दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया है इसमें मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के भी राजनैतिक दल शामिल है।

बता दें कि जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 के तहत राजनैतिक दलों का रजिस्ट्रेशन होता है। 6 साल तक कोई चुनाव नहीं लडने् के रजिस्ट्रेशन रद्द चलते होता है। अब पूरे देश में 6 राष्ट्रीय राजनैतिक दल और 67 रीजनल (क्षेत्रीय) पार्टियां बची हैं।

इन पार्टियों के रजिस्ट्रेशन रद्द

मप्र में जिन 15 राजनैतिक पार्टियों के रजिस्ट्रेशन रद्द हुए हैं उनमें भारतीय जनता भीम पार्टी, स्वर्ण समाज पार्टी, राष्ट्र वाहिनी पार्टी, लोकतांत्रित सरकार पार्टी, क्रांतिकारी किसान सेना, किसान मजदूर प्रज्ञा पार्टी, जन न्याय दल, जनता विकास पार्टी, जय मानवता पार्टी, गोंडवाना मुक्ति पार्टी, गोंडवाना कांग्रेस पार्टी, भारतीय सत्य संघर्ष पार्टी, भारतीय जन जागरूक पार्टी और भारतीय ग्रामीण समाज पार्टी शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में भी विधानसभा चुनाव में हुई वोट चोरी

भोपाल में प्रदेश कांग्रेस करेगी सबूत के साथ खुलासा

भोपाल। फर्जी मतदाताओं के माध्यम से पूरे चुनाव को चोरी कर लेने के लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोप से इस समय राजनीतिक हडकंप मचा हुआ है। इस हडकंप के बीच में अब मध्यप्रदेश में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में किस तरह से वोट की चोरी की गई, इसका खुलासा होने जा रहा है। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 13 अगस्त को भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी गई है।

हाल ही में राहुल गांधी ने कर्नाटक और महाराष्ट्र में पिछला लोकसभा चुनाव जनमत के विरुद्ध काम करते हुए चुनाव आयोग की मदद से भाजपा द्वारा चुराए जाने के आरोप लगाए हैं। यह आरोप खासतौर पर आने वाले दिनों में होने वाले बिहार विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रखते हुए सामने लाए गए हैं। पिछले कुछ दिनों के अंदर राहुल गांधी द्वारा जिस तरह से एक के बाद एक प्रजेंटेशन देते हुए तथ्य सामने रखे गए हैं, उससे राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। इसी बीच कल ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुप्रीमो शरद पवार द्वारा भी इन आरोपों का समर्थन कर दिया गया है। चुनाव में वोट चुराकर सत्ता को हासिल करने का आरोप भाजपा पर लगाया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर गूंज रहे इन मामलों की अगली कड़ी के रूप में बुधवार के दिन मध्यप्रदेश में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में किस तरह से वोटो की चोरी की गई, इसका खुलासा कांग्रेस करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि 13 अगस्त को भोपाल में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पिछले चुनाव में हुई वोटो की चोरी को उजागर किया जाएगा। पटवारी ने यह जानकारी सुबह अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट करते हुए दी। इस ट्वीट में उन्होंने कहा है कि भारत में लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की साजिश करने वालों के कार्यों का खुलासा करना आवश्यक हो गया है। इसी के चलते हुए मध्यप्रदेश में भी यह खुलासा किया जाएगा।

संचालन एवं संधारण में फंसी एकल नल जल योजना

-अब सीएम करेंगे योजनाओं के मेंटेनेंस पर निर्णय

भोपाल। जल जीवन मिशन के तहत मप्र में एकल नल जल योजनाएं उन गांवों के लिए हैं जहां छोटे जल स्त्रोत हैं और जहां स्थानीय स्तर पर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है। राज्य सरकार ने 27,990 गांवों के लिए एकल ग्राम नलजल योजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 15,542 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं। लेकिन सरकार तीन महीने से एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (संचालन एवं संधारण) की जिम्मेदारी सौंपने को लेकर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है। पहले मुख्य सचिव, फिर मंत्री और अब एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस का मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास पहुंच गया है। यानी अब सीएम योजनाओं के मेंटेनेंस पर निर्णय करेंगे।

गौरतलब है कि यह योजना, छोटे गांवों और बस्तियों के लिए है जहां स्थानीय जल स्त्रोतों से पानी की आपूर्ति की जा सकती है। इन योजनाओं में, प्रत्येक घर को एक नल कनेक्शन प्रदान किया जाता है, जिससे उन्हें स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होता है। प्रदेश में जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजनाओं पर सरकार करीब 20 हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है। इसका करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है, लेकिन सरकार तीन महीने से एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (संचालन एवं संधारण) की जिम्मेदारी सौंपने को लेकर अंतिम निर्णय नहीं ले पाई है। पहले मुख्य सचिव, फिर मंत्री और अब एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस का मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास पहुंच गया है।

बैठक में प्रस्तुत की जाएगी पॉलिसी

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए जल्द ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं मुख्य सचिव की बैठक बुलाई है। बैठक में पीएचई विभाग के अधिकारी मुख्यमंत्री के समक्ष एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस के संबंध में तैयार की गई पॉलिसी प्रस्तुत करेंगे। बैठक में पॉलिसी को मुख्यमंत्री की हरी झंडी मिलने के बाद इसे कैबिनेट की बैठक में लाया जाएगा। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रदेश में जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 27 हजार 990 है। नई पॉलिसी के अनुसार एकल नल जल योजनाओं के मेंटेनेंस के लिए पूरे प्रदेश में क्लस्टर बनाए जाएंगे। प्रत्येक क्लस्टर में 100 गांवों को शामिल किया जाएगा। इस तरह एकल नल जल योजनाओं के मेंटेनेंस के लिए कुल 280 क्लस्टर बनाए जाएंगे। क्लस्टर में शामिल सभी 100 गांवों में एकल नल जल योजनाओं का मेंटेनेंस का कार्य एक एजेंसी को सौंपा जाएगा। किसी गांव से पानी सप्लाई में दिक्कत या पंप में तकनीकी खराबी संबंधी कोई भी शिकायत आती है, तो उसके निराकरण की पूरी जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी की होगी। एजेंसी को तय समयावधि में शिकायत का निराकरण कर इसकी जानकारी विभाग के संबंधित अधिकारी को ऑनलाइन देना होगी। प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। दिसंबर, 2025 तक एकल नल जल योजनाओं का काम पूरा करने का लक्ष्य तय है। प्रदेश में समूह नल जल योजनाओं की संख्या 147 है। इनमें 23 हजार से ज्यादा गांव शामिल हैं। मार्च, 2027 तक इनका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में बुरहानपुर और निवाड़ी हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हो चुके हैं। इन दोनों जिलों के हर घर में नल से पानी की सप्लाई की जा रही है।

मेंटेनेंस पर सालाना एक हजार करोड़ खर्च

विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पूर्व के अनुभव के आधार पर यदि जल जीवन मिशन के उद्देश्य को लॉन्ग टर्म में सफलतापूर्वक पूरा करना है, तो एकल नल जल योजनाओं का मेंटेनेंस नई पॉलिसी के अनुसार करना जरूरी है। एकल नल जल योजनाओं के मेंटेनेंस पर सालाना करीब एक हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। यह राशि राज्य सरकार वहन करेगी। जानकारी के अनुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की मंशा है कि एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी पूरी तरह से ग्राम पंचायतों को सौंपी जाए, जबकि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एजेंसीज को हायर कर उन्हें एकल नल जल योजनाओं के मेंटेनेंस का काम सौंपने की बात कह रहा है। विभाग का कहना है कि भले ही योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों को सौंपा जाए, पर मेंटेनेंस का काम नहीं। मई में मुख्य सचिव अनुराग जैन पंचायत एवं ग्रामीण विकास और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिवों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर लंबी चर्चा कर चुके हैं, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। फिर तय हुआ की दोनों विभागों के मंत्रियों की संयुक्त बैठक कर उनके समक्ष मामले को रखा जाए, लेकिन बैठक नहीं हो पाई। अब मामला मुख्यमंत्री के पास पहुंच गया है। पीएचई विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जल जीवन मिशन की पॉलिसी में स्पष्ट प्रावधान है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद समूह नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी 10 साल तक संबंधित ठेकेदार की होगी, लेकिन एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण को लेकर पॉलिसी में कोई प्रावधान नहीं है। इसे देखते हुए पीएचई विभाग ने नई पॉलिसी तैयार की है।

मप्र में टाइगर्स पर बड़ा संकट

बाघों की तादाद बढ़ रही पर जंगल हो रहे छोटे

भोपाल। मप्र देश भर में टाइगर और तेंदुआ स्टेट के बाद अब चीता स्टेट की भी पहचान बना चुका है, लेकिन मप्र में टाइगर और चीता के घर पर अब खतरा मंडराने लगा है। दरअसल, लकड़ी तस्कर टाइगर रिजर्व के बफर जोन में भी घुसकर जमकर वनों की कटाई कर रहे हैं।

मप्र में पिछले पांच सालों के दौरान वन विभाग ने 1 लाख 68 हजार से ज्यादा अवैध वनों की कटाई के प्रकरण दर्ज किए हैं। वन्य जीव विशेषज्ञों ने प्रदेश में वनों की कटाई की यह स्थिति प्रदेश के पर्यावरण और वन्य प्राणियों के लिए बेहद चिंताजनक बताई है।

बाघों के घरों में कट रहे जंगल

मप्र के जंगलों में अवैध कटाई के यह आंकड़े सरकार ने ही विधानसभा सत्र के दौरान पेश किए हैं। एक सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि प्रदेश के टाइगर रिजर्व में भी जंगलों की कटाई हो रही है। मप्र का कान्हा नेशनल पार्क बालाघाट और मंडल जिले में फैला हुआ है लेकिन इन दौनों ही जिलों में पिछले 5 सालों के दौरान वनों की जमकर अवैध कटाई के मामले भी सामने आए हैं। अवैध कटाई के मामले में यहां पिछले पांच सालों में रिकॉर्ड कटाई हुई है।

टाइग रिजर्व्स के अंदर वन कटाई

मंडला-बालाघाट के टाइगर रिजर्व के बफर एरिया में 3540 वनों के कटाई के मामले सामने आए हैं। सागर जिले के वीरागंना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पिछले 5 सालों के दौरान 10 हजार 92 मामले के प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। सिवनी के पेंच टाइगर रिजर्व, बरघाट परियोजना मंडल सिवनी क्षेत्रों में पिछले 5 सालों में 4126 मामले वनों की कटाई के सामने आ चुके हैं। मप्र से सटे रायसेन औबेदुल्लागंज के जंगलों में पिछले 5 सालों में 13 हजार

132 मामले सामने आए। प्रदेश के वन क्षेत्रों में हो रही अवैध कटाई को लेकर वन्यजीव विशेषज्ञ चिंतित हो रहे हैं। रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी सुदेश बाघमारे कहते हैं कि एक तरफ हर साल बड़े स्तर पर पौधा रोपण कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ जंगलों में लगे 30 साल-40 साल पुराने पेड़ों को अवैध रूप से काटा जा रहा है, इससे पर्यावरण संतुलन गड़बड़ाएगा, साथ ही वन्यजीवों पर भी संकट आएगा।

देश में बढ़ा पर मप्र में घटा वन क्षेत्र

उधर पिछले 10 सालों के दौरान मप्र में वन क्षेत्र बढने् की बजाए कम हो गया। संसद सत्र के दौरान केन्द्र सरकार ने यह जानकारी दी है। सरकार ने बताया कि इंडियन स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट 2023 के मुताबिक पिछले दस सालों में देश में फॉरेस्ट कवर 16 हजार 630 स्क्रायर किलोमीटर बढ़ा है। हालांकि, दिए गए आंकड़ों से सामने आया कि दस सालों में मप्र में फारेस्ट कवर 448.56 स्क्रायर किलोमीटर कम हुआ है।

गंभीर- गिल के लिए इस डब्ल्यूटीसी चक्र में नासूर बन सकते हैं कुछ सवाल

अगली टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम को तलाशना होगा विजयी संयोजन

नई दिल्ली,एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम इंडिया सीरीज तो नहीं जीत सकी, मगर ड्रॉ कराना भी नवनियुक्त कप्तान के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के रिटायरमेंट के बाद किसी को भी भारतीय टीम से ऐसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी, हालांकि सभी खिलाड़ियों ने एकजुट होकर उम्मीदों के विपरीत प्रदर्शन किया और सीरीज 2-2 से ड्रॉ की। हालांकि इस सीरीज के बाद शुभमन गिल और हेड कोच गौतम गंभीर को सही विजयी संयोजन तलाशना होगा, नहीं तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2027 की साइकिल में उन्हें बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। भारत को अगली टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ अक्टूबर-नवंबर में खेलनी है।

जसप्रीत बुमराह को फ्रेश कैसे रखें?

जसप्रीत बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इस सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए, हालांकि इसके बावजूद मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान उनकी बॉडी लेंग्वेज में थकावट साफ देखने को मिल रही थी। बुमराह तीनों फॉर्मेट में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है। भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं। ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे फ्रेश रखते हैं ये देखने वाली बात होगी।

नंबर-3 पर करुण नायर और सुदर्शन ने नहीं किया अच्छा प्रदर्शन

इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला, मगर दोनों ही खिलाड़ियों ने निराश किया। साई सुदर्शन के बल्ले से 6 पारियों में 23.33 की औसत के साथ 140 रन निकले, वहीं करुण नायर ने 8 पारियों में 25.62 की औसत के साथ 205 रन बनाए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज 1-1 पर अर्धशतक जमाने में कामयाब रहे। करुण नायर के लिए यह करो या मरो जैसी सीरीज थी। 8 साल बाद वह टीम में वापसी कर रहे थे, वहीं उनका उम्र भी एक रौड़ा बन सकती है। वहीं साई सुदर्शन को भारत आगे मौका देने के बारे में सोच सकता है। साई अगर आगे भी परफॉर्म नहीं कर पाते तो गिल-गंभीर को कोई और विकल्प ढूंढना होगा।

अगली सीरीज में स्पिनर कौन होंगे?

रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को उनकी बैटिंग स्किल की वजह से इंग्लैंड दौरे पर मौका मिला, मगर भारत को वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ घर पर सीरीज खेलनी है। ऐसे में टीम अगर कम बैटिंग ऑप्शन के साथ जाए तो भी चल सकता है। कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे पर मौका नहीं दिया गया, वहीं जब मैच घर पर होंगे तो अक्षर पटेल का नाम भी टीम में जरूर होगा। भारत ज्यादा से ज्यादा तीन स्पिनर को मौका दे सकता है। अब देखना होगा कि गिल-गंभीर किनका चयन करते हैं।

पेस बॉलर ऑलराउंडर कौन होगा?

इंग्लैंड दौरे पर नीतीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर दोनों का प्रदर्शन फीका रहा, ऐसे में गिल-गंभीर के लिए सिरदर्दी यह हो गई है कि आगामी टेस्ट सीरीज में किसे मौका दें। पेस बॉलिंग ऑलराउंडर से तेज गेंदबाजों को रेस्ट करने का समय मिलता है। वहीं यह दोनों बैटिंग करने में भी सक्षम है। ऐसे समय में भारतीय फैंस को हार्दिक पांड्या की याद जरूर सताती है क्योंकि जब तक वह थे तब तक ऐसे कोई सवाल वह खड़े नहीं होने देते थे।

सिराज दोहरा पाएंगे अपना प्रदर्शन?

जब-जब जसप्रीत बुमराह नहीं रहे मो. सिराज ने बॉलिंग अटैक को लीड करते हुए शानदार प्रदर्शन किया, मगर सवाल यह है कि जब बुमराह वापस आएंगे तो क्या सिराज इस प्रदर्शन को फिर से दोहरा पाएंगे। सिराज की गिनती अब युवाओं में नहीं बल्कि सीनियर गेंदबाजों में ही होनी चाहिए। अब उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी होगी और बुमराह-शमी जैसे गेंदबाजों के होने के बावजूद लगातार परफॉर्म करना होगा।

टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी में जुटा ऑस्ट्रेलिया

- मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड होंगें ओपनर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और टूर्नामेंट में अभी छह महीने से अधिक का समय बाकी है। यह महाकुंभ फरवरी में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस बड़े आईसीसी इवेंट को लेकर सभी टीमों ने तैयारी तेज कर दी है, वहीं ऑस्ट्रेलिया भी अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है। टी20 विश्व कप इतिहास में सिर्फ एक बार खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार नए संयोजन के साथ उतरने की तैयारी में है।

डेविड वॉर्नर के पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने के बाद से टीम ने कई खिलाड़ियों को ओपनिंग पोजीशन पर आजमाया है। मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल, जेक फ्रेजर-मैकगर्क जैसे नामों ने मौका पाया, लेकिन कप्तान मिचेल मार्श ने अब स्पष्ट कर दिया है कि विश्व कप में वह खुद ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। मार्श ने कहा, आने वाले समय में मैं और हेडी शुरुआत करेंगे। हमने साथ में काफी खेला है और हमारा रिश्ता बेहतरीन है, इसलिए शुरुआत वहीं से होगी। दिलचस्प बात यह है कि हेड ने पिछले 11 महीनों से कोई टी20 इंटरनेशनल नहीं खेला है, लेकिन वनडे और आईपीएल में उनका प्रदर्शन ओपनर के रूप में शानदार रहा है। इससे पहले वनडे में मार्श और हेड की जोड़ी पांच पारियों में 70.50 की औसत से 282 रन बना चुकी है। आईपीएल 2025 में मार्श ने ओपनिंग करते हुए 13 पारियों में 627 रन ठोके थे, जबकि हेड ने 162 की स्ट्राइक रेट से 374 रन बनाए थे। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि दोनों मिलकर पावरप्ले में विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बना सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की इस नई ओपनिंग जोड़ी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में पहली बार आजमाया जाएगा। 10 अगस्त से शुरू हो रही इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो चुका है। टीम में कप्तान मिचेल मार्श के अलावा सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा शामिल हैं। यह सीरीज विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है, जहां ऑस्ट्रेलिया अपनी अंतिम टीम संरचना को परखना चाहेगा।

क्रिकेटर आवेश परिवार सहित अजमेर शरीफ पहुंचे

अजमेर। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज आवेश खान अपने परिवार के साथ अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचे हैं। यहां उन्होंने सूफी संत हजरत ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में हाजिरी देकर अकीदत की चादर पेश की। इस अवसर पर उन्होंने दरगाह के झालरा लंगरखाना में आम और खास जायरीनों को अपने हाथों से लंगर भी परोसा। आवेश ने खादिम को अपनी ओर से एक क्रिकेट बल्ला भी उपहार में दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब भी कोई नया कार्य शुरू करते हैं या कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होता है, तो वह दरगाह जरूर आते हैं। यहां आकर उनको अच्छा लगता है। आवेश खान आईपीएल के इतिहास में सबसे महंगे अनकैप्ड प्लेयर होने का रिकॉर्ड रखते है। जिन्हें आईपीएल 2022 में लखनऊ की टीम में 10 करोड़ रुपये में ख़रीदा गया था। आवेश खान 2023 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेले है और अभी लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में शामिल है। आवेश ने साल 2022 में भारतीय टीम के लिए टी-20 और एकदिवसीय में डेब्यू किया था।

वॉन बोले अभी सचिन से बेहतर नहीं हुए हैं रुट

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने हाल ही भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में शानदार बल्लेबाजी करते हुए कई अहम रिकार्ड अपने नाम किये हैं। जिसके बाद से ही दावा किया जा रहा है कि वह भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अच्छे हैं और सबसे अधिक रनों का तेंदुलकर का रिकार्ड भी वह तोड़ सकते हैं। अभी वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इसी को लेकर जब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से पूछा गया कि क्या रुट सचिन से बेहतर हैं तो वॉन ने कहा कि अभी नहीं। उन्होंने कहा कि रूट ने अभी तक 158 टेस्ट मैच खेले हैं। अगर बात सचिन के 200 में से पहले 158 टेस्ट मैचों की करें तो, रूट कई मामलों में अभी भी भारतीय बल्लेबाज से पीछे हैं। उदाहरण के के लिए 158 टेस्ट के बाद सचिन का औसत 54.75 का था, जबकि रूट का औसल 51.29 का है।

तेंदुलकर के नाम जहां 158 टेस्ट मैचों में 42 शतक थे, वहीं रूट ने अभी तक इतने ही मैचों में 39 शतक लगाये हैं। हाल ही में संपन्न हुई 5 मैच की टेस्ट सीरीज में रूट ने 537 रन बनाये और वह सीरीज में शुभमन गिल के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। इससे वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की दौड़ में लंबी छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट ने इस दौरान राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा अब उनके आगे केवल तेंदुलकर ही हैं।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं सैमसन

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सैमसन का कहना है कि वह वैभव की पारियों को देखकर हैरान हैं। वैभव ने आईपीएल और उसके बाद अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को हैरान किया है। इसी को लेकर ऑफ स्पिनर आर अश्विन से बात करते हुए सैमसन से अपनी पुरानी और वर्तमान समय की यादों के बारे में बताया है। उन्होंने पिछले समय की दो यादगार पारियों को याद किया। इनमें से एक साल 1998 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की लंबी पारी और 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ ब्रायन लारा की नाबाद 400 रन की पारी। वहीं जब बात वर्तमान समय की की गयी तो सैमसन ने वैभव का नाम लेते हुए कहा, वह वैभव नाम का उभरता खिलाड़ी जो राजस्थान रॉयल्स के लिए मैदान पर हर तरफ धूम मचा रहा है।

एशिया कप में पाकिस्तान-भारत के बीच मुकाबले पर...औपचारिक गारंटी नहीं दे सकता

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकी हमले के बाद से तनाव बढ़ा हुआ है। भारत ने निर्दोष लोगों की जान का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान को सबक सिखाया है। दोनों के बीच छिड़े युद्ध पर भले ही विराम लग गया हो लेकिन रिश्ते अभी भी गर्त पर है। हाल में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लीग और फिर सेमी मुकाबले से भारतीय टीम ने पाकिस्तान के साथ खेलने से मना किया। अब एशिया कप में दोनों टीमों के बीच होने वाले मुकाबले पर सवाल उठ रहे हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दो मैच रद्द कर दिए गए क्योंकि भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना किया। इसी तरह, आगामी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का भविष्य भी अनिश्चित है। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होना है। संभावना है कि दोनों टीमें सुपर 4 और फाइनल में भी आमने-सामने हो सकती हैं।

टूर्नामेंट शुरू होने में एक माह से भी कम समय बचा है और एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुब्हान अहमद ने सुझाव दिया है कि एशिया कप में दोनों टीमों का एक-दूसरे से न खेलना लगभग असंभव है। सुब्हान अहमद ने कहा, ड्डहालांकि मैं औपचारिक गारंटी नहीं दे सकता लेकिन पाकिस्तान और भारत ना खेलें ऐसा कोई जोखिम नहीं दिख रहा। एशिया कप की तुलना निजी टूर्नामेंट जैसे वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से नहीं की जा सकती, जहां भारत ने लीग स्टेज और सेमी-फाइनल दोनों में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था।

दुबई और अबू धाबी को 2025 पुरुषों के टी20 एशिया कप के आधिकारिक मेजबान शहरों के रूप में पुष्टि की गई है। टूर्नामेंट का आयोजन 9 से 28 सितंबर तक के बीच होना है। दुबई 11 मैचों की मेजबानी करेगा जिसमें फाइनल भी शामिल है। अबू धाबी आठ मैचों की मेजबानी करेगा।

जो रूट बनाम सचिन तेंदुलकर : 158 टेस्ट में आंकड़े चौंकाने वाले

नई दिल्ली । इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट इन दिनों टेस्ट क्रिकेट में ऐसा प्रदर्शन कर रहे हैं कि उन्हें सचिन तेंदुलकर का सर्वाधिक रन बनाने वाला वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हाल ही में संपन्न भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में रूट ने तीन शतक जड़े और कुल 537 रन बनाकर तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। इस दौरान उन्होंने रिकी पोंटिंग, जैक कैलिस और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अब उनके आगे सिर्फ 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में 15,921 रन बनाए थे, जबकि रूट के खाते में फिलहाल 13,543 रन हैं। दोनों के बीच अब सिर्फ 2,378 रनों का फासला बाकी है। रूट ने यह उपलब्धि 158 टेस्ट में हासिल की है, जबकि सचिन ने अपने करियर में 200 टेस्ट खेले थे। दिलचस्प बात यह है कि 158 टेस्ट मैचों के बाद रूट के कई आंकड़े सचिन से बेहतर हैं। 158 टेस्ट में सचिन को जहां 259 पारियों में बल्लेबाजी का मौका मिला था, वहीं रूट अब तक 288 पारियां खेल चुके हैं, यानी उन्होंने 29 पारियां ज्यादा खेली हैं। रन के मामले में भी रूट सचिन से आगे हैं 158 टेस्ट के बाद सचिन के खाते में 12,702 रन थे, जबकि रूट पहले ही 13,543 रन बना चुके हैं। शतकों की बात करें तो सचिन 158 टेस्ट तक 42 शतक जड़ चुके थे, जबकि रूट अभी 39 शतक पर हैं। हालांकि, अर्धशतकों में रूट आगे हैं सचिन के 52 के मुकाबले उनके नाम 66 अर्धशतक हैं। औसत में हालांकि रूट अभी पीछे हैं। 158 टेस्ट के बाद सचिन का बल्लेबाजी औसत 54.75 था, जबकि रूट का मौजूदा औसत 51.29 है। इसके बावजूद मौजूदा फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले वर्षों में रूट सचिन का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं और टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं।

जिम्बाब्वे का एक भी खिलाड़ी अर्ध्शतक नहीं लगा पाया

हरारे। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मेजबान टीम जिम्बाब्वे के नाम एक ऐसा रिकार्ड जुड़ गया है जो वह भूलना चाहेगी। इस सिरीज में जिम्बाब्वे की टीम को दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा। उसका एक भी बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं लगा पाया और ये 129 साल बाद हुआ है। मेजबान टीम को दोनो ही मुकाबलों में करारी हार झेलनी पड़ी। इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम चारों एक भी पारी में 150 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। दोनो ही मैच में जिम्बाब्वे की टीम का कोई भी बल्लेबाज 50 रन भी नहीं बना पाया। पहले टेस्ट में सीन विलियम्स ने 49 रन बनाये और ये इस सीरीज में जिम्बाब्वे के किसी भी बल्लेबाज का सबसे अधिक स्कोर रहा। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ 6 छठा अवसर है। जब कम से कम दो मैच की टेस्ट सीरीज में किसी टीम का कोई भी बल्लेबाज 50 रन का भी नहीं बना पाया। इससे पहले अंतिम बार साल 1895-96 सत्र में ऐसा हुआ था। उस सय जब दक्षिण अफ्रीका के बार्बरटन हॉलिवेल 41 के स्कोर के साथ इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे।

यहां दूसरे टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की टीम पहली पारी में 125 रन ही बना पायी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र और हेनरी निकलोस के शतकों से 3 विकेट पर ही 601 रन बराकर पारी घोषित कर दी। इसके बाद जिम्बाब्वे की टीम दूसरी पारी में के 117 रन ही बना पाये और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

एशेज तक फिट होने के लिए कंधे की सर्जरी से बचना चाहेंगे क्रिस वोक्स

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज में खेलने के लिए कंधे की सर्जरी कराने के बजाय रिहैबिलिटेशन का रास्ता अपना सकते हैं। वोक्स को भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान कंधे में चोट लगी थी। 36 वर्षीय वोक्स का स्कैन हो चुका है और वे अब रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। उनका मानना है कि अगर चोट बहुत गंभीर नहीं हुई, तो आठ सप्ताह का रिहैब कार्यक्रम उन्हें 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए तैयार कर सकता है। वोक्स ने कहा, मैं रिपोर्ट का इंतजार कर रहा हूं ताकि पता चल सके कि चोट कितनी गंभीर है, लेकिन संभावना है कि मेरे पास सर्जरी और रिहैबिलिटेशन दोनों में से एक विकल्प होगा। मैं जानता हूं कि यह चोट भविष्य में दोबारा परेशान कर सकती है, लेकिन यह एक ऐसा जोखिम है जिसे मैं लेने के लिए तैयार हूं। उन्होंने बताया कि फिजियो और विशेषज्ञों के मुताबिक, सर्जरी कराने पर फिट होने में लगभग तीन से चार महीने लगेंगे, जो एशेज की तैयारियों को प्रभावित करेगा। वहीं, रिहैबिलिटेशन में करीब आठ सप्ताह लगेंगे, जो उनके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। हालांकि, वे अंतिम फैसला रिपोर्ट आने के बाद ही करेंगे। भारत के खिलाफ इंग्लैंड की हालिया टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। मेजबान टीम ने लीड्स में पहला टेस्ट जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन भारत ने एजबेस्टन टेस्ट में शानदार वापसी करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने जीत दर्ज कर सीरीज में 2-1 की बढ़त ली, जबकि मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ रहा। ओवल में भारत ने अंतिम टेस्ट में रोमांचक जीत दर्ज कर सीरीज बराबर कर दी। इस सीरीज में क्रिस वोक्स इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने कुल 181 ओवर डाले, जबकि पूरे सीरीज में उनसे ज्यादा ओवर सिर्फ भारत के मोहम्मद सिराज ने फेंके। यही वजह है कि उनकी फिटनेस इंग्लैंड के लिए एशेज से पहले एक बड़ी चिंता का विषय है, और रिहैब का रास्ता चुनना उनके और टीम दोनों के लिए अहम फैसला साबित हो सकता है।

इंग्लैंड में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाने से करुण निराश

मुम्बई। भारतीय टीम में आठ साल बाद वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश हैं। करुण ने माना है कि वह उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाये। उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर खेले चार मैचों में 25.62 के औसत से 205 रन बनाये हैं। इस दौरान वह केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये। शतक नहीं लगाने पाने से इस क्रिकेटर के चेहरे पर निराशा छायी हुई थी।

करुण ने कहा, ओवल में अपनी शुरुआत के बाद शतक नहीं लगा पाने से मुझे दुख हुआ हालांकि जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो उस कठिन स्थिति में टीम के साथ पहले दिन टिक रहना मेरे लिए काफी महत्वपूर्ण था।

इस बल्लेबाज ने कहा, यह एक उतार-चढ़ाव भरी सीरीज थी और मैंने इस पर काफी विचार किया पर जो हो गया है। उसे भूलकर अगले कुछ महीनों में मुझे क्या करना है, उसपर ध्यान देना भी जरूरी है। यह मेरे ध्यान के स्तर को ऊंचा रखने और यह तय करने के बारे में है कि मैं आगे बढ़ता रहूं और बड़े स्कोर बनाऊं, फिर चाहे मैं किसी भी स्तर पर खेल रहा हूं। करुण को घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन के कारण इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिली थी। वापसी करते हुए वह पहले टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर ही आउट हो गये। वहीं दूसरी पारी में 20 रन बनाए। दूसरे टेस्ट में उन्होंने 31 और 26 रन बनाये। तीसरे टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 40 और दूसरी पारी में 14 रन जोड़े। उन्हें चौथे मैच में जगह नहीं मिली। वहीं अंतिम टेस्ट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा।

पेरिस में लोगन पॉल से भिड़ेंगे जॉन सीना, मुकाबला अक्टूबर में संभव

नई दिल्ली । कनाडा में हुए डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन में जॉन सीना को दर्शकों से जबरदस्त स्वागत मिला। पिछली स्मैकडाउन में हील टर्न के बाद सीना ने समरस्लैम 2025 में पूरी तरह बेबीफेस का रूप ले लिया था। ब्रॉक लेसनर के हमले ने फैंस को उनके लिए और भी चिंतित कर दिया, लेकिन अब वे पहले से अधिक लोकप्रियता के साथ रिंग में लौट चुके हैं। लंबे समय से माना जा रहा था कि क्लैश इन पेरिस में सीना का मुकाबला लेसनर से होगा, हालांकि अब साफ हो गया है कि यह टक्कर अभी नहीं होगी। इस इवेंट में 31 अगस्त को सीना का सामना लोगन पॉल से होगा। स्मैकडाउन में शो के दौरान लोगन पॉल ने सीना को चुनौती दी थी, जिसे उन्होंने तुरंत स्वीकार कर लिया। गौरतलब है कि दोनों पहले टैग टीम पार्टनर रह चुके हैं और मनी इन द बैंक 2025 में कोडी रोड्स और जे उसो के खिलाफ एक साथ लड़े थे। अब सीना, कोडी रोड्स के साथ मिलकर लोगन पॉल और ड्रू मैकइंटायर का सामना स्मैकडाउन में करेंगे।

जॉन सीना और ब्रॉक लेसनर की बहुप्रतीक्षित भिड़ंत पर नजर डालें तो यह मुकाबला अक्टूबर से पहले संभव नहीं है। डब्ल्यूडब्ल्यूई के सितंबर महीने में कोई बड़ा इवेंट तय नहीं है। क्लैश इन पेरिस के बाद अगला मेगा इवेंट 10 अक्टूबर को पर्थ, ऑस्ट्रेलिया में क्राउन ज्वेल के रूप में आयोजित होगा। संभावना है कि सीना और लेसनर का आमना-सामना इसी मंच पर हो सकता है। क्राउन ज्वेल से पहले स्मैकडाउन और उसके बाद रॉ भी ऑस्ट्रेलिया में ही होंगे, जिससे इस मुकाबले के लिए माहौल और अधिक रोमांचक बन जाएगा। ब्रॉक लेसनर ने लंबे समय बाद समरस्लैम 2025 में डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की थी। उन्होंने पिछला मुकाबला समरस्लैम 2023 में कोडी रोड्स के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। रॉयल रंबल 2024 में उनकी वापसी की उम्मीद थी, लेकिन वह उस समय नहीं हो पाई। अब वे पूरी तरह से एक्शन में लौट चुके हैं और क्राउन ज्वेल के बाद उनके वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए मुकाबले में उतरने की संभावना भी जताई जा रही है।

इस तरह, आने वाले महीनों में डब्ल्यूडब्ल्यूई प्रशंसकों को जॉन सीना के दो बड़े और रोमांचक मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। पहले 31 अगस्त को क्लैश इन पेरिस में उनका सामना लोगन पॉल से होगा, जबकि उसके बाद ऑस्ट्रेलिया में क्राउन ज्वेल के मंच पर संभवत: ब्रॉक लेसनर के साथ ऐतिहासिक भिड़ंत हो सकती है। डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स इन मुकाबलों के लिए पहले से ही उत्साहित है और रिंग में एक्शन का स्तर नया मुकाम छूने की उम्मीद है।

रोहित और विराट के लिए अंतिम हो सकता है ऑस्ट्रेलिया दौरा

2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने का सपना टूटना तय

मुम्बई । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली के लिए अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज अंतिम सीरीज हो सकती है। ऐसे में दोने का 2027 एकदिवसीय विश्व कप खेलने का सपना टूटना तय है। इसका कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले संकेत बताये जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो को ही बता दिया गया है कि इनके पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में संन्यास की घोषणा का अवसर है। इस दोनो को ही इस माह के अंत में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलने थी पर ये दौरा रद्द हो गया। ऐसे में अब इनके लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा ही बचा है। इस दौरे में भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। टीम प्रबंधन की 2027 विश्वकप की योजनाओं में ये दोनो शामिल नहीं हैं।

वहीं बीसीसीआई की शर्त के अनुसार अगर विराट और रोहित ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भी एकदिवसीय टीम में बने रहना चाहते हैं तो अक्तूबर के बाद खेली जाने वाले लिस्ट ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में इन्हें भाग लेना होगा। अगर ये ऐसा नहीं करते तो इनके लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा अंतिम होगा। टीम प्रबंधन का मानना है कि अक्टूबर-नवंबर में 2027 में एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा और उस समय तक रोहित और विराट की उम्र करीब 40 साल की हो जाएगी। ऐसे में इनकी जगह युवा क्रिकेटरों को जगह देना अधिक लाभप्रद रहेगा। विराट ने चार जबकि रोहित ने खेले तीन विश्वकप खेले हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया का एकदिवसीय कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय, पर्थ, 19 अक्टूबर

दूसरा एकदिवसीय, एडिलेड, 23 अक्टूबर

तीसरा एकदिवसीय, सिडनी, 25 अक्टूबर।

पीएम ने तीन नई वंदे भारत, मेट्रो समेत कई विकास परियोजनाओं का शुभारम्भ व शिलान्यास किया

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री ने तीन नई वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर का शुभारम्भ भारत, येलो लाईन मेट्रो समेत कई विकाश परियोजनाओं का शुभारम्म व शिलान्यास किया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु से बेलगावी के बीच चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को स्वंय हरी झंडी रवाना किया।जबकि श्री माता वैष्णो देवी कटरा-अमृतसर और अजनी (नागपुर) से पुणे के लिए जाने वाली वंदे भारत सेवाओं की शुरुआत डिजिटल माध्यम से की। इस खास मौके पर मोदी के साथ कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत मुख्यमंत्री सिद्धरमैया,केंद्रीय रेल मंत्रीअश्विनी वैष्णव सहित अन्य लोग गणमान्य हस्तियाँ उपस्थित थे। आपको को बता दें प्रधानमंत्री मोदी जब अपने काफिले के साथ केसी आर रेलवे स्टेशन की ओर बढ़े,तो सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने "मोदी, मोदी" के नारे लगाकर उनका स्वागत किया।मोदी ने भी अपनी कार के अंदर ने उनका हाथ हिलाकर

अभिवादन किया।

इन तीन वंदे भारत सेवाओं के बारे में ई डी आई पी दिलीप कुमार रेलवे ने कहा कि यह नई वंदे भारत ट्रेनें लोगों के बीच कनेक्टिविटी को और भी ज्यादा मजबूत करेंगी और यात्रियों को विश्वस्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी।गौरतलब रहे कि बेंगलुरु से बेलगावी तक चलने वाली यह वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक में संचालित होने वाली 11वी वंदे भारत ट्रेन है। उनके मुताबिक इसके शुरू होने के बाद 611 किलोमीटर की दूरी मात्र 8.5 घंटे में तय की जा सकेगी। यह इन दोनों शहरों के बीच सबसे तेज गति की ट्रेन है,जिससे मौजूदा ट्रेन सेवाओं की तुलना में केएसआर(क्रांतिवीर संगोल्लि रायाण्ण) बेंगलुरु से बेलगावी तक लगभग एक घंटे 20 मिनट और बेलगावी-केएसआर बेंगलुरु तक एक घंटे 40 मिनट की बचत होगी।

उन्होंने कहा कि यह ट्रेन भारत के 'सिलिकॉन सिटी' बेंगलुरु को प्रमुख मेडीकल और इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट के केंद्र बेलगावी से जोड़ती है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक और शैक्षिक अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।यह मार्ग कर्नाटक के समृद्ध गन्ना क्षेत्र और धारवाड़, हुबली,हावेरी,दावणगेरे एवं तुमकुरु जैसे प्रमुख शहरों से होकर गुजरता है।धारवाड़ अपने प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध है,वहीं हुबली एक बेहतर इंडस्ट्रीयल क्षेत्र है,जबकि हावेरी एक उभरता हुआ कृषि केंद्र है और दावणगेरे कपड़ा एवं कृषि के लिए प्रसिद्ध है तथा तुमकुरु एक बढ़ता हुआ औद्योगिक एवं शैक्षिक केंद्र है।

नरेंद्र मोदी बेंगलुरु मेट्रो रेल की बहुप्रतीक्षित 'येलो लाइन' का भी उद्घाटन किया।इससे बेंगलुरु के आईटी केंद्र को जोड़ने वाले कई भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। पीएम ने आरवी रोड (रागीगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो में मुख्यमंत्री,उपमुख्यमंत्री समेत तमाम नेताओं के साथ सवारी भी की और यात्रा के दौरान छात्रों से बातचीत की।अधिकारियों ने बताया कि लगभग 7,160 करोड़ रुपये की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो की द्वितीय चरण की परियोजना के तहत आरवी रोड से बोम्मासंद्रा तक 19 किलो मीटर से अधिक लंबे मार्ग में 16 स्टेशन हैं।'येलो लाइन' के शुरू होने से बेंगलुरु में मेट्रो रेल का परिचालन नेटवर्क 96 किलोमीटर से अधिक हो जाएगा,जो क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि होगी। आप को बता दें स्वंय मोदी नेअपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 9 अगस्त दिन शनिवार को लिखा था, ,10 अगस्त को बेंगलुरु के लोगों के बीच आने का इंतज़ार रहेगा। प्रधानमंत्री शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

एक ही पते पर शर्मा, वर्मा, अब्दुल और कुरैशी बैठे हैं, क्या यह मुमकिन है ?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक ही पते पर शर्मा, वर्मा, अब्दुल और कुरैशी बैठे हैं, क्या यह मुमकिन है तेजस्वी यादव के खुद के दो अलग-अलग जगहों पर वोट हैं, दो ईपीआईसी नंबर के साथ। जब विपक्ष के सबसे बड़े नेता के साथ ऐसा हो रहा है, तो आम लोगों का क्या हाल होगा

उन्होंने सवाल किया कि किस आधार पर कहा गया है कि 22 लाख लोग मर चुके हैं मृतक लोगों के नाम मततादा सूची में हैं, जबकि जीवित लोगों के नाम इससे गायब हैं। उन्होंने इसे वोट की चोरी का तरीका करार दिया और कहा कि बिहार में ट्रंप वोटर और डॉग बाबू वोटर जैसे मामले सामने आए हैं, जिनका जवाब न तो बीजेपी देती है और न ही चुनाव आयोग।

उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब कांग्रेस या राहुल गांधी आयोग से सवाल पूछते हैं, तो जवाब बीजेपी क्यों देती है आयोग एक स्वतंत्र संस्था है। वोटिंग की वीडियो फुटेज क्यों मिटाई जाती है महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों की वेबसाइट काम नहीं कर रही है। एक बिल्डिंग में सात हजार लोग वोटर हैं, यह कैसे संभव है उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राहुल गांधी से हलफनामा मांग रहा है, जो बीजेपी के इशारे पर हो रहा है। वहीं उदित राज ने एयर मार्शल प्रमुख के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि अगर भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट मार गिराए, तो यह अच्छी बात है। लेकिन हमारे कितने विमान गिरे, इसकी भी जानकारी दी जानी चाहिए। बीजेपी सरकार हर बात को छुपाने का काम कर रही है।

राहुल गांधी की वोट बचाओ अधिकार यात्रा कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा है

बेगूसराय। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव वोट बचाओ अधिकार यात्रा निकालने वाले हैं। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को इस यात्रा को कांग्रेस की समाप्ति की यात्रा बताया। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई पर सवाल उठाने को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी सेना नहीं, बल्कि पाकिस्तान पर ज्यादा भरोसा है।

सदन में पीएम मोदी के जवाब नहीं देने पर कांग्रेस द्वारा कायर बताए जाने को लेकर गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को देश की सेना पर भरोसा नहीं है। सेना के जनरल और सभी बड़े लोग बता चुके हैं, लेकिन उन्हें सेना और पीएम पर भरोसा नहीं है। कांग्रेस को डूबकर मर जाना चाहिए। अगर उनकी यही आदत रही तो वे देश के अंदर ही देशविरोधी कहलाएंगे। राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर सवाल उठाने पर गिरीराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान का ज्ञान नहीं है। वे पागल की तरह बात करते हैं। वे क्या कहना चाहते हैं कि हमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोट का अधिकार देना चाहिए, जो अवैध हैं, उन्हें वोट का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर उनमें ताकत है तो चुनाव आयोग को वह सूची क्यों नहीं दे रहे, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि जो जिंदा थे, उन्हें मृत दिखाया गया और जो सही वोटर्स थे, उन्हें सूची से निकाल दिया गया ?

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 जुलाई से लापता, उन्हें ढूंढने के लिए याचिका दायर करेंगे- संजय राउत

मुंबई। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 21 जुलाई से लापता हैं। स्वस्थ होने के बावजूद, यह बेहद चौंकाने वाला था कि उन्हें बताया गया कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया है। लेकिन, इस्तीफे के बाद से वह कहाँ हैं, उनकी स्वास्थ्य स्थिति क्या है, क्या वह सचमुच मौजूद हैं? क्या उन्हें कहीं गायब कर दिया गया है? ये संदेह हमारे मन में आ रहे हैं। रूस और चीन में जिन नेताओं को हम नहीं चाहते, उन्हें गायब करने का यही तरीका है। क्या इन लोगों ने ऐसी परंपरा शुरू की है? यह कहना है शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत का। संजय राउत ने रविवार को मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे जब दिल्ली गए थे, तब कपिल सिब्बल और मैंने धनखड़ के बारे में चर्चा की थी। इस संबंध में, हमने निर्णय लिया है कि सर्वोच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की जाए। जब कोई व्यक्ति नहीं मिल पाता है, तो ऐसी याचिका दायर की जा सकती है और न्यायालय के आदेश से संबंधित व्यक्ति का पता लगाया जा सकता है। संजय राउत ने आगे कहा, चुनाव से पहले कुछ लोगों ने शरद पवार से मुलाकात की थी और एक निश्चित राशि देकर 160 सीटें जीतने का दावा किया था। मैं आपको यह भी बता दूँ कि ऐसे कुछ लोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान उद्धव ठाकरे से भी मिले थे। तब उद्धव ठाकरे ने उनसे साफ़ कहा था कि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। लोकसभा में महाराष्ट्र में हमें सफलता मिली थी। बाद में, विधानसभा चुनावों के दौरान, ये लोग फिर मिले और कहा, जो 60-65 सीटें आपको मुश्किल लग रही हैं, बताइए, हम उन्हें ईवीएम से जीतेंगे। हमने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि हमें ऐसे तरीके की ज़रूरत नहीं थी। हालाँकि, उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने ईवीएम और मतदाता सूची के ज़रिए तैयारी की है, इसलिए आपकी विफलता दिखाई दे रही है। हम आपको जिता सकते हैं, ऐसा उन्होंने यह भी कहा। हमें चुनाव आयोग और लोकतंत्र पर विश्वास था। लेकिन अब मुझे लगता है कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे से मिलने वाले लोगों के दावों में सच्चाई होनी चाहिए।

पाकिस्तान को 2 महीने में 127 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। पाकिस्तान को भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद करने से दो महीनों में 127 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ है। 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि निलंबित करने के भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने संसद में बताया कि इस दौरान रोजाना लगभग 100 से 150 भारतीय उड़ानें प्रभावित हुईं। इससे पाकिस्तान को 24 अप्रैल से 30 जून के बीच 4.10 अरब पाकिस्तानी रुपए (लगभग 127 करोड़ भारतीय रुपए) का नुकसान हुआ।

एयरस्पेस बंद करने का यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। पाक रक्षा मंत्रालय ने कहा कि घाटा होने के बाद भी भारतीय विमानों पर लगे प्रतिबंध हटाए नहीं जाएंगे और एयरस्पेस को अगस्त के आखिरी हफ्ते तक बंद रखा जाएगा। इसके बाद स्थिति को देखकर निर्णय लिया जाएगा।

2019 में भी 451 करोड़ का नुकसान हुआ था

पाकिस्तान को 2019 में भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाने से लगभग 451 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ था। वहीं, पाकिस्तान के प्रतिबंध के जवाब में भारत ने भी पाकिस्तानी विमानों के भारतीय एयरस्पेस में घुसने पर रोक लगाई हुई है। पाकिस्तानी मंत्रालय के मुताबिक, नुकसान होने के बावजूद पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी की कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई है। 2019 में रोजाना औसत ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढ़कर 6.35 करोड़ हो गई। ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढ़कर 6.35 करोड़ हो गई।

भारतीय एयरलाइनों को हर महीने 306 करोड़ कानुकसान

पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के बाद 30 अप्रैल को एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय एयरलाइनों को हर महीने करीब 306 करोड़ रुपए से ज्यादा एक्स्ट्रा खर्च करने पड़ सकता है। एअर इंडिया ने अनुमान लगाया था कि अगर एक साल तक एयर स्पेस बंद रहता है तो उसे 600 मिलियन डॉलर यानी करीब 5081 करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

विधानसभा में बांके बिहारी न्यास विधेयक-2025 पेश होगा

लखनऊ। यूपी में विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होगा। सरकार इस बार बांके बिहारी न्यास विधेयक-2025 लेकर आ रही है। विधेयक को सदन में पेश करके पास कराया जाएगा। हालांकि, बांके बिहारी न्यास का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। ऐसे में कोर्ट से अंतिम फैसला आने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। 13 अगस्त को सुबह 11 बजे से 14 अगस्त को सुबह 11 बजे यानी 24 घंटे लगातार सदन की कार्रवाई चलेगी। इसमें सभी मंत्री प्रदेश के 2047 तक के विकास का विजन डॉक्यूमेंट पेश करेंगे। सदन में उस पर चर्चा होगी।

विधायकों के सुझाव और प्रस्ताव को शामिल कर सभी मंत्री अपना प्रस्ताव तैयार करके केंद्र सरकार को भेजेंगे। रविवार सुबह 11 बजे विधानसभा में पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक हुई।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महिलाओं ने गाया बधाई गीत, योगी सरकार के ट्रस्ट पर रोक

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का मामला

मथुरा। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी मामले में सुप्रीम कोर्ट फैसला दे और उसके सम्मान में मंदिर में महिलाएं बधाई गीत गाएं। जी हाँ वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर मामले में ऐसा ही कुछ हुआ है। दरअसल कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी की योगी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए गए ट्रस्ट का विरोध गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं पिछले ढाई माह से लगातार कर रहीं थीं और अब कोर्ट ने इस पर रोक लगाकर एक तरह से उन्हें राहत प्रदान कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले तक जो महिलाएं विरोध स्वरुप प्रदर्शन कर रहीं थीं वही अब बधाई गीत गाती नजर आई हैं। मानों बांके बिहारी मंदिर का माहौल ही अचानक बदल गया है। कोर्ट का फैसला जान गोस्वामी परिवार और उनकी महिलाएं खुश हो गईं और ठाकुरजी को निहारते हुए बधाई गीत गाने लगीं,

इससे मंदिर प्रांगण का भक्तिमय माहौल भावुक पलों में तब्दील हो गया। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और भक्तों में इसकी वजह जानने की कोशिश की। इस पर वहां मौजूद महिलाएं भावुक हो कहती दिखीं, जिन्होंने हमारे ठाकुरजी को परेशान करने की कोशिश की थी, उनकी हार हुई। ठाकुरजी ने तो हमें अपने पास ही रखा...। वे सभी जयकारा लगाते हुए बोलीं...जय हो बिहारीजी की। इसी के साथ भावना से ओत-प्रात महिलाएं गाती हैं, मेरे ठाकुर जी की फूल गई फुलवाड़ीज। जिसमें अन्य भक्तजन भी शामिल होते चले जाते हैं।

यहां बताते चलें कि कॉरिडोर प्रोजेक्ट और यूपी सरकार के मंदिर प्रबंधन के लिए बनाए जाने वाले ट्रस्ट का विरोध काफी लंबे समय से किया जा रहा था। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 8 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 के तहत समिति के संचालन को रद्द किया जा रहा है। कोर्ट ने बांके बिहारी ट्रस्ट पर अस्थाई रोक लगाते हुए अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया। इसे बांके बिहारी मंदिर से जुड़े हुए लोग और भक्त बड़ी जीत बता रहे हैं और बधाई गीत गा रहे हैं।

वेतन मिलने के 5 मिनट बाद ही कर्मचारी ने छोड़ी नौकरी, एचआर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक कर्मचारी के नौकरी छोड़ने को लेकर बहस छिड़ी हुई है। पोस्ट में दावा किया गया कि एक कर्मचारी ने अपना पहला वेतन मिलने के महज पांच मिनट बाद इस्तीफा दे दिया। पोस्ट के मुताबिक, सुबह 10ः00 बजे वेतन क्रेडिट हुआ, 10ः05 बजे इस्तीफे का ईमेल आ गया। एचआर ने लिखा कि कंपनी ने इस कर्मचारी के ऑनबोर्डिंग में घंटों लगाए और टीम ने उसे प्रशिक्षित करने में कई हफ्ते बिताए, लेकिन वेतन आते ही उसने नौकरी छोड़ दी।

इस पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर मिले-जुले विचार सामने आए। कुछ लोगों ने एचआर का समर्थन किया, तो कईयों ने कर्मचारी का पक्ष लिया। क यूजर ने लिखा, जब कंपनियां अपने कर्मचारियों को प्राथमिकता देंगी, तब कर्मचारी भी कंपनियों को प्राथमिकता देंगे। दूसरे ने कहा फ्रएथिक्स? वेतन तो पहले से किए गए काम के बदले दिया जाता है, न कि दान में या अग्रिम में। अगर कोई वेतन मिलने के बाद इस्तीफा देता है, तो इसका मतलब है कि उसने उस महीने की जिम्मेदारी पूरी कर दी।

एचआर प्रोफेशनल ने इस घटना को पेशेवर नैतिकता की कमी बताते हुए लिखा, कंपनी ने आपको स्वागत किया, भरोसा किया और बढ़ने का मंच दिया। लेकिन आपने पहला वेतन खाते में आते ही कंपनी छोड़ दी। क्या यह उचित था? क्या यह नैतिक था?उन्होंने आगे कहा, अगर कुछ ठीक नहीं लग रहा था तो आप बात कर सकते थे, मदद मांग सकते थे, स्पष्टता ले सकते थे। लेकिन सोच-समझकर बाहर निकलना चाहिए था, न कि सुविधानुसार। कोई नौकरी 'आसान' नहीं होती। हर भूमिका में प्रतिबद्धता, धैर्य और मेहनत लगती है। पहला वेतन आपका विकास नहीं लाता। विकास धैर्य और लगन से आता है। कुछ ने कंपनियों द्वारा अचानक निकाले जाने का मुद्दा उठाया। एक यूज़र ने लिखा, महीने के बीच में बिना नोटिस या स्पष्टीकरण के कर्मचारियों को निकालना कैसे सही है?

आतंकियों की चौतरफा घेराबंदी : कुपवाड़ा में आतंकियों का ठिकाना ध्वस्त, किश्तवाड़ में मुठभेड़

जम्मू। जम्मू कश्मीर में आतंकियों का सफाया करने में सुरक्षा बल पूरी ताकत से लगे हुए हैं। यहां चलाए जा रहे ऑपरेशन ओखल के तहत खुफिया सूचना के आधार पर आतंकियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसमें बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों ने हफरूदा(कुपवाड़ा) में आतंकियों के एक ठिकाने से हथियार व अन्य साजो सामान बरामद किया है। जवानों ने आतंकी ठिकाने का भी नष्ट कर दिया है।वहीं किश्तवाड़ में सुरक्षा कई घंटों से आतंकियों के खिलाफ लोहा ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह आतंकी ठिकाना हफरुदा के द्रुड जंगल में बना हुआ था। यह इलाका गुलाम जम्मू-कश्मीर की तरफ से घुसपैठ करने वाले आतंकियों द्वारा घाटी के भीतरी इलाकों में जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सेना की 02 राजपूत यूनिट के जवानों ने आज सुबह द्रुड में एक विशेष सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान उन्होंने जंगल में एक जगह बने भूमिगत आतंकी ठिकाने का पता लगाया। उन्होंने वहां से एक आरपीजी और आरपीजी ग्रेनेड के अलावा एक एसाल्ट राइफल, एक पिस्तौल व अन्य साजो सामान बरामद किया है। समझा जा रहा है कि आतंकियों ने सुरक्षाबलों को आते देख लिया हो और वह वहां से भाग निकले हों। संबधित अधिकारियों ने बताया कि जवानों ने बाद में आतंकी ठिकाने को नष्ट कर दिया। वहीं दूसरी तरफ किश्तवाड के दुल इलाके खुफिया जानकारी के आधार पर चल रहे एक अभियान के दौरान जवानों का इन आतंकियों से सामना हुआ। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा करते हुए लिखा है कि गोलीबारी हुई है, फिलहाल अभियान जारी है। घाटी में चल रहा यह अभियान कुलगाम में जारी ऑपरेशन के बाद शुरू हुआ है। कुलगाम में आतंकियों से जारी मुठभेड़ लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को वीरगति प्राप्त हुई है। ऑपरेशन ओखल पिछले नौ दिनों से जारी है। चिनार कोर ने इस अभियान में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा। पोस्ट में लिखा, चिनार कोर राष्ट्र के लिए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करता है।

आज पीएम मोदी करेंगे सांसदों के लिए बने नए बहुमंजिला फ्लैट्स का उद्घाटन

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार सुबह नई दिल्ली में बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए निर्मित बहुमंजिला फ्लैट्स का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर पीएम मोदी परिसर में सिंदूर का पौधा भी लगाएंगे। इसके साथ ही वे श्रमजीवियों से संवाद करेंगे और जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। यह आवासीय परिसर आत्मनिर्भर रूप से डिजाइन किया गया है। यह सांसदों की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह परियोजना में हरित तकनीकों को अपनाया गया है, जो ग्रिहा की 3-स्टार रेटिंग मानकों के अनुरूप है और राष्ट्रीय भवन संहिता 2016 का पालन करती है। इन पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ विशेषताओं से ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में योगदान मिलने की उम्मीद है। निर्माण में उन्नत तकनीक, खासतौर पर एल्यूमिनियम शटरिंग के साथ मोनोलिथिक कंक्रीट का उपयोग किया गया है, जिससे परियोजना को समय पर पूरा किया जा सका और संरचनात्मक मजबूती भी सुनिश्चित की गई। यह परिसर दिव्यांगजनों के लिए भी अनुकूल है, जो समावेशी डिजाइन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संसदों के लिए पर्याप्त आवास की कमी के कारण इस परियोजना का विकास जरूरी था। भूमि की सीमित उपलब्धता के कारण भूमि उपयोग को अनुकूलित करने और रखरखाव लागत को न्यूनतम करने के उद्देश्य से वर्टिकल निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। हर फ्लैट में करीब पांच हजार वर्ग फीट का कार्पेट एरिया उपलब्ध है, जो आवासीय और आधिकारिक कार्यों के लिए पर्याप्त है।

वकील अपनी पहचान न्याय के सूत्रधार के रुप में स्थापित करें- पूर्व सीजेआई

छत्रपति संभाजीनगर। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने वकालत कर रहे छात्रों और वकीलों को नौतिकता पर खरे उतरने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि सभी वकीलों को अपनी पहचान न्याय के सूत्रधार के रूप में स्थापित करनी चाहिए। पूर्व सीजेआई के मुताबिक सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। खासकर कानून की पढ़ाई करने वाले अभ्यार्थी जिंदगी भर कुछ न कुछ नया सीखते हैं। वो एक स्वतंत्र विचारक होते हैं।

लॉ कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वकीलों के लिए न्याय सबसे पहले होना चाहिए। अगर चाहिए तो दूसरों का मार्गदर्शन जरूर लो, आपकी सोच स्वतंत्र होनी चाहिए। उनहोंने कहा कि अगर नई पीढ़ी कुछ नया सीखती है और अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहती है, तो इस क्षेत्र में आपके सामने ढेरों मौके खुले हैं। आज महिलाएं भी सुपरस्पेशलिटी और तकनीकी शाखाओं में शामिल हो रही हैं।

भाजपा की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारीयों के नामों की 20 अगस्त तक हो जाएगी घोषणा

प्रदेश स्तर से बनाए गए दो पर्यवेक्षक, पूर्व मंत्री ,सांसद और वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी काम करने वाले कार्यकर्ताओं के नाम पर करेंगें रायशुमारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी में अब जिला कार्यकारिणी का गठन किया जाना है । जिसको लेकर भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा अलग-अलग जिलों में कार्यकारिणी के गठन के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं। जिसमें भाजपा जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए दो पर्यवेक्षक गठन किए गए हैं। जिले के भी भाजपा पूर्व विधायक को अन्य जिलों का पर्यवेक्षक बनाया गया है । साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे द्वारा बताया गया कि कार्यकारिणी में पदाधिकारीयों का गठन 20 अगस्त के अंदर ही कर लिया जाएगा । जिसमें सांसद ,पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक , पूर्व मंत्री और वरिष्ठ समाजसेवी भी इस कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया में सम्मिलित रहेंगे ।

आपको बता दे कि आगामी समय में विधानसभा ,लोकसभा और अन्य चुनाव होने हैं। जिसके लिए सभी पार्टी अभी से ही अपने स्तर पर अपने संगठन को मजबूत और विस्तार करने में लग गई है । इसी प्रकार बीते कुछ महीनों पहले बालाघाट में भाजपा जिला अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी पूरी हो गई थी एवं सर्वसम्मति से रामकिशोर कावरे को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया हैं । इसके बाद जिला स्तर पर कार्यकारिणी का गठन होना था , जो बीते कुछ महीनो से नहीं हो पाया था । माना जा रहा था कि चुनाव के कुछ दिनों बाद ही कार्यकारिणी का गठन संगठन कर देता है । किंतु 6 महीने बीत जाने के बाद भी कार्यकारिणी का गठन नहीं हुआ था । उसके बाद सभी कार्यकारिणी के गठन का इंतजार कर रहे थे । अब जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए शीर्ष नेतृत्व द्वारा पहल शुरू कर दी गई है । प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं । इसमें बालाघाट जिले में भी भाजपा की इस कार्यकारिणी के गठन के लिए दो पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं । साथ ही जिले के पूर्व मंत्री , सांसद ,विधायक और वरिष्ठ भाजपाई को कार्यकारिणी की प्रक्रिया में पदाधिकारीयों के नाम को लेकर रायशुमारी करेंगे । इस विषय को लेकर जब हमारे द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही भाजपा में जिला कार्यकारिणी का गठन होना है और इसके लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश में अलग-अलग जिलों में

कार्यकारिणी के गठन को लेकर पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं । संगठन में अलग-अलग समाजों के नेतृत्व करने वालों को रायशुमारी कर कार्यकारिणी में सम्मिलित किया जाएगा और सभी के नामों के बंद लिफाफा भोपाल जायेंगे और उसके बाद पुन: एक बार मंथन होने के बाद कार्यकारिणी की घोषणा होगी और सभी को साथ और विश्वास में लेकर ही इस कार्यकारिणी में पदाधिकारी को सम्मिलित किया जाएगा । यह कार्यकारिणी के परिणाम 20 अगस्त के अंदर ही घोषित कर दिए जाएंगे ।

16 अगस्त को पहुंचेंगे पर्यवेक्षक बालाघाट

जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल द्वारा बालाघाट के लिए इंदौर के डॉक्टर निशांत खरे को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है । वह 16 अगस्त को बालाघाट पहुंचेंगे ,जो दिन भर यहां रह कर अनेक विषय को लेकर चर्चा करेंगे। बालाघाट के लिए दो पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं वीरेंद्र गोयल और निशांत खरे। बालाघाट जिले के पूर्व विधायक रमेश भटेरे को कटनी जिले का पर्यवेक्षक बनाया गया है । पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम को शहडोल और उमरिया के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

कार्यकारिणी में इन पदों पर होगी नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी में जिला कार्यकारिणी का गठन होना है। इसमें भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे द्वारा बताया गया की कार्यकारिणी में तीन महामंत्री, आठ उपाध्यक्ष ,जिले में 8 मंत्री , एक कोषाध्यक्ष , एक कार्यालय मंत्री , मीडिया प्रभारी , आईटी सेल प्रभारी, सोशल मीडिया प्रभारी की नियुक्ति जिला स्तर पर होना है। जिसके लिए सभी के साथ बैठकर और सभी को विश्वास में लेकर रायशुमारी की जाएगी और 20 अगस्त के अंदर कार्यकारिणी में नियुक्त पदाधिकारी के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

कांग्रेस में जिला अध्यक्ष के नाम का इंतजार

जहां एक ओर भाजपा अपने संगठन को मजबूत और विस्तार करने में लगी है, तो कांग्रेस भी संगठन विस्तार को लेकर पीछे नहीं है । कांग्रेस में भी संगठन को मजबूत करने जिला अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है । बीते दिनों कांग्रेस जिला अध्यक्ष के कुछ नामों का बंद लिफाफा शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गया है। सभी इन दिनों कांग्रेस जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा होने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि माना यह जा रहा था कि बीते दिनों यह घोषणा अभी तक हो जानी थी , किंतु कांग्रेस संगठन द्वारा अभी तक कांग्रेस जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा नहीं की गई है । सभी कांग्रेस जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा होने का इंतजार कर रहे हैं।

पल्सर ने मोटरसाइकिल को मारी ठोस मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति उसकी पत्नी और बेटी घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाने के अंतर्गत नवेगांव चौक से नहर के बीच पल्सर मोटरसाइकिल ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति उसकी पत्नी और बेटी घायल हो गए। जिनमे अधिक चोट लगने से घायल व्यक्ति जीतलाल पिता दरियाव लिल्हारे 30 वर्ष ग्राम बोदा थाना भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में इस व्यक्ति की पत्नी दुर्गेश्वरी लिल्हारे और बेटी वंशिका लिल्हारे को मामूली चोंटे आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीतलाल लिल्हारे खेती किसानी करते हैं। 9 अगस्त की शाम 7-00 बजे जीतलाल लिल्हारे अपनी पत्नी दुर्गेश्वरी लिल्हारे और बेटी वंशिका लिल्हारे के साथ मोटरसाइकिल में अपने ससुराल नेतरा जा रहे थे। तभी नवेगांव से नेतरा रोड़ पर नवेगांव चौक से नहर के बीच सामने से तेज रफ्तार से आ रही पल्सर मोटरसाइकिल ने जीतलाल लिल्हारे की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। जिससे जीतलाल लिल्हारे अपनी पत्नी दुर्गेश्वरी बेटी वंशिका के साथ मोटरसाइकिल सहित गिर गए। इस सड़क दुर्घटना में जीतलाल लिल्हारे को अत्यधिक चोट पर आई थी। तीनों घायल 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां अत्यधिक चोट लगने से घायल जीतलाल लिल्हारे को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने जीतलाल लिल्हारे की पत्नी दुर्गेश्वरी लिल्हारे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण भिजवा दी है।

अमरूद के पेड़ के पत्ते आंगन में आने का विवाद

एक व्यक्ति को उसके पड़ोसी पिता पुत्र ने हाथ बुक्के और डंडे से मारपीट कर किये घायल

घायल व्यक्ति जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 3 स्वीपर कॉलोनी में एक व्यक्ति को पड़ोस में रहने वाले पिता पुत्र ने हाथ बुक्के और डंडे से मारपीट कर घायल कर दिए। बीती रात यह घटना अमरूद के पेड़ के पत्ते घर के आंगन में आने के विवाद को लेकर हुईं। मारपीट में घायल व्यक्ति आसिफ कुरेशी पिता इस्माइल कुरेशी 53 वर्ष वार्ड नंबर 3 स्वीपर कॉलोनी निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है वही इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने मोहम्मद खलील और उसके बेटे सद्दाम के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जान शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर 3 स्वीपर कॉलोनी के पीछे बैहर रोड बालाघाट निवासी आसिफ कुरेशी की बस स्टैंड बालाघाट में मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकान है। जिसके पड़ोस में मोहम्मद खलील अपने परिवार के साथ रहते हैं। मोहम्मद खलील के घर के पीछे बाड़ी में अमरूद का पेड़ लगा हुआ है ।अमरूद के पेड़ के पत्ते झड़कर आसिफ कुरेशी के आंगन में आते रहते हैं। आसिफ कुरैशी ने 3 दिन पहले मोहम्मद खलील के लड़के सद्दाम को अमरूद का पेड़ कटवाने के लिए बोला था। किंतु सद्दाम ने पेड़ कटवाने से मना कर दिया था। 8 अगस्त की रात की 9:30 बजे करीब जब आशिफ कुरैशी अपनी दुकान बंद करके घर के सामने गेट पर पहुंचे ही थे। तभी मोहम्मद खलील उसका बेटा सद्दाम दोनों आशिफ कुरैशी के पास आए और उसे बोलने लगे कि सबके सामने पेट कटवाने के लिए हम लोगों को क्यों बोलता है। यह कहकर दोनों पिता पुत्र आशिफ कुरैशी को अश्लील गालियां देने लगे।। आसिफ कुरैशी ने उन्हें गालियां देने से मना किया। तभी मोहम्मद खलील और उसका बेटा सद्दाम दोनों आवेश में आ गए और दोनों पिता पुत्र ने आशिफ कुरैशी को हाथ बुक्के और और डंडे से मारपीट करने लगे। इसी दौरान सद्दाम ने आसिफ कुरेशी को नुकीली वस्तु से उसके आंख के ऊपर मार दिया। मोहम्मद खलील और उसके बेटे सद्दाम द्वारा मारपीट करने से आसिफ कुरेशी घायल हो गया । आवाज सुनकर आशिफ कुरैशी के परिवार के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। इसके बाद मोहम्मद खलील और उसके बेटे सद्दाम ने आसिफ कुरेशी को दोबारा अमरूद का पेट काटने बोलने पर जान से मार डालने की

धमकी देगी। जिसके बाद आशिफ कुरेशी अपने परिवार के साथ रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने मारपीट में घायल आसिफ कुरैशी को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर मोहम्मद खलील और उसके बेटे सद्दाम के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296 115(2) 351(3) 3(5)भारतीय न्याय संहिता2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

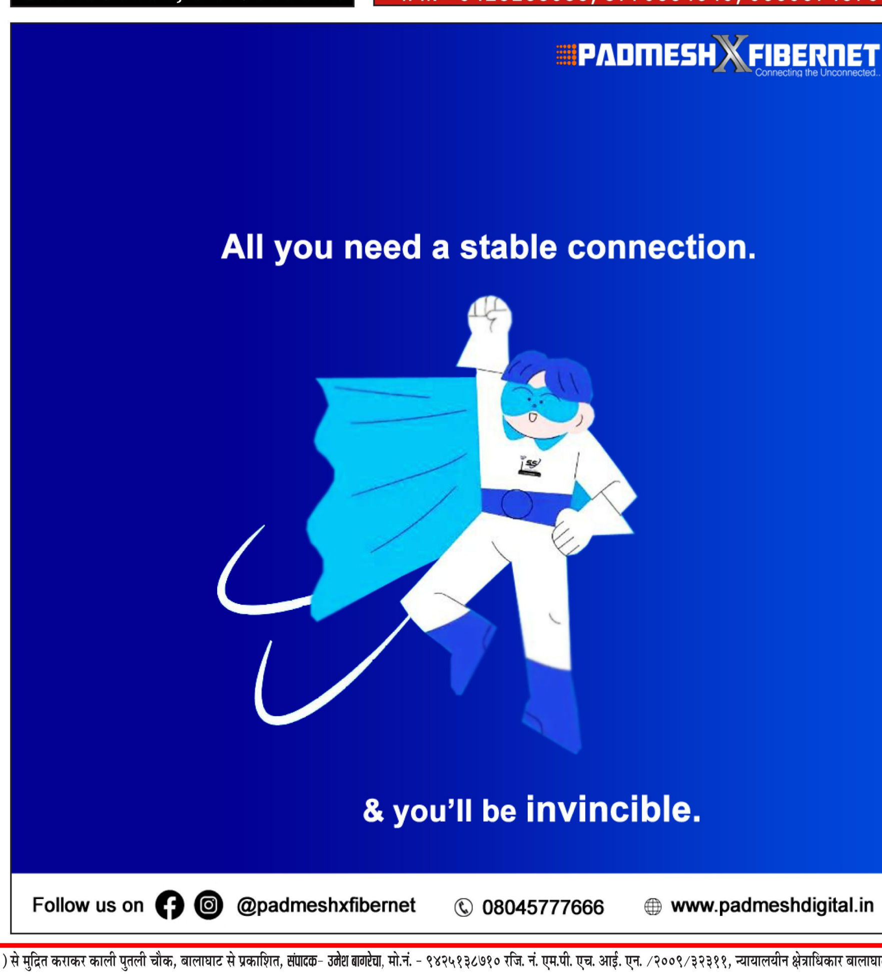

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट